20 मई 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख पति ने पत्नी की बटखरे से मार की हत्या
3

पटना में बेखौफ हुए अपराधी... 24 घंटे के अंदर चार लोगों की गोली मार कर दी हत्या

सुशासन पर सवाल

केटी न्यूज/पटना

सुशासन की सरकार का दावा करनेवाले बिहार में एक बार फिर अपराधी बेखौफ हो गए हैं। वे आए दिन हत्या, डकैती और लूट की बड़ी घटना को अंजाम देकर सुशासन और प्रशासन को खुली चुनौती दे रहे हैं। अपराधियों के आगे प्रशासन पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। ताजा मामला राजधानी पटना का है, जहां बीते 24 घंटे के भीतर अपराधियों ने चार लोगों को गोली मार दी, इनमें से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। अपराधियों के इस नंगा नाच ने आमजन में एक बार फिर दहशत का माहौल कायम कर दिया है। ये घटनाएं बेऊर, फुलवारी शरीफ, खाजेकलां और कदमकुआं क्षेत्र की हैं। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा, अपराधियों को सरकार ने छूट दे दी है। नीतीश कुमार बिल्कुल अचेत अवस्था में हैं।

मॉर्निंग वॉक कर रहे बैंक्वेट हॉल के मालिक को मारी गोली

बेऊर इलाके में सोमवार की सुबह बेखोफ अपराधियों ने मॉर्निंग वॉक कर रहे बैंक्वेट हॉल के मालिक संजय सिंह को बाइक सवार अपराधियों ने दो गोली मार दी, एक गोली उनके ब्रेन में लगी है तो दूसरी गोली सीने में। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घटना को अंजाम दे मौके से बाइक सवार अपराधी फरार हो गए। गोली की आवाज सुन स्थानीय लोग इकट्ठा हुए और आनन-फानन में घायल बैंक्वेट हॉल के मालिक को इलाज के लिए निजी नर्सिंग होम में ले गए। जहां बाद में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। संजय बेऊर इलाके में ही स्वयंवर मैरेज हाल चलाते हैं। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से अपराधियों की पहचान करने में जुटी है। घटना की सूचना पर एसडीपीओ फुलवारी सुशील कुमार भी मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने बताया कि सोमवार की सुबह 6:40 बजे के करीब बाइक सवार दो अपराधियों ने संजय सिंह नामक एक व्यक्ति को गोलीमार गंभीर रूप से घायल कर दिया बाद में उनकी मौत हो गई। घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया गया है, FSL की टीम को बुलाया गया है, SIT की टीम गठित की गई है।

फुलवारी शरीफ में जमीन को लेकर विवाद में गोली मारकर हत्या

फुलवारी शरीफ में सोमवार की सुबह एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 55 वर्षीय अनवर मिंया के तौर पर हुई। सरेआम गोलीबारी की घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि अनवर भतीजे सिम्मो के साथ बाइक से जा रहे थे। इमारत शरिया के पास बाइक सवार बदमाशों ने अनवर मियां को एक के बाद एक कुल पांच गोली मारी। गोली लगने के बाद अनवर बाइक से गिर पड़े। सरेआम गोलीबारी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। गंभीर अवस्था में स्थानीय लोगों ने घायल को एम्स में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान अनवर ने दम तोड़ दिया। चश्मदीदों के मुताबिक हमलावर घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। वारदात के बाद पुलिस सुरक्षा की भी पोल खुली है। घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर ही पुलिस चेक पोस्ट है। चेक पोस्ट पर 24 घंटे जवान तैनात रहते हैं। इसके बावजूद अपराधियों ने दिनदहाड़े घटना को अंजाम दिया है। मौके पर मौजूद लोगों ने पटना की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। फुलवारी शरीफ के डीएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि मृतक का संपत्ति को लेकर परिवार से विवाद था और हाल ही में जेल से छूटे थे। राहत की बात है कि गोलीबारी की घटना में मृतक का भतीजा सिम्मो सुरक्षित है। पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी आया है जिसमें अपराधी बुलेट पर सवार होकर आया था और गोली मारकर निकल गया। परिजनों ने बताया कि इससे पहले भी जमीन विवाद को लेकर हमला हो चुका था। अब इस हत्या के पीछे भी उसी जमीन विवाद को कारण माना जा रहा है। परिजनों ने एआईएमआईएम नेता फारुख रजा उर्फ डबलू पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पटना सिटी में पानी कारोबारी को मारी गोली, मौत

पटना सिटी के खाजेकला थाना क्षेत्र के दूल्ली के पास घात लगाए अपराधियों ने रविवार की रात में पानी कारोबारी मंटू राय को गोली मार दी। जिसके बाद घायल मंटू राय को इलाज के लिए एनएमसीएच भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत बता दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने घटनास्थल से चार खोखा बरामद किया है। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। हत्या से परिजनो में कोहराम मचा हुआ है और रो-रोकर सभी का बुरा हाल है। पुलिस का मानना है कि यह हत्या आपसी रंजिश या व्यवसायिक दुश्मनी का नतीजा हो सकती है। मंटू राय के किसी से पुराने झगड़े या विवाद की जांच की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी दहशत है। टुल्ली घाट जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में इस तरह की हत्या से आम लोग सहम गए हैं। लोगों की मांग है कि पुलिस जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार करे ताकि कानून व्यवस्था में उनका भरोसा बना रहे। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि मंटू राय की हत्या किसने और क्यों की। क्या यह एक सोची-समझी साजिश थी या फिर किसी पुराने विवाद का नतीजा? पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है।

सुबह पांच बजे अगमकुआं में ऑटो चालक की मार दी गोली: घर से ऑटो चलाने निकले 31 वर्षीय ऑटो चालक शशि कुमार की बदमाशों ने गोलियों से भून कर हत्या कर दी। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के धनुकी मोड़ के पश्चिम डेयरी कारखाना के समीप सुबह पांच बजे घटी है। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक का शव पड़ा है। इसी बीच कुछ दूरी पर एक ऑटो भी दिखा। मृतक की पहचान पीरबहोर थाना क्षेत्र के महेंद्रू चाई टोला निवासी संजय कुमार के पुत्र शशि कुमार के तौर पर हुई।

खबरें फटाफट

कटिहार पुलिस ने तीन संदिग्धों को बम के साथ पकड़ा

कटिहार। रविवार की देर रात कटिहार पुलिस ने तीन संदिग्धों को बम के साथ पकड़ा। तीनों संदिग्धों को पुलिस ने महानंदा एक्सप्रेस ट्रेन से भागने के दौरान पकड़ा। पुलिस को देखते ही तीनों संदिग्ध ट्रेन से भागने लगे। दो संदिग्ध बम के साथ भागने में सफल हो गया जबकि एक अन्य संदिग्ध को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार प्राणपुर थाना क्षेत्र के मटियारी रेलवे गेट संख्या केके-8 कुरैठा के पास महानंदा ट्रेन में बैठकर ये संदिग्ध किसी बड़ी घटना को अंजाम देने जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस की नजर इनपर पड़ी और तीनों भागने लगे। पुलिस ने पीछा करके एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अधिकारी संदिग्ध से पूछताछ कर रहे हैं। इन तीनों संदिग्ध के आतंक लिंक की पुलिस जांच कर रही है। इन्हे बम कहां से मिला था और किस जगह इसका इस्तेमाल किया जाना था इसकी पड़ताल की जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसिया बहुत सतर्क हो गई है और इस तरह के गतिविधियों पर पैनी नजर रखी हुई है। पकड़े गये संदिग्ध से पुलिस की पूछताछ जारी है।

आतंकवाद के खिलाफ तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हैदराबाद को दहलाने की साजिश नाकाम आईएसआईएस के दो संदिग्ध गिरफ्तार

- गिरफ्तार दो युवकों में से एक ने ऑनलाइन खरीदा था बम बनाने का सामान
- दोनों विजयनगरम के बाहरी क्षेत्र में इन सामानों से धमाका करने की बना रहे थे योजना

एजेंसी/हैदराबाद

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस ने मिलकर एक बड़ा ऑपरेशन किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने आईएसआईएस से जुड़े दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों बम धमाके करने की तैयारी कर रहे थे। इनमें से एक आरोपी हैदराबाद का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, ये दोनों आरोपी धमाके करने से पहले विस्फोटकों का टेस्ट करना चाहते थे। वे यह देखना चाहते थे कि विस्फोटक सही से काम कर रहे हैं या नहीं। पकड़े गए आरोपियों के नाम समीर और सिराज उर रहमान हैं। समीर लिफ्ट ठीक करने का काम करता है। वह भोईगुड़ा का रहने वाला है। सिराज उर रहमान ग्रेजुएट है और फिलहाल बेरोजगार है। वह विजयनगरम का रहने वाला है।

पुलिस का कहना है कि सिराज इस साजिश का मास्टरमाइंड था। समीर मदद कर रहा था।

सिराज ने हाल ही में ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइटों से बम बनाने का सामान खरीदा था। दोनों आरोपी विजयनगरम के बाहरी इलाके में इन सामानों से धमाका करने की योजना बना रहे थे। तेलंगाना पुलिस को इस साजिश की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि वे आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया था कि हमला कब और कहां करना है। कहा जा रहा है कि इन दोनों आरोपियों का संपर्क सऊदी अरब में बैठे एक व्यक्ति से था। जब पुलिस ने पूछा कि क्या इन आरोपियों का किसी आतंकवादी संगठन से संबंध है, तो अधिकारियों ने कहा कि वे खुद से कट्टरपंथी बने थे। उनका किसी भी संगठन से कोई संबंध नहीं है। लेकिन वे देश में गड़बड़ी फैलाने की योजना बना रहे थे।

सोशल मीडिया से बम बनाने की सीख रहे थे तकनीक

इंटेलिजेंस ब्यूरो की ओर से पिछले कुछ महीनों से रहमान पर कड़ी नजर रखी जा रही थी। इस बीच विजयनगरम पुलिस के साथ मिलकर इंटेलिजेंस ब्यूरो ने अचानक उसके घर पर छापा मारा। इसके बाद पुलिस ने रहमान की दी गई जानकारी के आधार पर हैदराबाद से एक अन्य युवक समीर को गिरफ्तार किया। जांच के पुलिस ने पाया कि दोनों आरोपी सोशल मीडिया के जरिए बम बनाने की तकनीक सीख रहे थे। उन्होंने कई अहम सबूत भी जुटाए थे। एक सीनियर पुलिस ऑफिसर के मुताबिक दोनों आरोपियों ने ऑनलाइन विस्फोटक खरीदकर विजयनगरम में इनका ट्रायल किया। ट्रायल सफल होने के बाद दोनों ने विस्फोटों को अंजाम देना चाहा। ऑफिसर ने कहा,' हमें यकीन नहीं है कि हैदराबाद उनकी लिस्ट में है या नहीं। सिराज और समीर सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आए थे। दोनों आईएसआईएस गतिविधियों के बारे में बातचीत करने लगे। आपस में विश्वास हासिल करने के बाद दोनों ने आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का फैसला किया। उन्होंने ऑनलाइन ऑर्डर देकर विस्फोटक खरीदे और विजयनगरम में एक सुनसान जगह पर ट्रायल किया।

जम्मू में आतंकी गतिविधियों में शामिल दो संदिग्ध गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकी गतिविधियों में शामिल दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इन दोनों के कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने सोमवार को इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि यह अभियान आतंक के खिलाफ चलाए जा रहे संयुक्त ऑपरेशनों का हिस्सा है।
शोपियां पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया, एसओजी शोपियां, सीआरपीएफ 178 बटालियन और सेना की 34 राष्ट्रीय राइफल्स की संयुक्त टीम ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। उनकी तलाशी में 4 हैंड ग्रेनेड, 2 पिस्तौल, 43 जिंदा कारतूस और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है।
पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने दबाव बढ़ा दिया है। हाल के दिनों में आतंकियों और उनके ओवरग्राउंड नेटवर्क पर कई ठोस कार्रवाइयां की गई हैं। सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां घाटी में सक्रिय आतंकियों और उनके समर्थन तंत्र को खत्म करने के लिए संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं।

स्वर्ण मंदिर को निशाना बना पाक ने किया था ड्रोन हमला

भारत ने पाकिस्तान के दुस्साहस को किया नाकाम

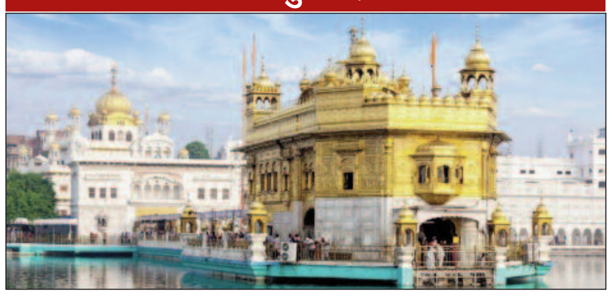

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय सेना ने सोमवार को एक बड़ा खुलासा करते हुए जानकारी दी कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने अमृतसर स्थित पवित्र स्वर्ण मंदिर को अपने ड्रोन और मिसाइल हमलों का लक्ष्य बनाने की कोशिश को अंजाम दिया था, लेकिन भारत की मजबूत और सतर्क वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के इस दुस्साहस को पूरी तरह पानी फेर मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय सेना ने अमृतसर में एक लाइव डेमो के जरिए यह प्रदर्शित किया कि किस तरह आकाश मिसाइल प्रणाली, एल-70 एयर डिफेंस गन और अन्य उन्नत किस्म के हथियारों से भारतीय सेना के जवानों ने पाकिस्तान के मिसाइलों और ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया। सेना के इस पराक्रम का ही नतीजा है कि सिक्खों के धार्मिक स्थल स्वर्ण मंदिर को इंच भर भी नुकसान नहीं होने पाया। इतना ही नहीं नागरिक क्षेत्रों को भी सुरक्षित रखा गया। 15 इन्फेंट्री डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल कार्तिक सी. शेषाद्रि ने जानकारी दी कि सेना ने स्वर्ण मंदिर के चारों ओर एक व्यापक हवाई रक्षा कवच तैनात किया था। उन्होंने जानकारी दी कि उन्हें इस बात की पहले से आशंका थी कि पाकिस्तान स्वर्ण मंदिर को निशाना बनाने के बारे में सोच सकता है। इसी कारण हमने वहां अतिरिक्त एयर डिफेंस गनर्स तैनात कीं थीं।

8 मई की सुबह पाक ने किया था हमला: मेजर जनरल शेषाद्रि ने बताया कि पाकिस्तान ने 8 मई की तड़के मानव रहित ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों के साथ हवाई हमला किया था। लेकिन भारतीय सेना पूरी तरह चौकस थी और सभी खतरों को हवा में ही समाप्त कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश... पूर्ण पेंशन पाने के हकदार होंगे हाई कोर्ट के सभी रिटायर्ड जज

एजेंसी/नई दिल्ली

हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों की पेंशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जजों की एंट्री और कार्यकाल के आधार पर कोई पक्षपात नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट के जजों की पेंशन में इस आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता कि वे कब सेवा में आए व उनकी नियुक्ति न्यायिक सेवा से हुई है या बार से।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम मानते हैं कि हाई कोर्ट के सभी रिटायर्ड जज, चाहे उनकी नियुक्ति किसी भी तारीख को हुई हो, पूर्ण पेंशन पाने के हकदार होंगे। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि भारत सरकार को हाई कोर्ट के रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीशों को सालाना 15 लाख रुपये की पूरी पेंशन का भुगतान करना होगा।

ज्योति के संपर्क में थे 3 पाकिस्तानी हैंडलर्स

एजेंसी/चंडीगढ़

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार हुई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के वक्त पर देश में ब्लैकआउट था तब ज्योति मल्होत्रा के संपर्क में तीन पाकिस्तानी हैंडलर्स थे। ये लोग उत्तर भारत में हाल ही में हुए ब्लैकआउट के दौरान भी हैंडलर से संपर्क बनाए हुए थे। ज्योति मल्होत्रा से पूछताछ में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को कई जानकारियां

हाथ लगी हैं। सामने आया है कि ज्योति मल्होत्रा न सिर्फ पाकिस्तान गई थी बल्कि यूट्यूबर ने तीन महीने पहले पहलगाम की यात्रा की थी। ज्योति मल्होत्रा पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने और दुश्मन देश के एजेंडा को प्रमोट करने के गंभीर आरोप हैं। पुलिस कोर्ट से रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। ज्योति मल्होत्रा ने पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान की आलोचना की बजाए अलर्ट नहीं होने का ज्ञान दिया था। यह भी पता चला है कि ज्योति को पाकिस्तानी हाई कमीशन के एक कर्मचारी ने हनीट्रैप में फंसाया था। जिसकी पहचान दानिश के रूप में हुई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस से जुड़ा हुआ है। ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान को संवेदशनशील जानकारियां देने के आरोप में अरेस्ट किया गया है।

श्रीलंकाई नागरिक ने भारत में शरण के लिए सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी याचिका, खारिज

भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां शरणार्थियों को रखा जा सके

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक शरण याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दरअसल, एक श्रीलंकाई नागरिक ने भारत में शरण के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उसके वकील का कहना है कि श्रीलंकाई में उसकी जान को खतरा है। श्रीलंकाई नागरिक वीजा पर भारत आया था। वह गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत तीन साल से जेल में है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जज के विनोद चंद्रन की पीठ ने श्रीलंकाई नागरिक की याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने इस दौरान कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां दुनिया भर से शरणार्थियों को रखा जा सके। श्रीलंकाई नागरिक को 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम से जुड़े होने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। एलटीटीई एक समय श्रीलंका में सक्रिय एक आतंकवादी संगठन था।

जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि क्या भारत को दुनिया भर से शरणार्थियों की मेजबानी करनी है? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है कि हम हर जगह से विदेशी नागरिकों का स्वागत कर सकें। कोर्ट ने पूछा कि आखिर उसे भारत में रहने का क्या अधिकार है? इसपर याचिकाकर्ता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह शरणार्थी है और अपने देश में उसकी जान को खतरा है। वकील ने अदालत को बताया कि श्रीलंकाई तमिल वीजा लेकर भारत आया था। उसकी पत्नी और बच्चे भारत में बस गए हैं। वह लगभग तीन साल से हिरासत में है और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। याचिकाकर्ता के वकील ने संविधान के अनुच्छेद 21 और 19 का हवाला दिया. इसपर कोर्ट ने साफ किया कि अनुच्छेद 19 केवल भारतीय के लिए है, विदेशी नागरिक इसके दायरे में नहीं आते हैं।

रोहतास से गिरफ्तार हुआ अंतरजिला छिनतई गिरोह का पांचवां अपराधी

- 17 मई की रात गिरोह ने ताबड़तोड़ तीन घटनाओं को दिया था अंजाम

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल की पुलिस ने अंतरजिला गिरोह के पांचवे अपराधी को रोहतास के दावथ से गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से देशी कट्टा व एक खोखा बरामद हुआ है, जबकि गिरोह का मुख्य सरगना व रोहतास निवासी नीतीश कुमार नामक अपराधी अभी भी फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जबकि गिरोह के चार अपराधियों को ग्रामीणों ने 17 मई की रात की साहस का परिचय देते हुए गिरफ्तार कर पुलिस को सौंप दिया था। सोमवार को एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।

एसडीपीओ ने बताया कि 17 मई की रात बासुदेवा थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर गांव निवासी मनु तिवारी के घर तिलक समारोह था, जिसमें वीडियोग्राफी करने चौगाईं का विवेक कुमार नामक युवक आया था। मध्य रात्रि तिलक संपन्न होने के बाद वह अपने गांव लौट रहा था, इसी दौरान बसंतपुर चिमनी के पास अपराधियों ने उसे रोक वीडियो कैमरा वाला बैग, 700 रूपए व सोने का एक लाकेट छिन लिया। इसके पहले भट्ठा पुल के पास उसी तिलक समारोह के हलवाई तथा दसियांव गांव के पास एक अन्य व्यक्ति से छिनतई की घटना को अंजाम दिया। महज एक घंटे के अंतराल पर हुई छिनतई की सीरियल घटनाओं के बाद आस पास के ग्रामीण सड़क पर उतर अपराधियों की खोजबीन में जुट गए थे। इसी दौरान उनकी नजर अपराधियों पर पड़ी तथा करीब आधा दर्जन अपराधियों में से ग्रामीणों ने चार को गिरफ्तार कर लिया। जिनमें केसठ गांव निवासी अनिश कुमार उर्फ राज पिता दुर्गादत्त सिंह उर्फ संतोष सिंह, रोहतास के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के इमिरिता गांव निवासी रवि कुमार पिता रामजी सिंह, इसी थाना क्षेत्र के गोशलडीह गांव निवासी अंजित सहारा पिता धनजी सिंह व भोजपुर जिले के अगियांव बाजार थाना क्षेत्र के कटरिया गांव निवासी रवि कुमार पिता लक्ष्मण यादव शामिल है। ग्रामीणों ने इन्हें वासुदेवा थाने को सौंपा। इसकी जानकारी मिलते ही रात में ही एसपी ने एसडीपीओ के निर्देश पर एक टीम गठित कर फरार अपराधियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। टीम में एसडीपीओ के अलावे डुमरांव सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनाथ, मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार, वासुदेवा थानाध्यक्ष मधुबाला भारती के अलावे मुरार व वासुदेवा के पुलिस पदाधिकारी व शसस्त्र बल शामिल थे।

गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ में इस मामले में रोहतास के नीतीश व दीपू का नाम सामने आया जिसके बाद पुलिस ने दावथ थाना क्षेत्र के उसरी गांव से दीपू कुमार पिता अरूण शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक देशी कट्टा व एक खोखा बरामद किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार इमिरिता के रवि का अपराधिक इतिहास मिला है। अन्य अपराधियों के अपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है।

एक नजर

२२२२२ गन्ने के रस की बढ़ी डिमांड, जगह-जगह लग रहे ठेले

केसठ। मई माह की तपती गर्मी के कारण केसठ सहित पूरे जिल के सभी प्रखंडों के क्षेत्रों में लोगों को बेहाल कर दिया है। इसी बीच लोगों को राहत देने वाला गन्ने का ठंडा रस अब गली-गली और चौक-चौराहों पर खूब बिक रहा है। स्थानीय दुकानदारों ने जगह-जगह ठेले लगाकर गन्ने का ताजा रस बेचना शुरू कर दिया है, जिसकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।दुकानदारों के अनुसार, लोग सुबह से ही गन्ने के रस की तलाश में आ जाते हैं और दोपहर तक 500 से अधिक गिलास बिक जाते हैं। रस 10 से 20 रुपए प्रति गिलास के किफायती दाम में उपलब्ध है, जिससे आम आदमी को गर्मी में राहत मिल रही है।स्थानीय विक्रेता संजय महतो कहते हैं, गर्मी में लोग शीतल पेय की जगह अब गन्ने का रस ज्यादा पसंद कर रहे हैं। यह सस्ता भी है और सेहतमंद भी।चिकित्सकों का मानना है कि गन्ने का रस शरीर को ठंडक पहुंचाने, ऊर्जा देने और लू से बचाव में बेहद लाभकारी होता है।गर्मी के इस मौसम में गन्ने के रस का स्वाद केसठ वासियों के लिए न केवल ताजगी का स्रोत बना है, बल्कि यह असंगठित क्षेत्र के कई लोगों के लिए आमदनी का बेहतर जरिया भी साबित हो रहा है।

पुराना भोजपुर में वार्ड नंबर सात में आपका शहर आपकी बात का हुआ आयोजन

डुमरांव। पुराना भोजपुर के वार्ड संख्या 7 में आपका शहर आपकी बात का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड के अधिकारी और जनता ने भाग लिया। वार्ड सात में जो कमियां थी सभी का उजागर किया गया। वार्ड में सीसीटीवी कैमरा और हाईमास्ट लाइट नही लगने पर लोगों ने सवाल खड़ा किये। फिर उनकी समस्या को सुन अधिकारियों के द्वारा उन्हें आस्वस्थ्य किया गया की आपकी मांग को पूरा करने की दिशा में हर संभव प्रयास किया जाएगा। लोगों की यह भी शिकायत थी की वार्ड में गरीब परिवारों की संख्या अधिक है, लिहाजा शौचालय की व्यवस्था किया जाए। साथ ही विद्यालय पर भी सवाल खड़े किये गए, जिसको अधिकारियों ने नोट करते हुए कहा की इस पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण दिन ढलते ही अंधेरे का सम्राज्य कायम हो जाता है, लिहाजा इसकी व्यवस्था करना नितांत आवश्यक है। फिर लोगों ने गांव में सम्राट अशोक भवन बनाना प्रस्तावित है, उस पर कहां तक बात बढ़ी उसके संबंध में लोगों ने जानकारी मांगी। इस मौके पर अनिता देवी, प्रदीप कुमार वर्मा, मोहन पांडेय सहित अन्य मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

पंचायत भवन निर्माण व सोलर लाइट लगाने में तेजी लाने के निर्देश

डुमरांव। पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्य और मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना को लेकर अप्रैल माह के अंत में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता पंचायती राज विभाग के सचिव ने की, जिसमें बक्सर जिले के पंचायती राज पदाधिकारी और डीडीसी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। विशेष रूप से फेज-1 की समीक्षा में यह पाया गया कि बक्सर जिले में कार्यादेश के मुकाबले इंस्टॉलेशन का प्रतिशत काफी कम है, जो चिंता का विषय है। सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इंस्टॉलेशन की रफ्तार बढ़ाई जाए और लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि फेज-1 और फेज-2 में जिन सोलर स्ट्रीट लाइट्स का अधिष्ठापन कार्यादेश जारी होने के बावजूद पूरा नहीं हो पाया है, उन्हें फेज-3 में स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न न हो। सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस संबंध में सभी नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

डुमरांव अनुमंडल कार्यालय के पास जर्जर हो चुकी अकालुपुर पुलिया पर हुई दुर्घटना

हादसे डीके मेमोरियल कॉलेज डुमरी के प्रभारी प्राचार्य की मौत, 3 प्रोफेसर जख्मी

- कॉलेज संबंधित मीटिंग के लिए एसडीएम के पास स्कार्पियो पर सावार हो आ रहे थे सभी
- कगंभीर स्थिति में तीनों जख्मी प्रोफेसर्स को किया गया रेफर

केटी न्यूज/डुमरांव

सड़क हादसे में अनुमंडल के सिमरी प्रखंड के डुमरी गांव स्थित डीके मेमोरियल कॉलेज डुमरी के प्रभारी प्राचार्य कपिलमुनी शर्मा की मौत हो गई है, जबकि इस हादसे में एमवी कॉलेज बक्सर के प्रभारी प्राचार्य प्रो. डॉ. पीके सिन्हा, तथा डुमरी कॉलेज के दो अन्य प्रोफेसर प्रो. रामकुमार सिंह व डॉ. छोटक कुमार गंभीर रूप से जख्मी हुए है। तीनों को अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

घटना सोमवार की दोपहर करीब 2.30 बजे अनुमंडल कार्यालय के समीप अकालुपुर गांव के पास डुमरांव राजवाहा मार्ग पर बनी जर्जर पुलिया पर हुई है। सभी कॉलेज के शासकीय निकाय के गठन के लिए आयोजित बैठक में डुमरांव एसडीएम कार्यालय आ रहे थे।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम राकेश कुमार, विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह व डुमरांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीएम व विधायक ने जख्मियों का हालचाल पूछने के साथ ही घटना पर गहरा दुःख जताया। वहीं, पुलिस ने प्रभारी प्राचार्य के शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई। वहीं, अनुमंडलीय अस्पताल से रेफर होने के बाद जख्मियों का इलाज किसी निजी अस्पताल में कराया जा रहा है।

बताया जाता है कि मृतक प्रभारी प्राचार्य बिहटा थाना क्षेत्र के काब गांव के रहने वाले थे। जबकि एमवी कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य नालंदा जिला के निवासी है, वहीं, प्रो. राम कुमार सिंह चक्की थाना क्षेत्र के छोटका लहना गांव व डॉ. छोटक कुमार डुमरी गांव के रहने वाले है। डॉ. छोटक की पहचान इलाके में अंग्रेजी के अच्छे शिक्षकों में होती है। घटना के बाद से मौके पर अफरा तफरी मच गई थी।

बताया जाता है कि एसडीएम कार्यालय में विधायक व एसडीएम के नेतृत्व में सभी डीके मेमोरियल कॉलेज डुमरी के शासकीय निकाय के गठन के लिए होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए स्कार्पियो से आ रहे थे। स्कार्पियो को कोई प्रोफेसर ही चला रहे थे। जैसे ही उनका वाहन अकालुपुर के जर्जर पुलिया को पार करने लगा कि पुलिया के जर्जर होने के कारण अचानक स्कार्पियो का संतुलन बिगड़ गया तथा वह पुलिया से नीचे जा गिरी। जिससे डीके मेमोरियल कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि इस हादसे में एमवी कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य को गंभीर चोटें आई है। वहीं, प्रो. रामकुमार सिंह का एक पैर टूट गया है जबकि डॉ. छोटक कुमार के सीने में चोट आई है।

एसडीएम राकेश कुमार ने इस घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने जख्मियों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की है।

ट्रकों के अवैध परिचालन से जर्जर हुई सड़क

बता दें कि डुमरांव राजवाहा मार्ग पर अकालुपुर गांव के पास बनी जर्जर हो चुकी पुलिया अंग्रेजों के समय की बनी है। इसके जर्जर होने के बाद प्रशासन द्वारा इस पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है, बावजूद ओवर लोड बालू लदे ट्रक इस मार्ग से धड़ल्ले से गुजर रहे है। जिस कारण पुलिया की हालत और खराब हो गई है। पिछले दिनों डुमरांव एसडीएम ने इस मार्ग पर एक ओवर लोड ट्रक पर पकड़ पुलिस के हवाले किया था। उसे होमगॉर्ड जवान की अभिरक्षा में थाना लाया जा रहा था, लेकिन चालक ने टेढ़की पुल के पास जानबूझकर ट्रक को चाट में पलट दिया, जिससे जवान भी जख्मी हुआ था।

पूर्व में भी हो चुके है हादसे : इस जर्जर पुलिया पर पूर्व में भी कई बार हादसे हो चुके है। पिछले लोकसभा चुनाव का प्रशिक्षण लेने आ रही ब्रह्मपुर की तत्कालीन सीडीपीओ की सरकारी गाड़ी भी इस पुलिया से नीचे गिर गई थी, जिसमें सीडीपीओ को चोटें आई थी। वहीं, सड़क हादसे में जख्मी अवस्था में पड़ी एक महिला को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल ले जा रही नया भोजपुर थाने की जिप्सी भी इस पुलिया पर आकर पलट गई थी, जिसमें कई पुलिसकर्मी जख्मी हुए थे। वहीं, हाल के दिनों में इस पुलिया पर दो ट्रक भी पलट चुके है, जबकि दर्जनों बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो चुकी है।

चौसा में शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

- दोनों अभियुक्त अवैध रूप से शराब का कर रहे थे संग्रहण और बिक्री

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के नरबतपुर स्थित रानीघाट के समीप तस्करी की लायी जा रही अवैध शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनसे पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

मामले में पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम नरबतपुर स्थित रानीघाट जाने वाले मार्ग पर पहुंच छापामारी की गई। जहां से तस्करी की लायी जा रही शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। जो नरबतपुर के रहने वाले सुनील चौधरी व प्रेमचंद चौधरी है। जिनके पास से 200 एमएल की ब्लू लाइम देशी शराब 90 टेट्रा, 180 एमएल 48 टेट्रा अंग्रेजी शराब के साथ पांच केन 500 एमएल बीयर बरामद किए गए। दोनों अभियुक्त अवैध रूप से शराब का संग्रहण और बिक्री कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है, इसके बावजूद कुछ असामाजिक तत्व अवैध तरीके से शराब का कारोबार कर रहे हैं। ऐसे मामलों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। दोनों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कतिकनार उप मुखिया के साथ मारपीट मामले में चार पर नामजद प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय थाना अंतर्गत कतिकनार पंचायत के दंगौली गांव में उस समय तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया, जब उपमुखिया के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की। इस घटना को लेकर उपमुखिया दीपक सिंह ने नावानगर थाना में चार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है।

उप मुखिया के द्वारा थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, उपमुखिया ने मनरेगा के तहत मजदूरों से आहर की सफाई करा रहे थे। तभी गांव के ही मंटू सिंह,आशा देवी, प्रिंस कुमार समेत एक अन्य वहां पहुंचकर बातों ही बातों में हाथापाई शुरू कर दी। बाद में नामजद लोगों ने उपमुखिया के साथ मारपीट करने लगे। साथ ही मंटू सिंह द्वारा गोली मरवाने की धमकी भी देने की बात उपमुखिया ने बताया। बाद में स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर उपमुखिया को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

इधर, घटना के संबंध में थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि घटना के बाद उपमुखिया के साथ मारपीट की सूचना पर मौके पर पहुंच मामले की जांच शुरू कर दी। उपमुखिया के बयान के आधार पर चार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि नामजद लोगों की तलाश जारी है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

चौसा में ट्रेन से गिर वृद्ध की मौत, पसरा मातम

केटी न्यूज/चौसा

चौसा रेलवे स्टेशन के 78 ए क्रासिंग और कर्मनाशा पुल के बीच खिलाफतपुर गांव के समीप बनारपुर जाने वाली पुलिया के समीप सोमवार की दोपहर एक 65 वर्षीय वृद्ध का शव मिलने से सनसनी फैल गई।

शव की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तत्काल इस घटना की जानकारी मुफस्सिल थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान की प्रक्रिया शुरू की। मृतक की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के देवढ़िया गांव निवासी शिव कुमार साह के रूप में की गई है।

ग्रामीणों और पुलिस सूत्रों के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि शिव कुमार साह किसी ट्रेन में यात्रा कर रहे थे और इसी दौरान असंतुलित होकर गिर पड़े, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, पुलिस अभी मामले की जांच में जुटी है। इधर, घटना की सूचना मृतक के स्वजनों को दी गई। वही, पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। दूसरी तरफ घटना

की जानकारी के बाद घर मे कोहराम मच गया। जहा रोते-बिलखते स्वजन घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि वे ट्रेन से आ रहे थे। अब किस तरह ये घटना हो गई उन्हें पता नहीं चल पाया है। जीआरपी से मिली सूचना पर हमलोग यहां आए है।

हालांकि, मामला रेल थाने का था, लेकिन, रेल थाना घटनास्थल पर नहीं पहुंची। मुफस्सिल पुलिस पहुंच मामले की जांच व शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजी।

गंगा को स्वच्छ बनाने व जैव विविधता को बचाए रखने के लिए छोड़ी गई है मछलियां

सिफरी ने गंगा में छोड़ी एक लाख मछलियां

केटी न्यूज/बक्सर

गंगा नदी में विलुप्त हो रहे मत्स्य प्रजातियों के संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद -केन्द्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सिफरी), प्रयागराज के द्वारा बक्सर के पवित्र अहिरौली घाट पर गंगा नदी में 75000 (पचहत्तर हजार) भारतीय प्रमुख कार्प-कतला, रोहू, मृगल मछलियों के बीज को छोड़ा गया।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के केन्द्राध्यक्ष डॉ. डीएन झा ने उपस्थित लोगों को नमामि गंगे परियोजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसके अन्तर्गत गंगा नदी और इसकी सहायक नदियों में कम हो रहे महत्वपूर्ण मत्स्य प्रजातियों के बीज का रैंचिंग होना

रखा है। साथ ही लोगो को गंगा के जैव विविधता और स्वच्छता के बारे में जागरूक करना है। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र कुमार ने समारोह को संबोधित करते हुए गंगा नदी में मछली और रैंचिंग के महत्व को बताया। रवि कुमार, मत्स्य प्रसार अधिकारी, बक्सर ने गंगा के महत्व को बताया। उन्होंने गंगा को स्वच्छ रखने एवं जैव विविधता को बचाने के लिए उपस्थित लोगों से आह्वान किया। नन्द जी मांझी, अध्यक्ष, मत्स्य जीवी समिति, राजपुर बक्सर ने उपस्थित लोगों को गंगा एवं इसके जलीय जीवों को बचाने के लिए कहा। श्री चंद्रशेखर, मंत्री, मत्स्यजीवी समिति तथा अन्य मछुआरों ने भी सभा में अपनी बातों को रखा और सभी ने गंगा के प्रति जागरूक होने के साथ ही गंगा को स्वच्छ रखने का संकल्प व्यक्त किया।

नदियों के अस्तित्व के लिए जलीय जीवों का होना आवश्यक: मत्स्य प्रसाद पदाधिकारी ने कहा कि मानव सभ्यता के लिए नदियों का होना और नदियों के अस्तित्व के लिए उसमें जलीय जीवों का होना अति आवश्यक है। इन्ही जीवों में मछलियां प्रमुख जीव है जो गंगा नदी की स्वच्छता और पवित्रता को बनाए रखती है। लेकिन विगत के दशकों में अति मानवीय सक्रियता के कारण गंगा नदी की मत्स्य एवं मात्स्यिकी में नकारात्मक प्रभाव पड़ा है, जिससे इनकी संख्या में कमी हुई है। कार्यक्रम में मत्स्य विभाग, बिहार सरकार के साथ साथ आस-पास के गांव के मत्स्य पालक, मत्स्य व्यवसायी तथा गंगा तट पर रहने वाले स्थानीय लागों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्त में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. वेंकटेश ठाकुर ने धन्यवाद दिया और कहा कि हम परियोजना के उद्देश्यों को पाने में सफलता प्राप्त करेंगे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
Chemistry : 98, English Core : 97, Physical Education : 96, Mathematics : 92
Biology : 91, Physics : 91, Business Studies : 86, Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

होमगॉर्ड बहाली की दौड़ प्रतियोगिता में धांधली, अभ्यर्थियों ने काटा बवाल

- सदर डीएसपी के समझाने पर शांत हुए अभ्यर्थी, बोले डीएसपी दौड़ में असफल होने के बाद लगा रहे थे आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

पुलिस लाईन में चल रहे होमगॉर्ड बहाली के फिजीकल टेस्ट के दौरान सोमवार को अभ्यर्थियों ने धांधली का आरोप लगा बवाल काटा।

दरअसल दौड़ प्रतियोगिता में असफल होने के बाद छात्र धांधली का आरोप लगा रहे थे। युवाओं ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी हो रही है। उनका कहना है कि ग्राउंड में दौड़ पूरी करने के बावजूद महज एक या दो सेकंड का हवाला देकर उन्हें बाहर कर दिया जा रहा है, जबकि निर्धारित अवधि के अंदर वे मानक के अनुरूप दौड़ पूरी कर ले रहे है।

नाराज युवाओं ने पुलिस केंद्र के बाहर जमकर हंगामा मचाया और सड़क पर जाम लगा दिया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई थी तथा परिचालन पूरी तरह से ठप हो गया था। अभ्यर्थियों के हंगामे के कारण पुलिस लाईन के बाहर करीब एक घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

प्रदर्शन कर रहे युवाओं की मांग थी कि होमगार्ड की बहाली प्रक्रिया को आर्मी की तर्ज पर निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराया जाए, ताकि किसी के साथ अन्याय न हो। इसकी जानकारी मिलते ही सदर डीएसपी धीरज कुमार समेत कई अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे तथा अभ्यर्थियों को समझा बुझाकर शांत कराया। इसके बाद डीएसपी ने अभ्यर्थियों को कंप्यूटर कक्ष में ले जाकर चिप दिखा उन्हें आश्वत किया, इसके बाद ही अभ्यर्थी शांत हो अपने घर लौटे।

"दौड़ प्रतियोगिता में असफल होने वाले अभ्यर्थी धांधली का आरोप लगा हंगामा मचा रहे थे। अभ्यर्थियों को साक्ष्य दिखा संतुष्ट किया गया। जिसके बाद वे वापस घर लौटे। बहाली प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जा रहा है। **– धीरज कुमार, सदर डीएसपी, बक्सर**

मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए स्वास्थ्य कर्मियों ने उठाई जांच की मांग

केटी न्यूज/बक्सर

सदर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों ने सीतामढ़ी सदर अस्पताल में कार्यरत जीएनएम आशीष शर्मा की आत्महत्या पर गहरा शोक सोमवार को व्यक्त किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। जानकारी के अनुसार आशीष शर्मा राजस्थान के निवासी थे और सीतामढ़ी सदर अस्पताल में जीएनएम पद पर कार्यरत थे। बक्सर के स्वास्थ्यकर्मियों का आरोप है कि सीतामढ़ी अस्पताल के डीएस द्वारा लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने के कारण आशीष तनावग्रस्त थे। इसी मानसिक दबाव में उन्होंने आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया। स्वास्थ्यकर्मियों की यूनियन ने इस दुखद घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की अपील की है। उन्होंने सरकार से स्वास्थ्यकर्मियों की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी गुहार लगाई है। बक्सर सदर अस्पताल के धीरज कनौजिया, प्रीति कुमारी, स्मिता कुमारी, पूनम सिंह, रीना यादव, जगमोहन, बुधराम, राधे कृष्णा यादव, सीमा कुमारी समेत समस्त नर्सिंग स्टाफ ने मौन रखा और आशीष शर्मा की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

डुमरांव थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव की है घटना, हमले में आशिक का भी सिर फटा

प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख पति ने पत्नी की बटखरे से मार की हत्या

- पत्नी की हत्या करने के बाद सुनील ने फोन कर दी पुलिस को सूचना
- मायके वालों के आने के बाद दर्ज होगी प्राथमिकी

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव में एक युवक ने अपनी पत्नी की लोहे के बटखरे से मार हत्या कर दी है। वहीं, उसके हमले में पत्नी का आशिक भी जख्मी हुआ है, जिसका पुलिस अभिरक्षा में इलाज चल रहा है। घटना रविवार देर रात की है। वह अपनी पत्नी को आशिक के साथ आपत्ति जनक अवस्था में देख लिया था, जिससे आक्रोशित हो घटना को अंजाम दिया। इस घटना के बाद वह खुद डायल 112 पर फोन कर पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ ही आरोपित सुनील साह पिता पारस साह को गिरफ्तार कर लिया।

मृतका की प्रमिला देवी (30 वर्ष) जमुई जिले की रहने वाली थी, जबकि उसका आशिक की पहचान लाखनडिहरा गांव निवासी सुदर्शन पासवान के 19 वर्षीय पुत्र मैना पासवान के रूप है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रमिला सुनील की तीसरी पत्नी थी तथा छह-सात वर्ष पहले वह प्रेम विवाह कर उसे जमुई से लाया था, इसके पहले उसकी दो पत्नियां उसे छोड़ चुकी थी। दोनों से दो छोटे-छोटे बच्चें भी है।

ऐसे समझिए पूरा घटनाक्रम : सुनील साह अपने माता-पिता व भाई से अलग रहता है तथा वह अपने घर में ही किराना का दुकान चलाता है। कभी-कभी वह सामान लाने या दूसरे कामों से घर से बाहर रहता था। इस दौरान उसकी पत्नी दुकान पर बैठती थी। इसी क्रम में करीब डेढ़ महीना पहले दुकान पर सामान लेने आए 19 वर्षीय मैना पासवान व 30 वर्षीय प्रमिला की आंखे चार हो गई तथा दोनों लोक लाज छोड़ एक दूसरे से मिलने लगे। सुनील की माने तो एक सप्ताह पहले उसे उनके बीच चल रहे नाजायज रिश्ते की भनक लगी, जिसके बाद वह दोनों को रंगे हाथ पकड़ने की फिराक में लग गया था। इधर इससे बेखबर दोनों अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे थे।

मायके वालों को घटना की जानकारी दी गई : मामले में समचार लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज नहीं हुआ था। पुलिस का कहना है कि मृतका के मायके वालों को घटना की जानकारी दी गई है। मायके वाले जमुई से डुमरांव के लिए निकल चुके है। उनके यहां आने के बाद ही एफआईआर दर्ज कराया जाएगा। फिलहाल पुलिस आरोपित पति के साथ ही उसके आशिक को हिरासत में ले पूछताछ कर रही है।

शाम ढलने के पहले ही छिप गया था सुनील

सुनील ने दोनों को दिन में फोन पर बात करते हुए सुन लिया था। उसे पक्का यकीन था कि रात में उसकी पत्नी से वह मिलने आएगा। वह शाम ढलने से पहले ही घर में बने रेक (पटरी) पर चढ़ छिप गया था। रात 10 बजे बच्चों को सुलाने के बाद प्रमिला ने फोन कर अपने प्रेमी को घर पर बुलाया। प्रेमी को लगा कि घर में कोई नहीं तथा वह प्रमिला के बुलाने पर तुरंत चला गया। इधर पटरी पर चुपचाप लेटा सुनील दोनों की हरकतों को न सिर्फ देख रहा था बल्कि चुपके से मोबाइल में उनका वीडियो भी बना रहा था। जैसे ही मैना जाने के लिए उठा, अचानक सुनील रेक पर से नीचे उतरा तथा घर में रखे बटखरे से उसके सर पर वार कर दिया। इससे उसके सर से खून के फब्बारे निकल गए। इसकी जानकारी मिलते ही सुनील के पिता व मैना के पिता समेत उसके अन्य परिजन उसे रात में ही लेकर इलाज के लिए चले गए। इधर मौका पाकर सुनील ने उसी बटखरे से मार अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पत्नी की हत्या करने के बाद वह खुद डायल 112 पर फोन कर घटना की जानकारी दिया।

बच्चों का रो-रोकर हो गया है बुरा हाल : सुनील व प्रमिला के दो छोटे-छोटे बच्चें भी है। इस घटना के बाद दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। एक तरफ उनकी मां इस दुनिया से चल बसी है तो दूसरी तरफ पिता भी पुलिस गिरफ्त में आ गए है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों बच्चें अपने-माता पिता के लिए रो-रोकर परेशान हो गए है। हालांकि, सुनील के अन्य परिजन बच्चों को संभालने का प्रयास कर रहे है, लेकिन इस घटना ने एक झटके में ही अबोध बच्चों से मां की ममता व पिता का साया छिन लिया है।

घटना के बाद मौके पर पहुंच की गई मामले की जांच

"डुमरांव थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव में रविवार की रात एक दुकानदार ने बटखरे से मार कर अपनी ही पत्नी की हत्या दी। इस घटना की जानकारी मिलते ही रात में ही मौके पर पहुंच मामले की जांच की गई। आरोपित को पकड़ लिया गया है। मृतका के मायके वालों को घटना की जानकारी दी गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव को सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की बारीकि से जांच कर रही है।

– शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

मनमानी: कूड़े की ढेर में आग लगाने वाले एनजीओ ने नहीं दिया शो-कॉज का जवाब

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नपमें कूड़े का उठाव करने वाली एजेंसी न सिर्फ कूड़ा के उठावा व उसके निस्तारण में मनमानी कर रही है। वो खुलेआम एनजीटी के अधिनियमों की धज्जियां उड़ाने के साथ साथ ईओ के फरमान को भी दरकिनार कर रही है।

मामला नप के विस्तारित क्षेत्र नया भोजपुर के डुमरी मार्ग में खुलेआम कूड़ा जलाने पर ईओ द्वारा कार्य एजेंसी को जारी किए गए शो-कॉज का है। एजेंसी ने निर्धारित समय तक शो-कॉज का जबाव अब तक नहीं दिया। जिस पर ईओ ने कहा कि एजेंसी को रिमाइंडर भेजने के बाद जबाव नहीं मिला तो एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नगर पालिका अधिनियम के तहत की जाएगी।

बता दें कि डुमरांव नगर परिषद की सफाई एजेंसी द्वारा एनजीटी की गाइड लाइन को दरकिनार कर पहले नया भोजपुर में कोलिया ताल के किनारे कूड़ा का डंप किया गया। इससे उठने वाले दुर्गंध से परेशान राहगीरों व स्थानीय निवासियों ने इसकी शिकायत की तो एजेंसी ने कूड़े का वहां से हटा समुचित निस्तारण के बदले उसे यूं ही खुले में जला दिया। इसके बाद 16 मई को ईओ मनीष कुमार ने शो-कॉज जारी करते हुए एजेंसी से 24 घंटे में जबाव मांगा था, लेकिन एजेंसी द्वारा आज तक इसका जबाव नहीं दिया गया।

ईओ मनीष कुमार ने कहा कि यह लापरवाही न केवल संविदा की शर्तों का उल्लंघन है, बल्कि पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना भी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में एनजीओ को एक बार फिर रिमाइंडर नोटिस भेजा जाएगा। यदि इसके बाद भी जवाब नहीं दिया गया, तो अनुबंध के शर्तों एवं बिहार नगरपालिका अधिनियम के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि नया भोजपुर डुमरी पथ पर लगी आग से न केवल आसपास के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि धुंए और बदबू के कारण वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। लोगों ने इस पर प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की थी। ईओ मनीष कुमार का कहना है कि इस तरह की घटनाएं ना सिर्फ नगर की स्वच्छता व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न खड़ा कर रहा है, बल्कि एनजीटी के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के कारण संस्था पर कार्रवाई की तरफ भी इसारा कर रहा है।

कार्यान्वयन समिति की बैठक में गायब रहेंगे विभागीय अधिकारी

केटी न्यूज/नावानगर

- बैठक में शामिल नहीं होने वाले अधिकारियों पर जताया असंतोष

जिले के नावानगर प्रखंड के आईटी भवन में सोमवार की दोपहर प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड के कई विभाग के अधिकारी गायब रहे। इसको लेकर सदस्यों ने असंतोष व्यक्त किया। साथ ही, मामले में अगली बैठक से सभी विभाग के पदाधिकारी या उनके प्रतिनिधि की उपस्थिति अनिवार्य होने की मांग की गई।

कार्यान्वयन समिति की बैठक में कई समस्याओं का मुद्दा सदस्यों ने उठाया। जिसमें पेयजल की समस्या, ग्रामीण सड़क, जल जमाव, नल जल योजना की खराब स्थिति, राशन कार्ड समेत अन्य शामिल था। जिसपर संबंधित अधिकारी जल्द समस्याओं को निदान करने की आश्वासन दिया। बैठक की अध्यक्षता 20 सूत्री अध्यक्ष सत्यानंद कुशवाहा व संचालन बीडीओ मनोज कुमार ने की। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख अंकित कुमार, मोहन गुप्ता, हरेराम गुप्ता, रविन्द्र सिंह, मु. सिराज, बिरेंद्र पांडेय, राजू सिंह, पीओ अमरेंद्र कुमार, बीसीओ चंदन कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी कमलेश कुमार, उद्यान पदाधिकारी विष्णु शंकर, बीपीआरओ श्याम बिहारी प्रसाद समेत अन्य लोग मौजूद थे।

एलईडी टीवी लगाने के लिये खोदे गए गढ्ढे से जलापूर्ति का पाइप फटा, दुकानों में घुसा पानी

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद अपना सूचना तंत्र मजबूत करने के लिये शहर में जगह-जगह एलईडी टीवी लगा रहा है। टीवी लगाने के चिन्हित स्थानों पर पाइलिंग का कार्य चल रहा है। इसी पाइलिंग के दौरान जलापूर्ति का पाइप संपर्क में आकर फट जा रहा है, जिससे हजारो लीटर पानी की बबार्दी हो रही है।

नगर के स्टेशन रोड स्थित नया थाना गेट के पास भी खुदाई के दौरान दो स्थानों पर जलापूर्ति का पाइप फट गया था, जिससे एक सप्ताह तक पानी बर्बाद होते रहे, फिर इसकी शिकायत लगातार लोगों और थाना के द्वार नप को किया जाता रहा तब उसे ठीक किया गया।

सोमवार को रेलवे स्टेशन के पास स्थित दुर्गा मंदिर के पास फास्ट फुड और मिठाई के दर्जनभर दुकानों में टूटे पाइप से निकलने वाला पानी प्रवेश कर गया है, जिससे उनकी दुकानदारी मार खा रही है। स्थानीय लोगों और दुकानदारों का कहना है कि नप के विकास आलम यह है कि विकास पानी उल्टा बह रहा है। चाय बिक्रेता उदय, लिट्टी विक्रेता देव कुमार सहित दर्जनों दुकानदार और फुटपाथ पर सब्जी विक्रेताओं के आगे रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। वहीं जहां गर्मी में लोग बूंद-बूंद पानी के लिये तरस रहे हैं, वहीं पिछले दो दिनों से हजारों लीटर पेयजल बर्बाद हो रहा है। इस संबंध में जब ईओ से बात की गई तो उन्होंने कहा की शीघ्र फटे पाइप को दुरूस्त कर दिया जाएगा।

डुमरांव प्रखंड कार्यालय सभागार में क्रियान्वयन समिति की पहली बैठक हुई आयोजित

भ्रष्टाचार व अनियमितताओं की हो जांच: अध्यक्ष

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में सरकार के निदेर्शानुसार पहली प्रखंड कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति-बीस सूत्री की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष लोदी चंद ने की, जबकि सचिव सह बीडीओ संदीप कुमार पांडेय भी मौजूद रहे। बैठक की शुरूआत से पूर्व कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन भी किया गया।

मौके पर प्रखंड स्तर के सभी विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक की शुरूआत में ही समिति के अध्यक्ष लोदी चंद ने अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अंचल कार्यालय में बिना पैसे के कोई काम नहीं होता है, चाहे वह दाखिल-खारिज का मामला हो या भूमि परिमार्जन का। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि प्रत्येक कर्मचारी के साथ दलाल जुड़े हुए हैं, जो आम जनता से पैसे की उगाही करते हैं।

इस दौरान मनरेगा योजना के कार्यों में हो रही अनियमितताओं पर भी चर्चा हुई। वही लाखनडीहरा पंचायत में आपूर्ति दुकानदार रात के अंधेरे में खाद्यान्न की कालाबाजारी करते है इस बात को एक सदस्य द्वारा उठाया गया। इस पर खाद्य आपूर्ति निरीक्षक विजय कुमार तिवारी ने कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए कहा कि संबंधित दुकान की जांच की जाएगी। पूर्व मुखिया एवं समिति सदस्य राजीव पाठक ने नंदन पंचायत में लघु सिंचाई विभाग द्वारा स्थापित राजकीय नलकूप के वर्षों से बंद पड़े होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने विभाग की लापरवाही पर सवाल करते हुए इसे शीघ्र दुरुस्त करने की मांग की।

जदयू नगर अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने अनुमंडल अस्पताल में डॉक्टरों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अधिकांश डॉक्टर अस्पताल की बजाय निजी क्लीनिक पर अधिक समय दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों में दलाल सक्रिय हैं, जो मरीजों व उनके परिजनों को बहला कर निजी क्लीनिकों में ले जाते हैं। इस पर रोग लगाते हुए उल्लंघन करने वाले डाक्टर व कर्मियों पर विभागीय कार्रवाई की मांग की गई। मौके पर मनोज ठाकुर, नथुनी खरवार, संतोष दुबे, कमल चौरसिया, विपिन बिहारी सिंह, संतोष कुमार, दीपक उपाध्याय और महेंद्र राम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में हुई घटना

छत पर बेटी के साथ सो रही महिला को लगी गोली, इलाजरत

♦ जख्मी महिला के पति की चार साल पहले सड़क दुर्घटना में हो गई थी मौत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में रविवार की रात छत पर सोई एक महिला को गोली लग गई। जख्मी महिला को गोली दाहिने साइड पीठ में लगी है। इसके बाद जख्मी हालत में खून से लथपथ महिला को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया,जहां इलाज कराया जा रहा है। जख्मी महिला लक्ष्मणपुर गांव निवासी स्व त्रिलोकी प्रसाद की 45 वर्षीय पत्नी कलावती देवी है।

इधर, जख्मी महिला कलावती देवी ने बताया कि रविवार की रात प्रतिदिन के तरह खाना खाकर अपने सभी बच्चों और परिवार के साथ घर के छत पर सोए थे । इसी बीच अचानक मेरे पीठ पर जोर से दर्द हुआ तो चिल्लाने लगी। इसके बाद बगल में सोई अपनी बेटी को उठाया,तो उसने देखा कि पीठ से खून आ रहा है। तभी मेरी नजर नीचे गिरी एक गोली पर पड़ी। उसके बाद इस घटना की जानकारी अन्य परिवार वालों को दी। परिवार वाले तुरंत इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लेकर आए। कलावती देवी ने कहा कि गांव में उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। किसी पर कोई शक भी नहीं कर सकते। गोली किसने चलाई, किस मकसद से चलाई ये जांच का विषय है। उन्होंने बताया कि उनकी पति की मौत चार साल पहले सड़क दुर्घटना में हो गई थी। उसके बाद से एक बेटा एवं पांच बेटियों की देखभाल वो खुद कर रही है। वहीं इस मामले में मुफस्सिल थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना देर रात की है। महिला का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। अभी स्पष्ट नहीं हो रहा है कि गोली किसने चलाई है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

दिवंगत हवलदार देवेंद्र पासवान को दी गई श्रद्धांजलि

आरा। भोजपुर पुलिस की ओर से बीसैप के दिवंगत हवलदार देवेंद्र पासवान को श्रद्धांजलि और शोक सलामी दी गई। नवीन पुलिस केंद्र में सोमवार की सुबह एसपी राज और एएसपी परिचय कुमार सहित अन्य अधिकारियों की ओर से दिवंगत हवलदार को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। बता दें कि आरा–सासाराम स्टेट हाइवे पर रविवार की शाम कसाप गांव के पास तेज रफ्तार वाहन ने बाजार जा रहे बीसैप 18 के हवलदार देवेंद्र पासवान को कुचल दिया था। हवलदार देवेंद्र पासवान मधुबनी के फूल परास थाना क्षेत्र के बेल मोहन गांव निवासी अस्सी लाल पासवान के पुत्र थे। सूचना मिलने पर एसपी, एएसपी और थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे थे।

डीएसपी ने रात्रि गशती दल का लिया जायजा

आरा। जगदीशपुर डीएसपी राजीव चंद्र सिंह ने अनुमंडल थाना क्षेत्र में गशती दल का जायजा लिया और चौकसी बरतने की नसीहत दी। डीएसपी ने जगदीशपुर थाना पहुंच सिरिस्ता से लेकर गशती, संतरी और ओडी पदाधिकारी की जांच की और पूछताछ की। इस दौरान नयका टोला मोड़ के समीप 112 टैब का अवलोकन किया। इसके बाद बिहिया बाजार के समीप गशती दल पर तैनात पीएसआई रामस्वरूप यादव व एएसआई राजू पांडे से पूछताछ कर गशती रजिस्टर का अवलोकन किया। सभी थानों की गशती गाड़ी एवं 112 गाड़ी का लोकेशन लिया गया और ड्यूटी में तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति चेक की गई।

पीएम कार्यक्रम तैयारी को लेकर रोहतास डीएम ने की विशेष बैठक, दिए कई आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/रोहतास

जिलाधिकारी महोदय के अध्यक्षता में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मई को रोहतास जिला अंतर्गत बिक्रमगंज प्रखंड के मोरौना पंचायत के दुगार्डीह गांव समीप प्रस्तावित कार्यक्रम के तैयारी को लेकर बैठक आयोजन की गई। पीएम मोदी बिक्रमगंज में जनसभा को भी संबोधित करेंगे। बिक्रमगंज में कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेडिंग, मंच निर्माण, हेलीपैड निर्माण, विधि व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर मेडिकल सुविधा, सड़क मरम्मत, वाहन प्रबंधन, साफ सफाई , एंट्री पास इत्यादि विषयों पर डीएम द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई। सभी संबंधित कोषांग के पदाधिकारियों के आवंटित कार्य की प्रगति की समीक्षा कि गई। इसके बाद आवश्यक निर्देश दिए गए।

पीएम के दौरे को लेकर सोशल मीडिया निगरानी पर विशेष जोर दिया गया। इसमें किसी भी तरह के कोताही ना करने का निर्देश दिया गया। एंट्री पास इत्यादि विषय पर डीएम ने जरूरी विषयों पर समीक्षा कि गई। सभी संबंधित कोषांग के पदाधिकारियों के आवंटित कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान डीएम ने निर्देश दिया कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर डीडीसी, एडीएम, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित अधिकारी मौजूद थे।

वीकेएसयू में एडमिशन के लिए अलग पेमेंट का गेट-वे तैयार

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2025-29 के सेमेस्टर वन में दाखिला शुरू करने में आ रही तकनीकी अड़चनें दूर कर ली गई हैं। पेमेंट गेटवे माध्यम से विद्यार्थी तीन सौ रुपए आवेदन शुल्क और छह सौ रुपए पंजीयन का शुल्क एडमिशन संबंधित एकाउंट में जमा करेंगे। वहीं मेरिट लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का जिस कॉलेज में नाम आयेगा, वे संबंधित कॉलेज में एडमिशन शुल्क जमा करेंगे। बता दें कि अगले सप्ताह एडमिशन के लिए आवेदन करने के लिए पोर्टल पर लिंक जारी कर दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार 24 मई से आवेदन लिया जायेगा।

परिसीमन की मांग को लेकर रालोमो का आंदोलन 25 से होगा शुरू : नितीन भारती

केटी न्यूज/आरा

भारत में 2026 में परिसीमन होना है। अभी तक देश में 1951, 1961, 1971 की जनसंख्या के आधार पर परिसीमन कर लोकसभा के सीटों को निर्धारित किया गया है। परिसीमन का उद्देश्य राज्यों के लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या आबादी के अनुसार निर्धारण करना है। देश में परिसीमन 1973 तक आबादी के अनुसार तय होता रहा, लेकिन 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने परिसीमन को 25 वर्षों के लिए फ्रीज कर दिया। पुनः यह रोक अगले 25 साल तक के लिए बढ़ा दी गयी। यह अवधि साल 2026 में पूरी होने जा रही है। इसलिए राष्ट्रीय लोक मोर्चा 25 मई से परिसीमन कराने को लेकर आंदोलन करेगा। यह बातें मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता नितीन भारती ने आरा परिसदन में प्रेस को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में लगभग लाख आबादी पर एक लोकसभा सीट है। वहीं, उत्तर भारत में लगभग 31 लाख की आबादी पर एक लोकसभा सीट है। यह व्यवस्था बिहार सहित तमाम उत्तर भारतीय राज्यों का देश की संसद में हमारे प्रतिनिधित्व को कम करता है या कह सकते हैं।

पत्रकार समरेश के निधन से शोक

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट। प्रखंड क्षेत्र के संसार डिहरी ग्राम निवासी दैनिक पत्रकार व बहुमुखी प्रतिभा के धनी पत्रकार समरेश पांडे के आकस्मिक निधन पर प्रखंड पदाधिकारी व अधिकारियों, स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं, पत्रकारों व राजनीतिक कार्यकताओं में शोक की लहर है। वे बीते डेढ़ माह से बीमार चल रहे थे।

19 मई दिन सोमवार को दिल्ली के किसी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वही शालिन व समोहक व्यवहार की बदौलत उन्होंने बौद्धिक वर्ग में विशिष्ट पहचान बनाई थी। मौके पर काराकाट प्रखंड क्षेत्र में दिवंगत पत्रकार के निधन पर प्रखंड मुख्यालय के परिसर में सोमवार को शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। साथ ही 2 मिनट का मौन रखकर दिवगंत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर जेएसएस अनूज कुमार, दनवार मुखिया अभिभावक भाई, तुलसी सिंह, प्रमुख अभिभावक नारायण पासवान, पंचायत समिति मुंजी अकबर अंसारी, जितेन्द्र पाल, मोहित कुमार, आशुतोष सिंह, वीरेंद्र कुशवाहा ,रितेश सिंह जयश्री, अजित सिंह ,अनील सिंह ,अनिल कुमार पासवान, अशोक सिंह, अमित कुमार, राजु रंजन दुबे सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया।

आंपरेशन सिंदूर का आतंकवादी व आतंकी ठिकानों का नेस्तनाबूद करना था उद्देश्य

ऑपरेशन सिंदूर पीएम मोदी व सेना की दूरदृष्टि से हुआ सफल : विधायक राघवेंद्र

केटी न्यूज/आरा

बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने ऑंपरेशन सिंदूर की सफलता पर देश के प्रधानमंत्री और भारतीय सेना को आभार व्यक्त करते हुए अपने निजी आवास पर प्रेस वार्ता किया। प्रेस को संबोधित करते हुए बड़हरा विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भावनात्मक व्यक्ति है और ऑंपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री के भावनाओं को व्यक्त करता है।

पाकिस्तान के आतंकवादी पूर्व में कश्मीर सहित देश के विभिन्न कोणो मे बबार्दी किया था। जिसे पहले भी जवाब दिया गया था। पहलगाम में हुए आतंकी घटना के दौरान आतंकवादियों द्वारा एक पत्नी से यह कहना कि हम तुम्हारे पति को मार रहे है, पीएम मोदी को बता देना। उनके द्वारा खुलेआम चुनौती दी गई, जिसे हमारे प्रधानमंत्री ने स्वीकार करते हुए मां और बहनों के मांग से सिंदूर छिनने वाले के खिलाफ ऑंपरेशन सिंदूर चलाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम घुसकर मारेंगे, अगर वहां से गोली आएगी तो यहां से गोला जाएगा। आंपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना ने पाकिस्तान मे सौ किलोमीटर तक घुसकर नौ आतंकी संगठन ठिकानों को उड़ाते हुए सौ से अधिक आतंकवादियों को मारा। यह भारत की सैन्य ताकत, राजनीतिक इच्छाशक्ति और संकल्प का प्रतीक है। हमने वहां के नागरिकों को कोई क्षति नही पहुंचाया। केवल और केवल आतंकवादियों को छक्के छुडाए। उसी मे एक बड़े आतंकवादी के पूरा परिवार समाप्त हो गया।बाद मे पाकिस्तान द्वारा भारत के प्रति बेचैनी बढ़ने पर उनक हवाई अड्डो को उड़ाकर उन्हे पंगु बना दिया। आंपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना धन्यवाद के पात्र है और पूरा देश ने एकजुटता का परिचय दिया। एके.भारती हमारे बिहार के पूर्णिया के यादव परिवार के सैनिक, विक्रम मिस्त्री एक कश्मीरी पंडित, व्योमिका सिंह महादलित परिवार और राफेल के पायलट इलावल अहमद थे जो धन्यवाद के पात्र है, जिन्होंने पूरी दुनिया मे हमारा सिर ऊंचा किया।

पटना पीएमसीएच में यूट्यूबर मनीष कश्यप से मारपीट, डॉक्टरों ने बनाया बंधक

केटी न्यूज/पटना

पटना मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में यूट्यूबर मनीष कश्यप के साथ मारपीट की घटना सामने आई है, जिसके बाद उन्हें अधीक्षक के ऑफिस में बंधक बनाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि जूनियर डॉक्टरों से कहासुनी के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। बिहार के चर्चित यूट्यूबर और बीजेपी नेता मनीष कश्यप के साथ पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में सोमवार दोपहर मारपीट की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि मनीष एक मरीज की पैरवी करने अस्पताल पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों से हुई बहस ने तूल पकड़ लिया और मामला

हाथापाई तक जा पहुंचा। पीएमसीएच के एक चिकित्सक के अनुसार, मनीष कश्यप सोमवार दोपहर एक मरीज के लिए सिफारिश लेकर पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी कुछ महिला चिकित्सकों से कहासुनी हो गई। कथित रूप से मनीष ने महिला डॉक्टर से अभद्रता की। इससे वहां मौजूद जूनियर डॉक्टर आक्रोशित हो उठे। इसके बाद इस तरह की घटना हुई।

मनीष कश्यप पर महिला डॉक्टरों से दुर्व्यवहार का आरोप : चश्मदीदों के मुताबिक, मनीष कश्यप की ओर से महिला चिकित्सकों से की गई कथित अभद्रता के बाद मौके पर मौजूद जूनियर डॉक्टरों ने उनके साथ मारपीट की। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में हंगामा खड़ा हो गया। लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। आरोप ये भी है कि मनीष को कुछ देर के लिए अस्पताल में बंधक बना लिया गया था।

मनीष कश्यप का पक्षः डॉक्टरों ने बिना वजह हमला किया है। घटना के बाद मनीष कश्यप और उनके समर्थकों ने भी अपना पक्ष रखा। उनका दावा है कि किसी भी मरीज या डॉक्टर से अभद्रता नहीं की गई थी, बल्कि डॉक्टरों ने बिना किसी ठोस कारण के मनीष पर हमला कर दिया। समर्थकों का कहना है कि इस झड़प में मनीष को चेहरे पर चोटें भी आई हैं।

मामला थाने तक पहुंचा, दोनों पक्ष आमने-सामने : इस विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है और मामला थाने तक पहुंच गया है। दोनों पक्षों ने थाने में पहुंचकर अपनी-अपनी बात रखी है। हालांकि, डॉक्टरों की ओर से किसी प्रकार की मारपीट से इनकार किया गया है।

बंधक बनाए जाने का भी आरोप : मनीष कश्यप के समर्थकों ने आरोप लगाया है कि अस्पताल प्रशासन ने उन्हें काफी देर तक बंधक बनाकर रखा था। बाद में काफी मशक्कत के बाद उन्हें छोड़ा गया।

क्या कहना है पुलिस काः घटना के बाद टाउन डीएसपी दीक्षा ने बताया कि अब तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर स्थिति नियंत्रित कर ली गई है। यदि कोई शिकायत आती है, तो पटना पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करेगी।

19858 सिपाहियों के तबादले पर लग सकती है रोक, एचसी में याचिका दायर

पटना। बिहार पुलिस कांस्टेबल के स्थानांतरण आदेश को याचिकाकर्ता के वकील अवनीश कुमार ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। ऐसे में आने वाले दिनों में सरकार के इस आदेश पर रोक लगने की संभावना जताई जा रही है। बीते 5 मई को 19858 सिपाहियों का तबादला एक जिले से दूसरे जिले में किया गया था। जिसमें महिला सिपाही और पुरुष सिपाही दोनों का नाम शामिल है। ऐसी संभावना जतायी जा रही है कि अब इनके तबादले पर रोक लग सकती है। क्योंकि सरकार के इस आदेश के खिलाफ पटना हाई कोर्ट में याचिका दायर की गयी है।

बिहार पुलिस कांस्टेबल के स्थानांतरण आदेश को याचिकाकर्ता के वकील अवनीश कुमार ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। ऐसे में आने वाले दिनों में सरकार के इस आदेश पर रोक लगने की संभावना जताई जा रही है। अधिवक्ता अवनीश कुमार का कहना है कि बिना स्थानांतरण नीति के 19 हजार 858 सिपाहियों का तबादला किया गया है, जो उचित नहीं है। सरकार के इस आदेश ने 2022 में पूर्व के ट्रांसफर पॉलिसी को खत्म कर दिया। आज तक कोई नया स्थानांतरण नीति नहीं बनाई गई है।

महाविद्यालय नई पीढ़ी को रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर कराएगा उपलब्ध

सीएम नीतीश ने 315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को दिया नियुक्त पत्र

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर स्थित कृषि भवन में 315 नवनियुक्त प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही कृषि विभाग की कई योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण और शुभारंभ किया। वहीं चौथे कृषि रोड मैप के तहत कृषि को लाभकारी बनाने हेतु राज्य में बागवानी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार लोक सेवा आयोग से अनुशंसित 315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों की नियुक्ति कृषि विभाग के द्वारा की गयी है।

मुख्यमंत्री कृषि भवन की छत पर भी गए और वहां से पूरे परिसर को देखा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छत पर सोलर प्लेट लगाएं जिससे सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा और कृषि भवन की जरूरतें पूरी होंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि हमलोग शुरू से किसानों के हित में काम कर रहे हैं। चार कृषि रोड मैप बनाए गए हैं जिससे फसलों की उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है। कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। हमलोगों का उद्देश्य है कि कृषि के क्षेत्र में भी राज्य की तरक्की हो और किसान समृद्ध बने। कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

प्रत्येक वर्ष 60 छात्रों का नामांकन किया जायेगा : कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 144.72 करोड़ रुपये की लागत से रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, आरा के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। तृतीय कृषि रोड मैप (2017-22) के तहत कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने हेतु आरा में कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना की गयी है। वर्ष 2021-22 से इसका संचालन कृषि महाविद्यालय, बक्सर के परिसर में किया जा रहा है। इसके लिए भोजपुर जिला में 16 एकड़ जमीन चिन्हित कर कुल 144.72 करोड़ रुपए की लागत से भवन निर्माण विभाग के द्वारा भवन का निर्माण किया जायेगा। इसमें प्रशासनिक भवन, क्लास रूम, पुस्तकालय, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, कृषि यंत्रों के लिए कार्यशाला एवं आवासीय परिसर का प्रावधान किया गया है। इस महाविद्यालय में बीटेक (एग्री इजीनियरिंग) में प्रत्येक वर्ष 60 छात्रों का नामांकन किया जायेगा।

अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा : कृषि विभाग की ओर से बताया कि भोजपुर के हसनपुर में स्थापित हो रहे कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय का उद्देश्य है कि युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि अभियंत्रण की उच्च शिक्षा मिल सके। यह संस्थान न केवल शिक्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि यहाँ कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रसार गतिविधियाँ भी संचालित की जाएंगी। इस महाविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों, पोस्ट-हॉर्वेस्ट मैनेजमेंट, संरक्षित खेती और फसल अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए पप्पू सिंह का नाम हुआ पक्का

पटना। प्रशांत किशोर ने जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की, दो बार सांसद रहे पप्पू सिंह का नाम हुआ पक्का हुआ है। जनसुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह के की घोषणा कर दी गई है। पप्पू सिंह पूर्णिया लोकसभा सीट से दो बार भाजपा के सांसद रह चुके हैं और उन्होंने 2019 में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन उन्होंने पप्पू यादव का समर्थन किया था।

लालू की वापसी तयः आरजेडी के संगठनात्मक चुनाव की तारीखों का ऐलान

केटी न्यूज/पटना

बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल ने संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के संगठनात्मक चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरजेडी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 21 जून को होगा।

वहीं राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 5 जुलाई को किया जाएगा। पार्टी के इस चुनाव को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।लालू यादव की वापसी लगभग तयराजद के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की एक बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर वापसी लगभग तय मानी जा रही है। हालांकि चुनाव प्रक्रिया औपचारिक है, लेकिन पार्टी के भीतर उनकी भूमिका निर्विवाद है। ऐसे में शीर्ष नेतृत्व में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है। इसे लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

जगदानंद सिंह की कुर्सी पर संशयः वर्तमान बिहार प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह आने वाले प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। क्योंकि वो राष्ट्रीय जनता दल के पहले सवर्ण प्रदेश अध्यक्ष हैं। जगदानंद सिंह तेजस्वी यादव के करीबी माने जाते हैं। लेकिन पिछले कुछ महीनों से उनका पार्टी गतिविधियों से दूर रहना और स्वास्थ्य कारणों का हवाला देना कई तरह के सवाल खड़े कर रहे हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक जगदानंद सिंह का कार्यकाल प्रभावी रहा है, लेकिन पार्टी अब ऐसे चेहरे की तलाश में है जो तेजस्वी यादव के नेतृत्व और विजन को पूरी ताकत से जमीन पर उतार सके।

राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा है कि पार्टी की कमान उसे सौंपी जाएगी जो राजद के सिद्धांतों के साथ चलने वाला हो और तेजस्वी यादव के सपनों को साकार करने के लिए पूरी तरह समर्पित हो।

राजद इस बार संगठन के जरिए अपने अंदर की गुटबाजी और कमजोर कड़ियों को सुधारने की कोशिश करेगी। ऐसे में यदि जगदानंद सिंह की जगह किसी और को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है, तो वह पार्टी की रणनीतिक दिशा का हिस्सा हो सकता है। राजद का यह सांगठनिक चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। चुनाव से पहले हर स्तर पर नेतृत्व स्पष्ट हो और तेजस्वी यादव की अगुवाई में एक सशक्त संगठन तैयार हो। राजद में यह संगठनात्मक चुनाव महज औपचारिकता नहीं बल्कि पार्टी के भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम साबित हो सकता है।

नहाने के दौरान पोखर में डूबने से दो बच्चों की मौत

छपरा। पोखर में नहाने के दौरान दो बच्चों की डूबने से मौत हो गयी है। घटना रिविलगंज नगर पंचायत के बीन टोलिया की है। मृतकों में चंदन कुमार महतो के 4 वर्षीय पुत्र अनिरुद्ध कुमार एवं इंद्रदेव महतो के 6 वर्षीय पुत्र सींटू कुमार शामिल हैं। एक साथ दो मासूमों की डूबने से हुई मौत ने लोग काफी मर्माहत है। आधा दर्जन बच्चे खेलते-खेलते गौतम स्थान रेलवे स्टेशन के बगल स्थित पोखरा में नहाने चले गये। उसी क्रम में दोनों बच्चे डूब गए। लेकिन अन्य बच्चों ने एक को ही डुबते देख लिया और शोर मचाने लगे। डूब रहे बच्चे को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिविलगंज ले गये। लेकिन हालत गंभीर होता देख चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल छपरा रेफर कर लिया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी तरफ एक और बच्चा अपने घर नहीं था। परिजनों को शक हुआ कि कही उनका बेटा भी नहाने तो नहीं गया। फिर परिजनों ने उसे पोखर में तलाशने के निकले। तलाश के बाद शक यकीन में बदल गया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बैंक से जीविका दीदियों का लेन-देन होगा आसान, स्वावलंबन में बढ़ेगी आगे

खुशखबरी : जीविका दीदियों को मिला अपना बैंक

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में नीतीश सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया, जिसके तहत अब राज्य की जीविका दीदियों का खुद का बैंक होगा, जिसका नाम जीविका निधि रखा गया है। इससे न केवल वित्तीय लेन-देन आसान होगा बल्कि स्वावलंबन की दिशा में एक नई राह भी खुलेगी। कैबिनेट से इस प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद सोमवार को ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने जीविका निधि के गठन से संबंधित संकल्प जारी कर दिया है। जीविका समूह की महिलाओं के लिए अब उनका खुद का बैंक होगा।

बैंक के स्थापित करने के लिए बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का गठन किया गया है। इसका पंजीकरण बिहार सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1935 के अंतर्गत किया जाएगा। इससे जीविका दीदियों को किफायती ब्याज दर पर सुगम तरीके से ऋण मिल सकेगा।

वे अपने छोटे-छोटे व्यवसायों को अधिक सशक्त कर सकेंगी। इसका संचालन पूरी तरह से जीविका दीदियों के लिए होगा। राज्यस्तर पर की गई परिकल्पना इस विशेष क्रेडिट सहकारी संस्था की परिकल्पना राज्य स्तर पर की गई है, ताकि समुदाय आधारित संस्थाओं से जुड़ी बड़ी संख्या में परिवारों की आजीविका संवर्द्धन गतिविधियों के लिए वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर पूंजीगत ऋण मुहैया कराना है।

भविष्य में आवश्यकता अनुसार संघ की प्रबंधन समिति ब्याज दर तय करेगी। इससे स्थानीय साहूकारों, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों आदि से ऊंचे ब्याज दर पर पूंजी लेने की आवश्यकता कम होगी। साथ ही बैंकों से ऋण प्राप्त करने में होने वाली देरी को भी दूर किया जा सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

बस दुर्घटनाग्रस्त, छह घायल

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में बी–पटना मेन रोड पर सोमवार सुबह एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पटना से रांची जा रही राजश्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। इस हादसे में छह यात्री घायल हुए हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर है। घटना चौपारण थाना क्षेत्र की है। हादसे के बाद मौके पर यात्रियों के लिए अफरा-तफरी मच गई। बस को हजारीबाग तक ही आना था, ऐसे में बस में यात्रियों की संख्या काफी कम थी। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बस चला रहा खलासी ट्रेंड नहीं था, इस वजह से वह बस संभाल नहीं सका। यात्रियों के मुताबिक, दुर्घटना के समय बस को चालक की जगह खलासी चला रहा था। हादसे के बाद चालक और खलासी फरार हो गए। यात्रियों ने बताया कि बस में लगे शीशा तोड़कर लोग बाहर आए। इसी बीच सूचना मिलते ही पदमा ओपी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां उनका इलाज जारी है।

हत्या का खुलासा, दो गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिला में दिनांक 11–12 मई की रात्रि में मुफस्सिल थाना (पाण्डुराली ओ0 पी0) क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गम्हरिया के समीप बरहाबुरु निवासी मुण्डा मंजीत हाईबुरू (32) की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई शेखर हाईबुरू के आवेदन पर मामला दर्ज किया गया। घटना के संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर बहामन टूटी ने बताया कि गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने दो आरोपितों गंगाराम सिंकु (30) एवं नागुरी सिंकु (35) को गिरफ्तार कर लिया। गंगाराम ने स्वीकार किया कि उसके चाचा मगुन सिंकु की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के पीछे मंजीत हाईबुरू का हाथ था, इसी प्रतिशोध में हत्या की साजिश रची गई। हत्या में प्रयुक्त पिस्टल, चाकू, खलरा, मोटरसाइकिल, दो खोखा और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई में पाण्डुराली ओपी के प्रभारी मृणाल कुमार सहित पुलिस बल ने अहम भूमिका निभाई।

अजयनाथ शाहदेव की टीम को प्रदेश कांग्रेस ने दी बधाई

रांची, एजेंसी। जेएससीए के चुनाव में टीम के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव उपाध्यक्ष संजय पांडे, सचिव सौरभ तिवारी, कोषाध्यक्ष अमिताभ घोष, संयुक्त सचिव शाहबाज नदीम सहित सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रदेश कांग्रेस की ओर से बधाई दी है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को कहा कि युवा और जोश से भरी नई टीम झारखंड में क्रिकेट के खेल और खिलाड़ियों के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर झारखंड क्रिकेट को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि नवनिर्वाचित टीम ने अपने घोषणा पत्र के अनुसार जिस विश्वास को झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों के मन में जगाया है उसके अनुसार काम करते हुए क्रिकेट को एक नया मुकाम देने की कोशिश करेंगे ताकि, राज्य के खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। बधाई देने वालों में कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, रविन्द्र सिंह, राकेश चंद्र मुकर्जी, सोनाल शांति, रवींद्र सिंह, गजेंद्र सिंह, अभिलाष साहू, राजन वर्मा, डॉ तौसीफ, अमरेन्द्र सिंह, सूर्यकान्त शुक्ला सहित अन्य का नाम शामिल हैं।

बाइक पुल के कल्वर्ट से टकराई, दो की मौत

खूंटी, एजेंसी। अड़की थानांतर्गत नीचिडीह गांव के पास रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पुल के कल्वर्ट से जा टकराई। इस दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों द्वारा एंबुलेंस मंगाकर दोनों युवकों को इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा गया, जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अड़की के हुटगांव निवासी 20 वर्षीय बिरसा मुंडा और 19 वर्षीय सुखराम तोपनो के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक गुमदूरा गांव में शनिवार रात आयोजित मेला देखने गए थे। रात भर मेला देखने के बाद रविवार सुबह जब वे घर लौट रहे थे तो इस दुर्घटना के शिकार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही खूंटी थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और आवश्यक पड़ताल के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम करा कर उसे परिजनों को सौंप दिया।

हेमलाल हत्याकांड में आया नया मोड़, साजिश के पीछे महिला का हाथ

बोकारो, एजेंसी। 14 मई की देर रात नावाडीह थाना इलाके के मारीडीह जंगल में कार सवार युवक की पिता के सामने गोली मारकर हुई हत्या का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। मृतक गिरिडीह जिला के विष्णुगढ़ हरियबाद निवासी हेमलाल पंडित की हत्या की साजिश उसके गांव की चंपा देवी ने अपने दोस्त केशवारी सरिया गिरिडीह निवासी प्रकाश सिंह के साथ मिलकर की थी।

प्रकाश ने हत्याकांड को अंजाम देने के लिए धनबाद के जोड़ापोखर थाना न्यू कॉलोनी जामाडोबा निवासी डोमन राम व पाथरडीह बोर्रागढ़ धनबाद निवासी विकास कुमार को तीन लाख में ठेका दे दिया। 2 लाख 35 हजार रुपये का भुगतान भी शूटरों को हत्याकांड को अंजाम देने के लिए चंपा ने अपने दोस्त प्रकाश के माध्यम से कर दिया। यह जानकारी एसपी मनोज स्वर्गियारी ने दी।

कप्तान ने बताया कि चंपा अपने पति खगेश्वर पंडित की मौत के लिए हेमलाल को जिम्मेदार मानती थी। इसी वजह से उसने हत्या की साजिश रची। कप्तान ने बताया कि कि दोनों शूटरों को जब रुपया मिला तो वह लोग हेमलाल से संपर्क साधे। हेमलाल अपने पिता तुलसी पंडित के साथ झाड़-फूंक का काम करता था। शूटर डोमन राम ने हेमलाल से झाड़-फूंक कराने के लिए संपर्क साधा। उसने कहा कि घर पर भूत प्रेत का साया है। इसे भगाने के लिए वह झाड़-फूंक कराना चाहता है। हेमलाल इसके लिए तैयार हो गया।

शूटर डोमन ने इसके बाद पांच हजार रुपये हेमलाल के खाते में ऑनलाइन भेज भी दिया। अग्रिम राशि का भुगतान ऑनलाइन मिलने के बाद हेमलाल झाड़-फूंक के लिए तैयार हो गया। शूटर डोमन ने हेमलाल से कहा कि वह उसके पीछे-पीछे चले। 14–15 मई की रात हेमलाल अपने पिता तुलसी पंडित के साथ शूटरों के पीछे उनके घर पर झाड़-फूंक करने चल दिए। रास्ता भटकने की बात कहकर शूटर डोमन और विकास हेमलाल को सुनसान जगह जंगल के रास्ते ले गए।

मौका देखकर दोनों ने वाहन को रुकवाया और गोली मारकर हेमलाल की हत्या कर दी। एसपी ने बताया कि हत्या की साजिश रचने वाली चंपा देवी के अलावा शूटरों का इंतजाम करनेवाले प्रकाश और शूटर डोमन के साथ विकास को पुलिस ने दबोच लिया है।

पुलिस ने शूटरों के पास से देसी पिस्टल, देसी कट्टा, नाइन एमएम की पांच गोली, चार मोबाइल व एक स्कूटी भी जब्त की है। एसपी ने बताया कि हत्यारोपित गिरफ्तार महिला चंपा देवी के पति खगेश्वर पंडित की मौत बीते वर्ष दुर्गा पूजा की नवमी की रात हो गई थी। खगेश्वर अपने दोस्त हेमलाल के साथ उस दिन गया था। रात में दोनों खाना खाकर घर लौटे। रात में खगेश्वर पंडित की मौत हो गई।

बगैर पोस्टमार्टम कराए ही शव का दाह संस्कार स्वजनों ने कर दिया। मृतक खगेश्वर की पत्नी चंपा अपने पति की मौत के लिए उसके दोस्त हेमलाल को जिम्मेदार मानती थी।

उसका सोचना था कि हेमलाल ने ही जहर खिलाकर पति की जान ले ली। इसके बाद वह हेमलाल को सबक सिखाने का प्लान बनाने लगी। उसने अपने दोस्त प्रकाश से संपर्क साधा। प्रकाश की ओर से इंतजाम किए गए शूटरों ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया।

एसपी ने बताया कि घटना का खुलासा करने के लिए एक टीम बनाई गई थी। इस टीम में बेरमो एसडीपीओ बीएन सिंह, बेरमो अंचल निरीक्षक नवल किशोर सिंह, नावाडीह थानेदार अमित कुमार सोनी, तुपकाडीह थानेदार मनीष कुमार, बोकारो थर्मल ओपी प्रभारी श्रीनिवास सिंह शामिल थे।

वहीं, चंद्रपुरा थानेदार अजय कुमार सिंह, नावाडीह के सब इंस्पेक्टर रजनीश रंजन, पुलिस केंद्र से सब इंस्पेक्टर अमित कुमार राय, गांधीनगर ओपी प्रभारी धनंजय कुमार सिंह, बेरमो महिला थाना प्रभारी सुमन कुमारी, तकनीकी शाखा के चंदन कुमार और कामेश्वर महतो थे। डुमरी विधायक जयराम महतो के घटनास्थल पर विलंब से पुलिस के पहुंचने के आरोप पर एसपी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में पुलिस ने नक्सलियों को मार गिराया था। ऐसे में नक्सल प्रभावित इलाकों में सावधानी जरूरी थी।

नक्सल इलाके में लगातार सतर्क रहने को सभी अधिकारियों को कहा भी गया था। रात में सूचना मिली तो घटनास्थल पर पहुंचने के लिए आस-पास से फोर्स का इंतजाम किया गया। इसके बाद पुलिस वहां एक घंटे के अंदर पहुंच गई।

विधायक ने यह भी आरोप जड़ा था कि एसपी ने उनका फोन नहीं रिसीव किया। इस पर कप्तान ने कहा कि वह अपने आवासीय कार्यालय में घटना की सूचना मिलने के बाद बैठकर घटनास्थल पर जाने से लेकर इसके खुलासा करने के लिए अन्य निर्देश पुलिस टीम को दे रहे थे। कुछ देर बाद रात में ही विधायक से उनकी बात हो गई थी।

एसपी ने बताया कि थाना पर घटना के बाद बवाल करने के मामले में 21 लोगों को चिह्नित कर नामजद प्राथमिकी की गई है। दो सौ अज्ञात के खिलाफ भी एफआईआर हुई है। वीडियो रिकॉर्डिंग मौके पर हुई थी। इसकी जांच की जा रही है। बाकी लोगों को भी रिकॉर्डिंग की मदद से चिह्नित किया जा रहा है।

प्रेम प्रसंग में पत्नी ने की पति की हत्या, गिरफ्तार

दुमका, एजेंसी। अज्ञात युवक के शव बरामद मामले का उद्भेदन करते हुए जामा पुलिस हत्या के आरोप में कथित प्रेमी और पत्नी को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया है। इस मामले थाना प्रभारी अजीत कुमार ने प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि बीते 16 मई को सिलियर्स ईस्टर्न चर्च कुरुमन के पश्चिम में एक अज्ञात युवक का शव पुलिस ने बरामद किया था। पोस्टमार्टम के बाद दूसरे दिन थाना क्षेत्र के धनाडीह गांव के युवक का भाई रविलाल मुर्मू ने शव की पहचान 25 वर्षीय रवीन्द्र मुर्मू के रूप में की थी।

अनुसंधान के दौरान मृतक का भाई ने पुलिस को बताया कि मृतक भाई की पत्नी रासमुनि हेम्ब्रम का प्रेम प्रसंग जामा थाना क्षेत्र के फाङ्गसिमल गांव के फनीस मुर्मू के साथ चल रहा है। उसने आशंका जाहिर किया कि दोनों ने मिलकर उसके भाई की हत्या कर दिया है। साथ ही उसकी भाभी बीते उक्त मई को ही अपने दोनों बच्चा को छोड़कर घर से फरार है। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज कराकर एसपी ने एसडीपीओ अमित कुमार कच्छप के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को फाङ्गसिमल गांव से दोनों प्रेमी प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के कड़ाई से पूछने पर दोनों ने गला दबाकर हत्या किए जाने का अपराध स्वीकार किया है। रविवार को पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में एसडीपीओ अमित कच्छप सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

आंगनबाड़ी में पोषाहार योजना प्रभावित सेविका निजी खर्च से चला रही व्यवस्था

धालभूमगढ़, एजेंसी। धालभूमगढ़ और गुड़ाबांदा प्रखंड के 130 आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के पोषण और देखभाल की जिम्मेदारी निभाई जा रही है, लेकिन संसाधनों की कमी और प्रशासनिक उदासीनता के चलते केंद्रों के संचालन में गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं।

इनमें धालभूमगढ़ प्रखंड में 88 और गुड़ाबांदा में 42 केंद्र कार्यरत हैं, जिनकी निगरानी सीडीपीओ कार्यालय, धालभूमगढ़ द्वारा की जाती है। धालभूमगढ़ क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों की जमीनी हकीकत चिंताजनक है। जहां पोषाहार के लिए सरकार से मिलने वाली राशि समय पर नहीं आ रही, वहीं सेविकाएं निजी खर्च से बच्चों को पोषण देने का प्रयास कर रही हैं। यदि शीघ्र आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई, तो कुपोषण की समस्या और गहराने की आशंका है। प्रशासन को इस दिशा में तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। ताकि कुपोषण पर जीत हासिल की जा सके।

निरीक्षण में दिखी हकीकत

शनिवार सुबह 10:30 बजे जुगबनी पंचायत के रघुनाथडीह गांव स्थित जयरामडीह टोला के आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका सावित्री मांडी उपस्थित थीं, जबकि सहायिका छुट्टी पर थीं। सेविका के अनुसार, केंद्र में कुल 15 बच्चे नामांकित हैं, जिनमें से शनिवार को केवल 6 ही बच्चे मौजूद थे। सेविका के अनुसार 10 बच्चे आए थे पर तीन-चार बच्चे छुट्टी से पहले घर चले गए थे।

बिना अनुदान चल रहा केंद्र

सेविका सावित्री मांडी ने बताया कि जनवरी 2025 से पोषाहार की राशि नहीं मिली है। कई महीनों से राशि बकाया रहने के कारण भोजन की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है। स्थानीय दुकानदारों ने उधारी में अंडा, सब्जी और अन्य सामग्री देना बंद कर दिया है, जिससे उन्हें मजबूरी में अपने निजी खर्च से सामग्री खरीदनी पड़ रही है।

क्या मिल रहा बच्चों को भोजन में

सेविका ने जानकारी दी कि शनिवार को सुबह बच्चों को नाश्ते में सूजी का हलवा और अंडा दिया गया। दोपहर में खिचड़ी और फिर भात, दाल और सब्जी खिलाई गई। छुट्टी के समय भी बच्चों को खिचड़ी दी गई। पोषाहार वितरण नियमित हो रहा है, लेकिन वित्तीय सहयोग नहीं मिलने से यह व्यवस्था टिकाऊ नहीं रह पा रही है।

इस केंद्र के पोषक क्षेत्र में कुल 86 घर हैं और कुल जनसंख्या 472 है। वर्ष 2025 में अब तक यहां से दो कुपोषित बच्चों को एमटीसी (मालन्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर) रेफर किया जा चुका है, जो पोषण व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। सीडीपीओ माया कुमारी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में सुबह नाश्ते में सूजी का हलवा और अंडा, जबकि दोपहर व छुट्टी के समय खिचड़ी, भात, दाल और सब्जी दी जाती है। उन्होंने कुपोषित बच्चों की संख्या बताने से यह कहकर इंकार किया कि वह फिलहाल छुट्टी पर हैं और कार्यालय लौटने के बाद ही सटीक जानकारी दे सकेंगी।

पत्नी ने पति के मौत का लिया खौफनाक बदला, चार गिरफ्तार

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के मारीडीह जंगल में एक युवक की कार में गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के जांच में खुलासा हुआ कि महिला आरोपित ने पति की रहस्यमय मौत का बदला लेने के लिए तीन लाख रुपये की सुपारी देकर इस वारदात को अंजाम दिलवाया। पुलिस की एसआईटी ने 72 घंटे में केस सुलझाकर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया और हथियार, कारतूस, मोबाइल एवं स्कूटी बरामद की। यह साजिश छह महीने से रची जा रही थी। मामला अपराध, अंधविश्वास और बदले की कहानी को उजागर करता है। बोकारो जिला के नावाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत मारीडीह जंगल में 14/15 मई की रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हेमलाल पंडित के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक बोकारो ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच टीम का गठन किया और स्वयं उसकी निगरानी की। तकनीकी साक्ष्य, एसएमएल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर महज 72 घंटे में इस हत्या का खुलासा कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपित चंपा देवी को शक था कि उसके पति खगेश्वर पंडित की मौत में हेमलाल पंडित का हाथ था। बदला लेने के लिए उसने अपने मित्र प्रकाश सिंह के जरिए धनबाद के शूटरों से संपर्क किया और हत्या का साजिश रची। चंपा देवी और प्रकाश सिंह ने करीब 2.35 लाख रुपये की सुपारी दी। पहले 13 मई को हत्या की कोशिश विफल रही, लेकिन बाद में डोमन राम ने ग्राहक बनकर हेमलाल को बुलाया और मारीडीह जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं गिरफ्तार आरोपितों में चंपा देवी (हजारीबाग), प्रकाश सिंह (गिरिडीह), डोमन राम और विकास कुमार (धनबाद) शामिल हैं।

प्रदेश के दो सांसद पाक को करेंगे बेनकाब : 59 सदस्यों के डेलिगेशन में सरफराज और निशिकांत

रांची, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार देर रात 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की है। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत हैं। एनडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के हैं जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी हैं। ये डेलिगेशन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों का दौरा करेगा। वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखेगा। डेलिगेशन कब रवाना होगा, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, डेलिगेशन के 23 या 24 मई को भारत से रवाना होने की बात कही जा रही है। इस डेलिगेशन में झारखंड के दो सांसदों को शामिल किया गया है। इसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा से डॉ सरफराज अहमद और भाजपा से डॉ निशिकांत दुबे शामिल हैं।

पहले ग्रुप में हैं निशिकांत, जाएंगे चार देश

गोड्डा से भाजपा के सांसद डॉ निशिकांत दुबे को पहले ग्रुप में रखा गया है। इन्हें सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया की जिम्मेदारी दी गई है। ये इन देशों में जा कर ऑपरेशन सिंदूर के वास्तविक तथ्यों और भारत के रुख को स्पष्ट करेंगे। अचम्भित यह है कि सांसद निशिकांत के ग्रुप में भी असदुद्दीन ओवैसी भी हैं।

सांसद निशिकांत दुबे ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं कि उन्होंने मुझे ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया के सामने पाकिस्तान की कारगुजारियों तथा भारत के आतंकवाद के खिलाफ 78 साल से हमारे संघर्ष को मुस्लिम देशों को बताने के लिए चुना। लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत चेहरा मैं और ओवैसी साहब एक साथ भारत के लोकतंत्र तथा मुसलमानों के भारत में मिले सम्मान, स्वाभिमान तथा समानता को बताएंगे।

डॉ सरफराज के जिम्मे 5 देशों की जिम्मेदारी

वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा से सांसद डॉ सरफराज अहमद का नाम डेलिगेशन के ग्रुप 5 में है। ये यूएसए, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएंगे। जहां ऑपरेशन सिंदूर की वास्तविक स्थिति और आतंकवाद के मसले पर भारत का पक्ष रखेंगे। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर उठाए गए कदम को लेकर उसकी सच्चाई से पर्दा भी उठाएंगे। झामुमो की ओर से चुने जाने वाले सांसदों में यह इकलौते सांसद हैं।

7 ग्रुप में बंटा है पूरा डेलिगेशन

दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों का दौरा करने वाले लोगों को 7 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया है। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य हैं। इनमें 6–7 सांसद, सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल हैं। सभी डेलिगेशन में कम से कम एक मुस्लिम प्रतिनिधि को रखा गया है। चाहे वह राजनेता हो या राजदूत हो। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को अमेरिका सहित 5 देश जाने वाले डेलिगेशन की कमान सौंपी गई है।

क्या है ऑपरेशन सिंदूर?

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या की थी। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। दोनों देशों के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी।

झारखंड के प्लस टू स्कूलों में पहली बार लगेगा रोजगार मेला, कौशल प्रतियोगिता का भी होगा आयोजन

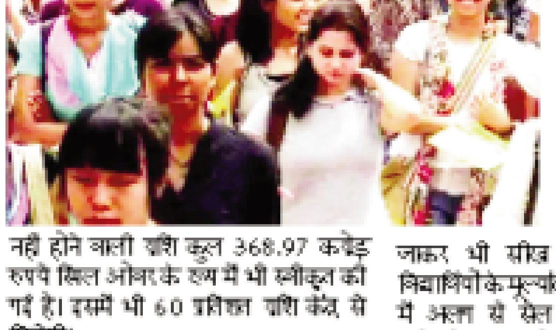

रांची, एजेंसी। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने तथा उनके अप्रेंटिसशिप के लिए सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा।

कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कौशल प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए इन कार्यक्रमों की स्वीकृति केंद्र के प्रोग्राम एप्रूवल बोर्ड ने की है।

इस वित्तीय वर्ष के लिए समग्र शिक्षा अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए कुल 1639.74 करोड़ रुपये के बजट की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी, जबकि 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार को वहन करना पड़ेगा।

इसके अलावा पिछले वित्तीय वर्ष खर्च नहीं होने वाली राशि कुल 368.97 करोड़ रुपये स्पिल ओवर के रूप में भी स्वीकृत की गई है। इसमें भी 60 प्रतिशत राशि केंद्र से मिलेगी।

चालू वित्तीय वर्ष की बात करें तो केंद्र ने नए कार्यक्रम के रूप में प्रत्येक जिला के 10–10 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च शिक्षण संस्थान से टैग किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन विद्यालयों को उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों के शिक्षण अनुभव का लाभ प्राप्त होगा।

विद्यार्थी उच्च शिक्षण संस्थानों में जाकर भी सीख सकेंगे। शिक्षकों और विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए जेसीईआरटी में अलग से सेल स्थापित करने की भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पर 50 लाख रुपये खर्च होंगे। यह सेल टीचर नीड्स असेसमेंट तथा विद्यार्थियों के समय-समय पर होने वाले मूल्यांकन का कार्य करेगा।

कौशल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रत्येक जिला को एक-एक लाख रुपये प्राप्त होंगे। इस बार भी विद्यालय से लेकर राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली क्विज प्रतियोगिता के लिए भी राशि की स्वीकृति मिली है। इसके अलावा उन सभी कार्यक्रमों के लिए राशि स्वीकृत हुई है, जो पहले से संचालित होते रहे हैं। इस बार भी केंद्र ने बच्चों की पोशाक के लिए 600 रुपये की राशि निर्धारित की है। इसमें दो जोड़ा पोशाक तथा एक स्वेटर की राशि सम्मिलित है। बताते चलें कि पोशाक के लिए यह राशि काफी कम बताई जाती है।

केंद्र ने किताबों के लिए कक्षा एक से पांच के लिए प्रत्येक सेट 250 रुपये तथा छह से आठ के लिए 400 रुपये की राशि की स्वीकृति प्रदान की है। राज्य सरकार पुस्तकें मुद्रित कराकर वितरण करती है।

झोलाछाप चिकित्सक के गलत इलाज करने से एक व्यक्ति की मौत

कोडरमा, एजेंसी। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत ढाब रोड स्थित ओम होमियो हॉल नामक अवैध रूप से संचालित एक क्लीनिक में एक झोलाछाप चिकित्सक के गलत इलाज किए जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान डोमचांच थाना क्षेत्र के बेहराडीह गांव निवासी छोटेलाल मेहता (45) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार छोटेलाल मेहता रविवार को रात के करीब 8 बजे डोमचांच बाजार से अपने घर बेहराडीह लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में उनकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे उनके शरीर पर हल्की चोटें आईं। इसके पश्चात जब वे घर पहुंचे तो परिजनों ने उन्हें मरहम पट्टी और दवा लेने की सलाह दी। इसके बाद वे बेटे और भतीजे के साथ ढाब रोड के महावीर पिंडा के सामने स्थित झोलाछाप डॉक्टर की ओर से अवैध रूप से संचालित क्लीनिक पहुंच गए। जहां के डी प्रसाद नामक झोलाछाप चिकित्सक ने घायल व्यक्ति को एक के बाद एक कुल चार इंजेक्शन लगा दिए।

इसके बाद क्षण भर में ही घायल छोटेलाल ने वहीं पर दम तोड़ दिया। जब तक परिजन कुछ समझ पाते झोलाछाप डॉक्टर मौका पाकर वहां से फरार हो गया। इसके बाद मृत व्यक्ति का शव बेटे और भतीजे के द्वारा उनके निवास स्थान पर लाया गया।

वहीं घटना की सूचना पाकर डोमचांच पुलिस सोमवार की सुबह उस झोलाछाप चिकित्सक के क्लीनिक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर अपने साथ थाने ले गई।

सुभाषितम्

बुद्धि से विचारकर किए गए कार्य ही सफल होते हैं।

- महाभारत

गृह मंत्रालय ने तय की थी 3 माह की समय सीमा

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिए गये फैसले के बाद एक महत्वपूर्ण संवैधानिक बहस शुरु हो गई है। यह बहस राष्ट्रपति या राज्यपालों द्वारा विधेयक की समय सीमा तक सीमित नहीं रह गई है। जिस तरह से राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से 14 बिंदुओं पर सलाह मांगी है। उसके बाद नई-नई बातें निकलकर सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने जो आदेश दिया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय परिपत्र कई वर्ष पूर्व जारी कर चुका है। जिसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यपालों को निर्देश भेजे थे। तीन माह की समयावधि के अंदर विधेयक पर अंतिम फैसला लेने के लिए निर्देशित किया गया था। केंद्र सरकार के प्रशासनिक निर्देशों की समय सीमा का हवाला सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में यह सीमा तय की गई थी। इस गाइडलाइन के अनुसार, राष्ट्रपति और राज्यपालों को राज्यों से आने वाले विधेयकों पर अधिकतम तीन महीने के अन्दर निर्णय लेने थे। कई राज्यों के राज्यपाल यहां तक कि राष्ट्रपति कार्यालय में लंबे समय से विधेयक लंबित पड़े थे। सहमति हो, असहमति हो या विधेयक को पुनर्विचार हेतु सरकार को लौटाना हो। यह व्यवस्था गृह मंत्रालय द्वारा सुनिश्चित की गई थी। ताकि राज्यों की विधानसभा से पारित विधेयकों को अनिश्चितकाल तक लंबित न रखा जा सके। यह प्रशासनिक सुधार और संघीय ढांचे के संतुलन बनाए रखने के लिए किया गया था। विडंबना यह है, जब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की बनाई इस गाइडलाइन का हवाला देते हुए राष्ट्रपति और राज्यपालों के निर्णयों पर समय सीमा तय करते हुए निर्णय दिया है। सुप्रीम कोर्ट इसके पहले भी कई बार राज्यपालों को निर्देश दे चुकी थी। जिसका पालन राज्यपालों द्वारा नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद सरकार की असहजता झलकने लगी। दिल्ली, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र, केरल, पंजाब जहां-जहां विपक्षी दलों की सरकारें थीं। वहां के राज्यपाल चुनी हुई सरकारों के विधानसभा से पारित विधेयकों को कई महीनों और वर्षों तक रोककर रखे हुए थे। ऑपरेशन लोटस और ईडी की कार्यवाही कर विपक्षी दलों को तोड़ने-फोड़ने का काम राज्यपालों के माध्यम से हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद केंद्र सरकार और भाजपा के लिए इस तरह का दबाव बनाना संभव नहीं होगा। जिसके कारण केन्द्र सरकार और भाजपा नेताओं में बड़ी बेचैनी देखने को मिल रही है। इस बेचैनी को इस रूप में समझा जा सकता है, केंद्रीय सरकार ने राष्ट्रपति के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट से सीधे सवाल पूछकर अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की यह एक दुर्लभ घटना है। यह विरोधी सरकार के दोहरे चरित्र को उजागर करती है। एक तरफ केंद्र स्वयं नियम बनाता है। दूसरी ओर उन्हीं नियमों से बचने की कोशिश करता है। राजनीतिक रूप से अपने फायदे के लिए केंद्र सरकार अपने ही बनाए नियमों का मनमाफिक नतीजा निकाल लेती है। केंद्र सरकार की यह प्रवृत्ति शासन की पारदर्शिता तथा संविधान के संघीय ढांचे पर प्रश्नचिह्न लगाती है। संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यों के अधिकारों का केंद्र सरकार हनन करती है। जिस विवाद को केंद्र सरकार ने जन्म दिया है। उसके बाद 9 राज्यों के विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों ने भी मोर्चा खोल दिया है। जिसके कारण बड़ा नुकसान संविधान को होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर केंद्र सरकार को आत्ममंथन करना चाहिए था। केन्द्र सरकार अपनी ही नीतियों का सम्मान क्यों नहीं करना चाहता है। यदि संवैधानिक संस्थाएं और संवैधानिक पद राजनीतिक और व्यक्तिगत हितों की पूर्ति के माध्यम बन जाएंगे, तो लोकतंत्र को किस तरह से सुरक्षित रखा जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस बार साफ संदेश दिया है। संविधान सर्वोच्च है, कोई भी व्यक्ति या संस्था संविधान से बड़ी नहीं है। केंद्र को चाहिए कि वह संविधान और केन्द्र तथा राज्य सरकारों के बनाए कानूनों और नियमों का ईमानदारी से पालन करे। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के लाभ हानि से जोड़कर, तोड़ने और मरोड़ने का प्रयास न करें। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के रूप में तीनों शक्तियां अपने-अपने दायित्व को पूरा करती हैं। कर्म फल और प्रकृति के सिद्धांतों को ब्रह्मा, विष्णु और महेश को भी मानना पड़ता है।

चिंतन-मनन

अकर्मण्य न बनें

एक कहानी है। एक राजा था। उसे मंत्री की नियुक्ति करनी थी। वह नियुक्ति से पूर्व परीक्षा करना चाहता था। पांच-सात व्यक्ति आए। उसने सबको एक कमरे में बिठाकर कहा, आप सब यहां बैठें। मैं कमरे के बाहर ताला लगा देता हूं। जो भी ताले को खोलकर बाहर निकल आएगा, उसे मंत्री बनाऊंगा। सबने सुना-सोचा- कितनी विचित्र परीक्षा। दरवाजा बंद। बाहर से ताला बंद और भीतर वालों से कहे कि बाहर आओ। यह असंभव है। सब व्यक्तियों ने सोचा, राजा पागल हो गया है। यह भी कोई परीक्षा होती है! दूसरे प्रकार से भी परीक्षा ली जा सकती थी। बाहर जाना कैसे संभव हो सकता है? वे हाथ पर हाथ रख बैठे रहे। कुछ प्रयास नहीं किया। सातवां व्यक्ति अकर्मण्य नहीं था, पुरुषार्थी था। उसने सोचा, जरूर इस शर्त में कोई रहस्य है। राजा ऐसी शर्त क्यों रखता? मुझे अपना पुरुषार्थ करना है। वह उठा। दरवाजे के पास गया। उसे जोर से धकेला, वह खुल गया। उसने बाहर आकर राजा का अभिवादन किया। दरवाजे पर कोई ताला लगाया ही नहीं था, केवल सबको भुलावे में रखा था। राजा जानना चाहता था कि कौन कर्मण्य है और कौन अकर्मण्य। उन्होंने सोचा, जब बाहर ताला है तब दरवाजा कैसे खुलेगा? इसी भ्रम ने उन्हें अकर्मण्य बना डाला। वे बाजी हार गए। जिसने पुरुषार्थ किया, कर्मण्यता का परिचय दिया, वह जीत गया। वह मंत्री बन गया। साधना का क्षेत्र निर्विघ्न नहीं है। उसमें अनेक बुलावे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष पाक पर मेहरबान क्यों?

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर भारत सहित पूरी दुनियां की निगाहें भारत पाक तनातनी या युद्ध विराम, फिर सीमा पर जारी गोलीबारी, तथा नेताओं की बयानबाजी पर लगी हुई हैं। इधर भारतीय रक्षामंत्री ने 15 मई को कश्मीर सैनिकों के साथ फिर 16 मई 2025 को गुजरात भुज में एयर फोर्स स्टेशन पर इन दोनों दौरों में आईएमएफ द्वारा पाक के लिए फ्लश सैंक्शन करने की वजह पर सवाल उठाए व कहा कि क्या आईएमएफ द्वारा पाक को आतंकवाद को फिर पोषित करने में मदद की जा रही है, उन्होंने मदद पर पुनर्विचार करने की अपील आईएमएफ से की तथा आतंकवाद के हर रूप स्वरूप को समाप्त करने की भी बात कही, तथा कहा कि आईएमएफ द्वारा प्राप्त फंड से ध्वस्त किए गए आतंकवादियों के ठिकानों को फिर से खड़े करने की संभावना है, और कहा कि हमारी लड़ाई सिर्फ एक ट्रेलर थी, जरूरत पड़ी तो अब पूरी तस्वीर दिखाएंगे। तो उधर इस बात का पाक के विदेश मंत्रालय ने तुरंत जवाब दिया, मंत्रालय के बयान में कहा गया, ये गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियां पारंपरिक तरीकों से भारतीय आक्रमण के खिलाफ पाकिस्तान की प्रभावी रक्षा और प्रतिरोध के बारे में उनकी गहरी असुरक्षा और हताशा को दर्शाती हैं। पाकिस्तान की पारंपरिक क्षमताएं भारत को रोकने के लिए काफी हैं, बिना किसी सेल्फ ईफेक्ट न्यूक्लियर ब्लैकमेल के, जिससे नई दिल्ली पीड़ित है और कहा कि युद्ध विराम 18 मई 2025 तक है। यानें हम देख सकते हैं कि आईएमएफ का ऋण पाक को 14 मई 2025 को मिल चुका है, तो उसके तेवर ही बदल गए हैं यानें अपने कर्ज को चुकाने व आतंकवाद को फिर से पोषित करने की ताकत फिर के रूप में फिर उन्हें मिली है अब सवाल उठता है कि इतनी बड़ी राशि यानी 1.023 बिलियन अमेरिकी डॉलर की मंजूरी आईएमएफ ने कैसे की और डिलिवरी भी दे दी। मेरा मानना है कि बिना अमेरिका की सहमति से यह बिल्कुल ही नहीं हो सकता? मेरा मानना है कि अमेरिका इसी एक तीर से अनेकों निशाने लगाने की कोशिश कर रहा है, पाक की चीन पर निर्भरता कम करना, चीन को ग्वादरपोर्ट से लेकर चीन पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर के कर्ज के पैसे दिलाना तथा कि चीन से बढ़ती यारी और कर दे भारत को दरकिनार वाली नीति तो नहीं, क्योंकि भारत निरंतर नेता से बुलंदियों के झंडे गाड़ रहा है उसे निशाना है एन हो। चूंकि आईएमएफ फ्लश मिलते ही पाक के सुर बदले और कहा और न्यूक्लियर बम के ही भारत को रोकने में सक्षम है तथा युद्ध विराम 18 मई तक है तथा अमेरिकी दबाव वाला आईएमएफ पाक पर इतना मेहरबान क्यों? क्या अमेरिका चीन साथ-साथ, फिर पोषण से फिर सिर उठाएगा आतंकवाद, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत का आईएमएफ को दो टूक संदेश, पाक को फंड देने पर पुनर्विचार करें, क्योंकि है आतंकवाद को फिर पोषण करने की संभावना का सही अनुमान है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 15 व 16 मई 2025 को माननीय रक्षामंत्री द्वारा आईएमएफ को ऋण पर पुनर्विचार की अपील की करें तो उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाक को मिलने वाली मदद पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पाक इस पैसे का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर सकता है। उन्होंने यह बात गुजरात के भुज एयर फोर्स स्टेशन से कही। उन्होंने दुनियां से पाक को आर्थिक मदद रोकने की अपील की है। आईएमएफ ने हाल ही में पाकिस्तान को सहायता के तौर पर 1.023 बिलियन अमेरिकी डॉलर की दूसरी किश्त दी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाक को आईएमएफ से जो पैसा मिलेगा उसका बड़ा हिस्सा वह अपने देश में आतंकवाद के ढांचे को मजबूत करने में लगाएगा। उन्होंने भारत की तरफ से आईएमएफ से यह अपेक्षा की है कि वह पाकिस्तान को आर्थिक मदद देने पर फिर से विचार करे। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा, मुझे लगता है कि पाकिस्तान को आईएमएफ से जो पैसा मिलेगा, उसका बड़ा हिस्सा वो अपने देश में आतंकवाद फैलाने वाले ढांचे को मजबूत करने में लगाएगा। मेरा मानना कि पाकिस्तान इस पैसे का गलत इस्तेमाल करेगा। पाकिस्तान आईएमएफ के बेलआउट पैकेज पर बहुत ही ज्यादा निर्भर है। इस पैकेज से उसे अपने घटते विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में मदद मिली है। पिछले साल पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर था, तब आईएमएफ ने उसे 3 बिलियन डॉलर की मदद देकर बचाया था। आईएमएफ की वेबसाइट के अनुसार, पाक को सदस्य बनने के बाद से अब तक कम से कम 25 बेलआउट लोन मिल चुके हैं। इस साल अप्रैल के अंत में पाक का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 10.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। अगस्त 2024 में यह 9.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। अनुमान है कि जून 2025 के अंत तक यह 13.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। आईएमएफ ने पाक से कहा है कि वह अपनी जीडीपी का 1.6 प्रतिशत प्राथमिक बजट अधिशेष मानकर बजट बनाए। इसके लिए उसे गैर-ब्याज खर्चों के अलावा लगभग 2 ट्रिलियन रुपये जुटाने होंगे। इसका मतलब है कि पाकिस्तान को अपनी आमदनी बढ़ानी होगी और खर्च कम करने होंगे। अभी पाकिस्तान की स्थिति ये है कि कर्ज चुकाने के लिए उसे कर्ज लेना पड़ रहा है। आईएमएफ की सहायता पाकिस्तान के लिए अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद को बढ़ावा देती है, पाक अपनी जमीन पर आतंकवादी समूहों को शरण देता है और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करता है। ऐसे में आईएमएफ द्वारा दी गई सहायता को आतंकवादियों को मदद देने जैसा माना जाता है। उनका यह बयान पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कड़े रुख और विदेशों को दर्शाता है, जो लंबे समय से पाक के आतंकी संगठनों के समर्थन के खिलाफ है। उन्होंने इस वित्तीय सहायता को आतंकवाद को अप्रत्यक्ष समर्थन देने जैसा करार दिया है।

साथियों बात अगर हम भारतीय रक्षामंत्री के बयान का तुरंत जवाब पाक विदेश मंत्रालय द्वारा देने की करें तो भारत और पाक के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने बयान जारी करते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच 18 मई तक सीजफायर पर सहमति बनी है। वह अस्थायी युद्धविराम नियंत्रण रेखा पर जारी गोलीबारी को रोकने के उद्देश्य से लागू किया गया है।

खुद को बदल डालो, तुम औरों को नहीं बदल सकते

- नरेंद्र भारती

एक विद्वान ने कहा था की खुद को बदल डालो तुम औरों को नहीं बदल सकते यह अटल सच्चाई है और आधुनिक समय के हालातों पर सटीक फिट हो रही है ' दुनिया में प्रत्येक मानव के अपने-अपने विचार हैं अपनी- अपनी सोच है अपने-अपने दायरे हैं अपनी अपनी खुशी है आदमी खुश रहना चाहिए ' इंटरनेट की दुनिया में सब मस्त हैं चौबीस घंटे व्यस्त हैं ' गलत काम के लिए सबका ही एका है अच्छे काम के लिए एका नहीं है ' आज संस्कारों का अंतिम संस्कार होता जा रहा है ' इंटरनेट की दुनिया ने सबको दिग्भ्रमित किया है हर आदमी हरफनमौला बन चुका है ' अपने से बड़ों का अपमान किया जा रहा है निरादर किया जा रहा है यह बहुत ही त्रासदी है ' अहंकार हावी हो चुका है और मानव अहंकारी बनता जा रहा है ' एक दूसरे को नीचा दिखाना मानव की फितरत बन चुकी है ' खूनी रिश्तों में बढ़ता संक्रमण बहुत ही घातक होता जा रहा है और नैतिक मूल्यों में गिरावट एक त्रासदी बनती जा रही है ' नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है व खूनी रिश्तों का अस्तित्व खत्म होता जा रहा है, नैतिक मूल्यों में गिरावट एक त्रासदी है समय रहते इस त्रासदी को रोकना होगा समाज को मंथन करना होगा तभी नैतिक मूल्यों की गिरावट रुक सकती है ' अक्सर देखा गया है की नई पीढ़ी नैतिक मूल्यों को भूलती जा रही है ' नैतिक मूल्यों का ह्रास बहुत ही चिंतनीय है बुद्धिजीवी वर्ग को समय रहते मनन करना होगा वरना बहुत देर हो जाएगी ' आधुनिक मानव स्वार्थी होता जा रहा है खून के रिश्तों को तोड़ रहा है और गैरों को अपना बना रहा है ' रिश्तों की बुनियाद हिलती जा रही है और जर्जर हो चुकी है दीवार का एक पत्थर भी निकल जाये तो दीवार कभी भी ढह सकती है और रिश्ते दफन हो सकते हैं ' रिश्तों की दशा अब दुर्दशा में बदलती जा रही है ' मानव निजी हितों के लिए अनैतिक आचरण कर रहा है ' यह बहुत ही घातक है ' जर, जोरू, जमीन के लिए रिश्तों का खून बहाया जा रहा है परिवार के परिवार खत्म हो रहे हैं जमीन के टुकड़े के लिए एक दूसरे के प्यासे हो चुके हैं ' भाईचारा खत्म होता जा रहा नफरत के बीज बोये जा रहे हैं रिश्तों की दीवारें दरक रही हैं और नफरत की दीवारें खड़ी होती जा रही हैं ' रिश्तों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है आक्रोश पनपता जा रहा है रिश्तों में गहरी खाइयां होती जा रही हैं ' विश्वास टूट रहे हैं अविश्वास बढ़ता जा रहा है ' रिश्तों की मिठास खत्म हो रही है रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती जा रही है ' रिश्तों के बंधन टूट रहे हैं खून के रिश्तों में गांठें पड़ती जा रही हैं ' नैतिक मूल्य नष्ट होते जा रहे हैं ' रिश्तों की माला बिखर रही है माला के मनके इधर उधर बिखर रहे हैं ' खूनी रिश्ते गुमशुदा व गुमनाम होने लगे हैं कुछ रिश्ते लापता हो चुके हैं लापता हो चुके रिश्तों को ढूंढना होगा ' रिश्तों की वर्णमाला के अक्षर भी आगे पीछे हो चुके हैं ' रिश्तों की कुंडली भी बदल चुकी है ' गलतफहमी ने भी रिश्तों को तोड़ा है टूट चुके रिश्तों को जोड़ना चाहिए ताकि रिश्तों की जड़ें फलित हरी रहें अहंकार के कारण रिश्ते बिखर रहे हैं ' माया के मोहजाल में फंस चुका मानव आज भटक चुका है माया में अंधा हो चुका है भ्रष्ट हो चुका है संवेदना, करुणा, मानवता नाम की कोई चीज नहीं है एक दूसरे को नीचे गिराने के लिए अनैतिक कार्य कर रहे हैं ' रिश्ते असुरक्षित होते जा रहे हैं डरावने होते जा रहे हैं भय का माहौल सा बन चुका है ' रिश्तों के सिद्धांत बदलते जा रहे हैं परिभाषा बदल चुकी है रिश्ते मतलबपरस्त होते जा रहे हैं ' नेकी व भलाई व अच्छाई खत्म होती जा रही है और बुराई का बोलबाला बढ़ता जा रहा है ' रिश्तों में ग्रहण लग गया है एक दूसरे का अच्छा नहीं देख सकते ' ईर्ष्या पनप रही है वर्तमान में रिश्तों के सुख दुःख में शामिल नहीं होते केवल मात्र औपचारिकता निभाई जा रही है ' चंद स्वार्थ के लिए रिश्ते टूट रहे हैं ' रिश्तों की मशाल बुझती जा रही है ' रिश्तों में बिखराव बड़े पैमाने पर बढ़ता जा रहा है ' रिश्ते अर्थहीन होते जा रहे हैं ' रिश्तों का स्वरूप बिगड़ चुका है ' समाज को इस पर समीक्षा करनी होगी ' रिश्तों में बढ़ती दूरियों को पाटना होगा एक सेतु बनाना होगा बिखर चुके रिश्तों को समेटना होगा ताकि रिश्तों की मशाल निर्बाध रूप से जलती रहे ' बिखर चुके रिश्तों को संगठित करना होगा नफरत के बीजों को नष्ट करना होगा ' अपवित्र हो चुके रिश्तों को गंगाजल से पवित्र करना होगा ' खानाबदोशों की तरह बिखर चुके व भटक चुके रिश्तों को इकट्ठा करना होगा ' रिश्तों में विश्वास लाना होगा ताकि विश्वास बरकरार रहे ' रिश्तों का व्याकरण बदल चुका है ' प्रथमा से सप्तमी तक रिश्ते बदलते जा रहे हैं ' बिखर चुके खून के रिश्तों का विश्लेषण करना होगा रिश्तों की इस तबाही को रोकना होगा ' नैतिक मूल्यों का क्षरण रोकना होगा ' भटक चुके मानव को नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ समाज बन सके ' मानवीय मूल्यों को बचाना होगा ' आधुनिक मानव माया के लालच में रिश्ते नाते भूलता जा रहा है मोबाइल पर व्यस्तता बहुत बढ़ गई है किसी से कोई मतलब नहीं है मोबाइल ही सच्चा साथी बन गया है मोबाइल ने रिश्तों में दूरियां पैदा कर दी हैं ' मानव की संवेदनाएं मृतप्राय हो चुकी हैं और मानव संवेदनहीन हो चुका है, कौन जी रहा कौन मर रहा है कोई सरोकार नहीं है ' यह बहुत ही त्रासदी है चौबीस घंटे इंटरनेट की दुनिया में मस्त हैं चौबीस घंटे भी कम होने लगे हैं ' दिन रात आभासी दुनिया में अनावश्यक ही व्यस्त रहता है ' व्यस्तता इतनी बढ़ गई है कि माँ-बाप के साथ बात तक करने को समय नहीं है ' एक समय था कि आदमी एक दूसरे के दुःख सुख में शामिल होता था लेकिन आज किसी के पास एक मिनट का भी समय नहीं है ' रिश्ते नाते खत्म होते जा रहे हैं रिश्तों का कत्लेआम किया जा रहा है चंद स्वार्थ के लिए रिश्ते तोड़े जा रहे हैं ' समाज में भाईचारा खत्म होता जा रहा है एक दूसरे को नीचा दिखाने कि होड़ लगी है ' सोशल मीडिया पर हर समय व्यस्त रहते हैं ' आपत्तिजनक रिलेशनशिप व भाईचारे से नफरत की जाती है ' आभासी दुनिया तक ही सीमित हो चुके हैं ' वह भान कि परवाह है ' संवेदना की परिभाषा बदल चुकी है और लोग संवेदनहीन होते जा रहे हैं ' आज सड़कों पर आदमी तड़प तड़प कर मर रहा है लोग सहायता तो नहीं करते वीडियो जरूर बनाते हैं ' अगर समय पर अस्पताल ले जाएं तो जान बच सकती है ऐसे वीडियो बनाने वालों पर कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए ' समाज किसी तरफ जा रहा है यह एक बड़ा प्रश्न बन गया है ' नैतिक मूल्यों का पतन हो चुका है इस पतन को रोकना होगा ' आज मानव विरासती होता जा रहा है ' अहंकार से लबालब भर चुका है ' अहंकार ने पता नहीं कितने ही सच्चे रिश्तों का कत्ल कर दिया है ' रिश्तों को खत्म कर चुकी है तथा रिश्ते टूट रहे हैं ' नैतिक मूल्यों का पालन करना होगा ' रिश्तों को बचाना समाज हित में है '

(वरिष्ठ पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

त्वरित टिप्पणी

उनके शब्द ने उलझा दिया देवड़ा जी को

- चैतन्य भट्ट

अभी मध्य प्रदेश के आदिवासी मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया पर दिए गए विवादास्पद बयान की स्याही सूखी भी नहीं थी कि प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के एक बयान ने राजनीति में फिर से तूफान ला दिया। जबलपुर में सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने अपने बयान में कहा मन में बहुत क्रोध था जो दृश्य उन्होंने देखा कि जो पर्यटक के रूप में गए थे घूमने गए थे और वहां चुन चुनकर धर्म पूछ-पूछ कर करके माईं लाओं को एक तरफ खड़ा करके उनके सामने गोली मारी, बच्चों के सामने गोली मारी, उस दिन से बहुत तनाव था पूरे देश के लोगों के दिमाग में कि जब तक इसका बदला नहीं लिया जाएगा और जिन महिलाओं के सिंदूर को मिटाने का काम जिन आतंकवादियों ने किया और आतंकवादियों को जिन्होंने पाला जो पाल रहे उनको नेस्तनाबूद नहीं कर देंगे तब तक चैन की सांस नहीं लेंगे। मैं यशस्वी प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहूंगा और पूरा देश, देश की वो सेना वो सैनिक उनके चरणों में नतमस्तक है है उनके चरणों में पूरा देश नतमस्तक है उन्होंने जो जवाब दिया उसकी जितनी सराहना की जाए एक बार उनके लिए जोरदार तालियां बजाकर स्वागत कीजिए। जैसे ही जैसे ही यह बयान मध्य प्रदेश उत्तीसगढ़ के निजी चैनल आईबीसी 24 में जारी हुआ वैसे ही पूरे राजनीतिक जगत में हड़कंप मच गया आरोपों की झड़ी लग गई कि उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सेना का अपमान कर दिया बस फिर देखते ही देखते उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तमाम चैनलों और सोशल मीडिया के निशाने पर आ गए इधर जैसे ही उनका यह बयान वायरल हुआ कलेक्टर जबलपुर दीपक सक्सेना की ओर से एक खंडन जारी किया गया जिसमें कहा गया कि उपमुख्यमंत्री के बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया था जिससे भ्रम की स्थिति निर्मित हुई लेकिन जब तक ये खंडन जारी हुआ तब तक देश के तमाम चैनल और राष्ट्रीय चैनलों में यह खबर सुर्खियों में आ गई जाहिर है कि जैसे ही यह खबर सुर्खियों में आई कांग्रेस ने इसे लपक लिया और तमाम बड़े नेताओं ने जिसमें प्रियंका गांधी, सुप्रिया श्रीनेत, विवेक तन्खा, जीतू पटवारी जैसे नेताओं ने कहा कि जगदीश देवड़ा द्वारा सेना का अपमान अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है इस देश की सेना और सैनिक प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक है सेना के शौर्य का अपमान है विवेक तन्खा ने कहा आप क्या कह रहे हैं देवड़ा जी मोदी जी और देश की जनता हमारे वीर सेना के प्रति समर्पित और नतमस्तक है आप लोग सेना की और एक ही एजेंसियों का क्रेडिट क्यों ले रहे हैं? कांग्रेस के इस बयान पर भाजपा नेताओं ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे कांग्रेस का राजनीतिक षड़यंत्र बताया बताया इस बात का कि उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भाषण में क्या कहा और वह भाषण में क्या कहना चाहते थे, लेकिन यदि हिंदी व्याकरण के संज्ञा और सर्वनाम के हिसाब से देखा जाए तो संज्ञा किसी व्यक्ति वस्तु या स्थान के लिए प्रयुक्त की जाती है और अगर उसे पुनः व्यक्त करना है तो उसके लिए सर्वनाम का उपयोग किया जाता है जगदीश देवड़ा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहिंगे और देश की सेना वे सैनिक उनके चरणों में नतमस्तक हैं यानी उनके शब्द का प्रयोग प्रधानमंत्री के लिए सर्वनाम के रूप में उपयोग किया गया था।

आज का राशिफल

मेष आज आप लाभ देने के ... कार्यस्थल पर ... स्थिति ...	**तुला** ... और ... शुभ ... जहां से ... प्राप्त होंगे।
वृषभ आज आपकी ... और आपको लाभ दे रहे हैं। ... शक्ति है।	**वृश्चिक** ... आपके ... है। ... बड़े निर्णय ले सकते हैं।
मिथुन आज दिन लाभ से भरा होगा। आपके ... के मामले में ... लाभ होगा।	**धनु** ... होगा। आपके ... से ... सकता है।
कर्क आज सभी की ... शुभ है और आपके ... लाभ ... हो सकता है। ... में वृद्धि होगी।	**मकर** आपको ... का लाभ मिलेगा। ... सकता है।
सिंह ... के माहौल को ... से ... आर्थिक ... वृद्धि में ... होगा।	**कुंभ** ... और ... के मामले में लाभ होगा। ... आपको मजबूत करेगा।
कन्या आज ... लाभ होगा। ... संभावनाओं के ...	**मीन** ... में ... कर सकते हैं, ... लाभ ...

विशेष

सेना और देश, मोदी के चरणों में नतमस्तक

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा अपने विवादित बयान के कारण सारे देश में चर्चा का विषय बन गए हैं। उन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा सेना, सैनिक और देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं। इसके पहले मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विजय शाह का बयान चर्चाओं में था। हाईकोर्ट ने शाह का बयान स्वयं संज्ञान में लिया था। उसके बाद देवड़ा जी का बयान उनके और भाजपा पार्टी के लिए संकट का कारण बन गया है। उन्होंने यह कहकर अपना बचाव किया है। तोड़ मरोड़कर उनके बयान को विवादित किया गया है। लेकिन वीडियो है, जो सच बोल रहा है। यह अलग बात है, मंत्री विजय शाह का वीडियो पुलिस नहीं खोज पा रही है। अब इनका भी वीडियो मिलेगा या नहीं कहना मुश्किल है।

संसद सत्र टालने विदेश भेजे जा रहे हैं, सांसद

भारत और पाकिस्तान के बीच आतंकवाद को लेकर जो तनाव चल रहा है। उसको लेकर सरकार 51 सांसदों को वैश्विक जनमत को भारत के पक्ष में करने के लिए और पाकिस्तान की आतंकी करतूतों को बताने के लिए सरकार विदेश भेज रही है। सरकार ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को सांसदों का नेतृत्व करने का जिम्मा दिया है। इससे सरकार और कांग्रेस के बीच रस्साकशी छिड़ गई है। कांग्रेस का कहना है, कि जो चार नाम उन्होंने भेजे थे। सरकार ने बिना कांग्रेस की सहमति लिए शशि थरूर को भेजना था। जब कांग्रेस पार्टी से नाम नहीं मांगा था। वहीं राजनीतिक हलकों में यह भी कहा जा रहा है। विशेष संसद सत्र बुलाने की मांग कर रहा था। सरकार सत्र बुलाना नहीं चाहती थी। सरकार ने बुद्धिमानी दिखाते हुए सांसदों को विदेश भेजने का निर्णय किया। सरकार ने विपक्ष में दरार डाल दिया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1778 अंग्रेजी भाषा के निबंधकार विलियम हेजलिट का जन्म हुआ. 1875 स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की. 1890 प्रसिद्ध समाज सुधारक सी. वाई. चिंतामणि का जन्म हुआ. 1949 ब्रिगेडियर जनरल आर्ड. एच. डायर ने अमृतसर में लोगों को कोड़े मारने का कुख्यात आदेश जारी किया. 1932 जर्मनी में पहला नाम हिंडनबर्ग राष्ट्रपति चुने गये. 1945 अमेरिकी फौजों ने बुकेनवाल्ड, जर्मनी के यातना शिविर से लोगों को मुक्त कराया. 1963 अमेरिका की परमाणु चालित पनडुब्बी थ्रेसर 29 असैनिकों सहित उत्तरी अटलांटिका में डूबी. 1976 इंग्लैंड ने तीनों के बावजूद अधिकृत पश्चिमी किनारे के क्षेत्रों में चुनाव कराने की घोषणा की. 1982 भारत का बहुद्देशीय उपग्रह इन्सैट—एक का प्रक्षेपण किया गया.

दैनिक पंचांग

20 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

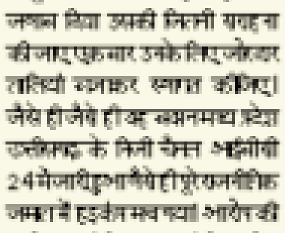

मंगलवार 2025 वर्ष का 140 वां दिन। दिशाशूल उत्तर, ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947 मास ज्येष्ठ ... पक्ष कृष्ण। तिथि सप्तमी 05.51 बजे ... अष्टमी ... नक्षत्र ... सूर्योदय प्रातः 05.32 बजे, सूर्यास्त 17.29 बजे ... चन्द्रमा ... राशि ... अयनांश ... 24° 20' सूर्य ... संवत ... 1872880 जूलियन दिन 2460815.5 ... कलियुग संवत् 5127 ... कल्पारंभ संवत् 1972949125 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885125 वीरनिर्वाण संवत् 2551 हिजरी सन् 1446 ...

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	... में	वृष	04.50 बजे से
चंद्र	... में	मिथुन	07.00 बजे से
मंगल	... में	कर्क	09.14 बजे से
बुध	... में	सिंह	...
गुरु	... में	कन्या	...
शुक्र	... में	तुला	15.53 बजे से
शनि	... में	वृश्चिक	18.07 बजे से
राहु	... में	धनु	20.23 बजे से
केतु	... में	मकर	...
		कुंभ	...
		मीन	01.46 बजे से
		मेष	03.15 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	... से	... बजे तक	काल	... से	... बजे तक
उद्वेग	07.22 से	09.15 बजे तक	लाभ	... से	... बजे तक
चर	... से	... बजे तक	उद्वेग	... से	... बजे तक
लाभ	... से	... बजे तक	शुभ	... से	... बजे तक
अमृत	... से	... बजे तक	अमृत	... से	... बजे तक
काल	... से	... बजे तक	चर	... से	... बजे तक
शुभ	... से	... बजे तक	रोग	... से	... बजे तक
रोग	... से	... बजे तक	काल	... से	... बजे तक

चौघड़िया ... विवरण ... bhagyodaya.com ...

ऑफिस में हिट किचन में फिट

मॉम मैंने आज बिरयानी बनाई, घर के सभी को पसंद आई। सब बहुत तारीफ कर रहे थे। हाल ही में शादी के बाद ससुराल में रह रही अपनी बेटी ईशा की चहकती आवाज सुनकर अमृता के कानों में जैसे शहद घुल गया। वह सोचने लगीं कि ईशा को तो किचन के काम करने की बिल्कुल आदत नहीं है।

हॉस्टल में रहने और हर वक्त पढ़ाई के चक्कर में वह किचन का कोई काम नहीं सीख पाई थी। फिर उसे कठिन बिरयानी बनाना किसने सिखाया? तुम्हें बिरयानी बनाने का तरीका भी पता है? जवाब मिला, 'ओह मॉम, आप भी, मैंने फोन पर रेसिपी खोज ली थी, उसे साथ में रखा और जैसा उसमें लिखा था, वैसा बनाती गई और अच्छी बिरयानी तैयार हो गई। घर में सभी को स्वाद अच्छा लगा।'

अमृताजी को लगा कि बेटी उनसे ज्यादा समझदार हो गई है। वह बेकार ही सालों तक चिंता में घुलती रहीं कि ईशा ने किचन में इंटरेस्ट नहीं लिया, पता नहीं ससुराल में क्या करेगी? लेकिन आज की इंजीनियर बेटी ऑफिस में भी हिट है और घर के किचन में भी फिट है। ऑफिस में उसकी रैंक एक्सीलेंट है और घर का हर काम भी अपने व्यवहार और काम करने के तरीके की तारीफ करता है। उन्हें गर्व महसूस हुआ अपनी बेटी पर। वह जान गई कि आज की स्मार्ट लड़कियों को पता है कि कौन-सी चीज कब, कहां और कैसे इस्तेमाल करना है। आज ईशा जैसी स्मार्ट लड़कियां टेक्नोलॉजी और कम्युनिकेशन डिवाइसेज का फायदा स्मार्ट होम मैनेजर के लिए कर रही हैं। वे घर के सभी काम टाइम में बेहतर तरीके से मैनेज कर रही हैं। मां की मोटी रेसिपी डायरी या पुरानी किताबों की जगह ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल साइट्स ने ले ली है। इन पर ढेरों जानकारियां हैं और वे इनका बुद्धिमानी से फायदा उठा रही हैं। अचानक अचानक मेहमान घर पर आ जाएं तो हाथ-पैर नहीं फूलते कविता के। वह झट से ऐसा मेनू बनाती हैं जिसमें उनके बनाए घर के व्यंजन के साथ होम डिलीवरी पर मंगा सकने वाली रेडिमेड चीजें भी होती हैं। डिलीवरी में इंटरनेट भी मदद करता है। जब तक उनका ऑर्डर किया सामान आता है तब तक वह घर के स्मार्ट गैजेट्स की मदद से कुकिंग कर लेती हैं और मेहमानों की खातिरदारी की तैयारी भी पूरी हो जाती है। घर का सामान, सब्जियां वह। तक कि दाल-चावल की रसोई तक वह होम डिलीवरी से मैनेज कर लेती हैं। इससे बाजारों के चक्कर तो बचते ही हैं साथ में समय की बचत भी हो जाती है।

'मुझे जो भी काम जिस दिन भी, जिस समय भी करना होता है तो तुरंत फोन पर रिमाइंडर लगा लेती हूं। जिससे चूक नहीं होती। घर का जो भी सामान खत्म हो जाता है या जो काम पेंडिंग हो जाते हैं उन्हें फिर फोन पर नोट्स में बनाती जाती हूं। जब मार्केट जाती हूं तो फिर साथ ही होती है और आसानी से सारे काम हो जाते हैं'। जी हां, अपने हर काम को बेहतर प्लानिंग और स्मार्ट तरीके से अंजाम देती हैं नेहा। उनके हाथ का स्मार्ट फोन उनके स्मार्ट होम मैनेजमेंट का हथियार है। नेहा कहती हैं - 'प्लानिंग जरूरी है और अनुशासित भी है, कई-कई घंटे काम पर रहते हैं तो एफिशिएंट प्लानिंग ही हमें सफलतापूर्वक बना सकती है'। वीकेंड का स्मार्ट प्लान बनाती हैं न्यूट्रल गर्ल्स। इनका मानना है कि घर और ऑफिस में बैलेंस बनाने के लिए प्रेम। इतना बहुत जरूरी है ताकि ऑफिस में भी बेस्ट दे सकें और घर में भी टाइम दे सकें। घर और सफर मैनेज करने के लिए वे प्लानिंग पर बराबर ध्यान देती हैं। जिसमें उनकी फाइनेंशियल पेपर की जरूरतें भी शामिल होती हैं। खुद एंजॉय कर फैमिली के बीच समय बिताने का पूरा मजा लेना भी जानती हैं वे।

बच्चों को अलग-अलग उम्र में सिखाएं ये काम मिलेंगे ढेरों लाभ

जब आप बच्चे को छुटपन से ही अलग-अलग कौशलों से परिचित कराते हैं तो इसकी परिणति उसमें आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी के गुण लाती है।

कई बच्चे बड़े होने के बाद भी हर छोटी चीज के लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं। जैसे- उन्हें किसी भी समस्या का हल निकालना हो तो प्रयास करने के बजाय किसी बड़े से पूछना, अपने काम खुद करने के बजाय बार-बार मम्मी या किसी बड़े को आवाज लगाना या फिर खुद जाकर किसी से बात भी ना कर पाना। इससे वे स्वयं को भविष्य के लिए ना तो मानसिक रूप से तैयार कर पाते हैं और ना ही शारीरिक रूप से। इसलिए बच्चे को भविष्य की जिम्मेदारियों को निभाने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उम्र के अलग-अलग पड़ाव पर इन कौशलों से जरूर रूबरू कराएं।

जब 2-3 साल के हों बच्चे

इस उम्र में बच्चे दुनिया को समझने की शुरुआत करते हैं। इसलिए उन्हें छोटे-छोटे काम करना सिखाएं। हालांकि इस दौरान उनकी मदद भी करें।

खिलौनों से सिखाएं - बच्चों को सिखाएं कि खिलौने से खेलने के बाद उन्हें सही स्थान पर रखना है। हालांकि वे ऐसा कर पाएं इसके लिए खिलौनों की टोकरी उनकी पहुंच में रखें, ताकि वे व्यवस्था के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी सीखें।

डालें सफाई की आदत - उन्हें सिखाएं कि बिना हाथ धोए खाने नहीं बैठना है। खाना खाने के पहले/बाद हाथ धोना है, ब्रश करना है आदि। इससे वे साफ-सफाई के गुण को अच्छा बना पाएंगे।

सिखाएं साझा करना - बच्चों को आपस में चीजें साझा करना सिखाएं। मिल-बांट कर खाना या खिलौनों से मिलकर खेलना आदि। इससे वे सामंजस्य का गुण सीखेंगे।

4-5 साल के हो जाने पर

इस उम्र में बच्चे थोड़ा स्वतंत्र होना शुरू करते हैं। उन्हें अब अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

याद कराएं नाम और पता - बच्चों को अपना नाम, माता-पिता का नाम और घर का पता याद कराएं, ताकि जरूरत पड़ने पर वे पहचान बता सकें।

पनपाएं आत्मनिर्भरता - स्वयं चुनाव करने का अवसर दें। जैसे- वे क्या पहनना चाहते हैं या फिर किस खिलौने से खेलना चाहते हैं ये उन्हें खुद करने तय करने दें। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी।

सिखाएं बुनियादी शिष्टाचार - 'धन्यवाद', 'कृपया' और 'मुझे माफ करें' जैसे शिष्टाचार के शब्दों का प्रयोग करना सिखाएं। सिर्फ बोलना नहीं है बल्कि महसूस भी करना है, ये भी समझाना जरूरी है।

6-7 साल के हो गए हैं तो

इस उम्र में बच्चों की तर्क और समस्या-समाधान करने की क्षमता विकसित होती है। उन्हें अब व्यावहारिक कौशल सिखाने होंगे।

सरल घरेलू काम के फायदे - बच्चों को छुट-पुट कामों से परिचित कराएं। जैसे- बिस्तर ठीक करना, बर्तन सिंक में रखना या आपके साथ पौधों को पानी देना आदि। इससे वे देखभाल का गुण सीखेंगे।

सिखाएं खाने की तैयारी करना - बच्चों को रसोई से जुड़े बुनियादी काम सिखाएं। जैसे- थाली जमाना, फल धोकर टोकरी में जमाना या खाना परोसना आदि।

समय प्रबंधन की शुरुआत - उन्हें समय का महत्व सिखाएं। इसके लिए मिलकर उनके पूरे दिन की दिनचर्या बनाएं ताकि वे पढ़ाई, खेल और आराम के बीच संतुलन बना सकें।

8-9 साल के बच्चों के लिए

इस समय बच्चों में आत्मनियंत्रण की भावना विकसित होती है। इसलिए ये बढ़िया वक्त है उन्हें सामाजिक और व्यावहारिक कौशल सिखाने का।

समझाएं पैसे का महत्व - बच्चे आर्थिक रूप से भी खुद को आत्मनिर्भर बनाए रखें, इस पर ध्यान देना जरूरी है। इसलिए उन्हें थोड़ा जेबखर्च दें और उससे बचत व उसे उपयोग करने का कौशल सिखाएं।

दें साइबर सुरक्षा का ज्ञान - वे ऑनलाइन जानकारी लेने में भी सक्षम बनें इसलिए इस समय उन्हें साइबर से जुड़े नियम सिखाए जा सकते हैं। ताकि वे ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रहें।

टीम वर्क/सहयोग की भूमिका - मिल कर काम करने से काम जल्दी और बेहतर होता है। इसलिए उन्हें इस गुण से रूबरू कराएं जिससे वे बड़े होकर सामंजस्य/नेतृत्व को बनाने में सक्षम हो पाएं।

किशोरवय में प्रवेश करने वाले हैं तो

10-13 साल के बच्चों को निर्णय लेने में सक्षम बनाना जरूरी है। उन्हें घर और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी से भी अवगत कराएं।

समस्याओं का समाधान - उनकी छोटी-मोटी समस्या उन्हें खुद सुलझाने दें। इससे वे निर्णय लेने और समस्याओं के निपटान के तरीके सीखेंगे जिससे उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

लें घर के कामों में मदद - घर के कामों में उनकी मदद लें। जैसे- सफाई करना, बर्तन धोना आदि। इससे उनमें जिम्मेदारी आएगी।

सामाजिक जिम्मेदारियों से कराएं रूबरू - बच्चों को समाज और परिवार के प्रति जिम्मेदारियों का अहसास कराएं। उन्हें छोटे-छोटे सामाजिक कार्यों में शामिल कर सकते हैं, जैसे- लोगों की मदद करना और पर्यावरण के प्रति सजग रहना।

दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव कर समय के साथ चल सकेंगी

वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

अक्सर से ऑफिस और ऑफिस से घर तक ही सीमित रह गई हैं? अगर जवाब हां में है तो कुछ बातों को जीवन में अपनाकर अपनी खुशी-सी और एक ही ढर्रे पर चलने वाली जिंदगी को बाय-बाय करना होगा। वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

कुछ जरूरी टिप्स

कामकाजी रहने के लिए शारीरिक तौर पर सक्षम और फिट रहना जरूरी है। अपने आप को फिट रखने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। दिनभर में कम से कम 30-35 मिनट अपने लिए जरूर निकालें। सुबह की सैर करने से मन में ताजगी आती है और दिनभर काम करने की ऊर्जा मिलती है। यदि मॉर्निंग वॉक पर न जा सकें तो योग और व्यायाम से भी सेहत की चमक और ताजगी हासिल की जा सकती है।

[illegible]

घर हो या ऑफिस, दोनों जगह जो बात जीवन और व्यक्तित्व को बेहतर बना सकती है, वह है- पढ़ना या नॉलेज। खुद को समय के साथ चलने लायक बनाना है तो रोज कम से कम एक समाचार पत्र पढ़ें, पत्रिकाएं लें, साथ ही सोशल मीडिया का हिस्सा बनें। नौकरी करती हों या होम मैनेजर हों, खुद को हमेशा दिखने के लिए तैयार रखें। चेहरे की चमक बनाए रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें। भोजन पौष्टिक हो। इसके अलावा 6 से 8 घंटे की नींद लें, ताकि चेहरा थका-थका सा न लगे।

अगर मानसिक आराम हो तो खुशी के साथ रहेंगी। अपनी बात कहें, संगीत सुनें या फिर बागवानी जैसे काम करें। इन कामों से आराम महसूस होती है और कुछ क्रिएटिव करने का सुकून भी मिलता है। घर या ऑफिस में कई उलझनें अक्सर परेशान करती हैं। कई बार खुद तक सीमित रखने से मन की उलझनें बढ़ती जाती हैं। ऐसे में किसी दोस्त या भरोसेमंद व्यक्ति से अपनी बात शेयर करें। हो सकता है कि जिस समस्या का हल आपको न मिल पा रहा हो, उसका कोई हल उसके पास हो।

वीकेंड पर घर में आराम से रहने के बजाय बच्चों के साथ घूमने जाएं, पिकनिक करें, दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने जाएं या घर पर ही किसी को आमंत्रित करें। इससे जिंदगी की एकरसता टूटेगी और नई ऊर्जा भी मिलेगी।

सादगी में एक खूबसूरती छिपी है लेकिन कभी-कभी हल्का मेकअप लगाना, खुद को अच्छी तरह संवारना भी जरूरी है। अच्छा फेशियल स्पेस निकालें और महीने-दो महीने में एक बार फेशियल कराएं या स्पा लें। इससे त्वचा ग्लो होगा और चेहरे की मसाज होने से थकान भी कम होगी।

अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। पड़ोस में रहने वाले लोगों से संपर्क बनाए रखें और अपनी सोसाइटी की आउटडोर के कार्यक्रमों में भागीदारी करें। इससे सामाजिक व्यवहार बना रहेगा और किसी मुश्किल वक्त में पड़ोस के लोग काम भी आएंगे।

अगर घर में रहते हुए कुछ करना चाहती हैं तो अपने समय से एक-दो घंटे निकालें और बच्चों को पढ़ाएं। हो सकता है, आसपास कुछ बच्चों को आपकी जरूरत हो। अपनी शिक्षा का इस्तेमाल उन्हें पढ़ाने में करें। आपका समय भी अच्छा बीतेगा, नया ज्ञान भी मिलेगा और बच्चों का भविष्य भी संवरेगा। जीवन में कभी आराम का समय न छोड़ें। हर हाल में खुश रहें, सकारात्मक मानसिकता बनाए रखें। आगे बढ़ने की यह जरूरी शर्त है।

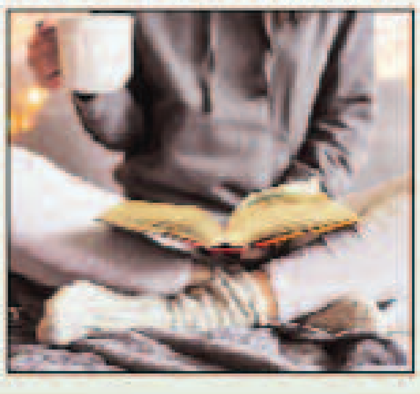

बच्चों के लंचबॉक्स से लेकर रात की पार्टी के खाने तक पैक्ड फूड का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस पैक्ड फूड ने जहां हमारी जिंदगी को थोड़ा-सा आसान बनाया है, वहीं हमारे खाने की आदतों को काफी हद तक बिगाड़ भी दिया है।

पैक्ड फूड खरीदते समय कुछ जरूरी बातों का हमेशा ध्यान रखें

खानपान के तौर-तरीकों में आते बदलाव हमारे जीवन और शरीर को किस तरह प्रभावित कर रहे हैं यह हम जान ही नहीं पाते। व्यस्तता की वजह से रोजमर्रा की चीजों के अलावा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं हमारे खानपान की आदतें। काम की थकान ज्यादा हो गई तो चलो बाहर से कुछ खा लें। जल्दबाजी में नाश्ता नहीं किया तो कुछ पैक्ड फूड ले लेते हैं। ऐसा माहौल और चलन अब आम हो चुका है।

बच्चों के लंचबॉक्स से लेकर रात की पार्टी के खाने तक पैक्ड फूड का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस पैक्ड फूड ने जहां हमारी जिंदगी को थोड़ा-सा आसान बनाया है, वहीं हमारे खाने की आदतों को काफी हद तक बिगाड़ भी दिया है। कभी-कभी हम इस ऑप्शनल फूड पर कुछ ज्यादा ही निर्भर हो जाते हैं। ऐसा करना सेहत के लिए कितना नुकसानदेह है, इस बात का हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। क्या हैं इसके फायदे और नुकसान।

अच्छा भी है पैक्ड फूड

पैक्ड फूड सरल और जल्दी इस्तेमाल में लाया जाने वाला खाना है। कई बार इस तरह के खाद्य पदार्थों को बहुत अच्छे तरह से पकाया जाता है, जिससे खाने की गुणवत्ता बनी रहती है। फ्रोजन फूड जैसे कि फल और सब्जियां ताजे फल और सब्जी जितना ही पोषण लिए होती हैं। पहले से तैयार और रेडी टु ईट फूड को तैयार करने में समय कम लगता है। पैक्ड फूड में कई बार विटामिन और फाइबर की अतिरिक्त मात्रा होती है।

सेहत के लिए अच्छे पैक्ड फूड

- ऐसे फ्रोजन फल और सब्जियां जिनमें शुगर, सोडियम और सॉस न हों।
- नॉन फैट मिल्क
- ड्राई फ्रूट, ओटमील और आटा ब्रेड
- भुने हुए मेवा और बीज
- अनाज से तैयार नाश्ते के पदार्थ जैसे सीरियल्स और म्यूजली
- फ्रोजन सी फूड

पैक्ड फूड की खामियां

बहुत ज्यादा केमिकल इस्तेमाल होने की वजह से ऐसे खाद्य पदार्थ सेहत के लिए नुकसानदेह होते हैं। कई तरह के पैक्ड फूड जैसे सब्जियां और सूप में सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है। बहुत सारी मिलावटी सामग्री का उपयोग होता है। फ्रेश न होने के कारण ऐसे खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैक्ड फूड में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।

- इन पैक्ड फूड को कहें ना
- ज्यादा नमक वाले
- डिब्बाबंद फूड, रेडी टु ईट
- पैक्ड केक और कुकीज
- हाई कैलोरी फूड जैसे- चिप्स और फैट्स
- [illegible]

पैक्ड फूड खरीदते समय कुछ जरूरी बातों का हमेशा ध्यान रखें। जिन खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट मौजूद हो उन्हें लेने से बचें। ऐसे पैक्ड फूड पर जरूर ध्यान दें जिनमें नमक बिल्कुल न हो। ऐसे डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाते। अगर किसी भी सामग्री में शुगर, हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप और नमक मौजूद हो तो इनका इस्तेमाल कम करें। पैक्ड फूड खाने में कोई बुराई नहीं है लेकिन इस्तेमाल करने से पहले न्यूट्रीशन लेबल जरूर चेक करें। इससे आपको उसकी गुणवत्ता का पता चल जाएगा।

भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट बनाएगी अनिल की रिलायंस पावर

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को करीब 4 परसेंट उछलकर 46.72 रुपये पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर ने भूटान की ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड के साथ लॉन्ग टर्म पावर परचेज एग्रीमेंट के लिए

कमर्शियल टर्म शीट पर दस्तखत किए हैं। ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड पर भूटान सरकार की इन्वेस्टमेंट इकाई ड्रुक होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड का मालिकाना हक है। रिलायंस पावर, भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट बनाएगी। रिलायंस पावर के शेयर पिछले पांच साल में 2400 परसेंट से अधिक उछल गए हैं।

500 मेगावॉट क्षमता का होगा भूटान में लगने वाला सोलर प्रोजेक्ट- अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर और भूटान सरकार की इन्वेस्टमेंट इकाई ड्रुक होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड मिलकर 50:50 परसेंट हिस्सेदारी वाले वेंचर के जरिए भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट डिवेलप करेंगी। इस सोलर पावर प्रोजेक्ट की इंस्टॉल्ड कैपेसिटी 500 मेगावॉट होगी। इस प्रोजेक्ट में बिल्ड-ओन-ऑपरेट मॉडल के तहत 2000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। यह भूटान के सोलर एनर्जी सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट होगा।

2400 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं रिलायंस पावर के शेयर- रिलायंस पावर के शेयर पिछले पांच साल में 2400 परसेंट से अधिक चढ़ गए हैं। पावर कंपनी के शेयर 22 मई 2020 को 1.80 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 मई 2025 को 46.72 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले चार साल में कंपनी के शेयरों में 550 परसेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। पिछले दो साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 310 परसेंट से अधिक की तेजी आई है। अगर पिछले एक साल की बात करें तो रिलायंस पावर के शेयरों में 78 परसेंट से अधिक का उछाल आया है। पिछले छह महीने में कंपनी के शेयर 30 परसेंट चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 54.25 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 23.26 रुपये है।

क्यू4 रिजल्ट देखकर गदगद हुए निवेशक

14 प्रतिशत तक उछले कंपनी के शेयर, सभी हैरान

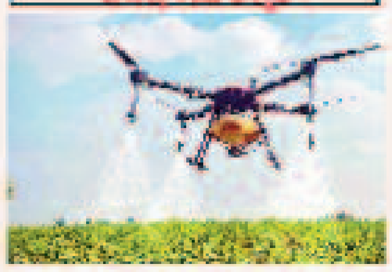

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनियों के तिमाही नतीजों का असर उनके शेयर पर भी साफ दिख रहा है। ड्रोन लिमिटेड ने तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। ड्रोन से जुड़ी लॉजिस्टिक कंपनी को मार्च क्वार्टर में 72.56 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। इससे पहले के वित्त वर्ष में कंपनी को इसी पीरियड में 68.47 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। बता दें, डेल्हीवरी लिमिटेड के शेयरों में 14 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। बीएसई में आज डेल्हीवरी लिमिटेड के शेयर 336.95 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर का भाव बीएसई में दिन में 14 प्रतिशत से अधिक की उछाल के बाद 367.90 रुपये के इंट्रा-डे हाई (10.48 बजे सुबह के आंकड़े) पर पहुंच गया। पिछले तिमाही की तुलना में 3 गुना बढ़ा नेट प्रॉफिट- पिछले वित्त वर्ष के दिसंबर क्वार्टर में डेल्हीवरी का नेट प्रॉफिट 24.99 करोड़ रुपये रहा था। यानी पिछले दिसंबर तिमाही की तुलना में देखें तो नेट प्रॉफिट 3 गुना बढ़ा है। बता दें, मार्च क्वार्टर में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 2191.57 करोड़ रुपये रहा था। वार्षिक आधार पर 5.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

बाजार ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस क्षेत्र निवेश का बना केंद्र

शेयरों में 17 प्रतिशत की छलांग; निवेशकों की बंपर कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय शेयर बाजार में डिफेंस सेक्टर से जुड़े शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली है। भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए जो सैन्य कार्रवाई की, उसमें स्वदेशी हथियार और तकनीक सफल साबित हुए हैं। पिछले एक सप्ताह यानी 12-16 मई के बीच डिफेंस इंडेक्स 17.21 फीसदी उछल गया। इस दौरान सेंसेक्स में सिर्फ 0.64 फीसदी और निफ्टी में 1.73 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई। फिलहाल निवेशक डिफेंस स्टॉक्स में ज्यादा पैसा लगा रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि भारत की डिफेंस इंडस्ट्री में विकास की काफी संभावनाएं हैं। रक्षा क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (एचएएल) का बाजार पूंजी हाल ही में तीन लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है, जिससे यह कंपनी अब लार्जकैप स्टॉक्स की कतार में खड़ी हो गई है।

डिफेंस ईटीएफ भी एक अहम विकल्प

अगर कोई निवेशक रक्षा क्षेत्र में हिस्सा लेना चाहता है लेकिन सीधे किसी कंपनी में निवेश करना नहीं चाहता, तो वह डिफेंस ईटीएफ के जरिये भी निवेश कर सकता है। इन ईटीएफ में कई प्रमुख डिफेंस कंपनियों के शेयर शामिल होते हैं और ये जोखिम को थोड़ा कम करने में सहायक हैं, सेक्टर की ग्रोथ का फायदा भी देते हैं।

चुनौतियां भी: केवल सरकारी ऑर्डर पर ही निर्भरता- डिफेंस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। अब भी कई कंपनियां केवल सरकारी ऑर्डरों पर निर्भर हैं। अगर सरकार की तरफ से ऑर्डर में देरी होती है या बजट में कटौती होती है, तो इससे इन कंपनियों की कमाई पर असर पड़ सकता है। रक्षा उत्पादों का निर्यात करना आसान नहीं है, क्योंकि इसमें कई प्रक्रियाएं और अनुमति की जरूरत होती है। इसलिए डिफेंस स्टॉक्स में निवेश सोच-समझकर करें।

सही लक्ष्य पर कंपनियों के तिमाही नतीजे

ऑपरेशन के बाद, रक्षा क्षेत्र की कंपनी भारत डायनामिक्स लि., हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., पारस डिफेंस और जेन टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियों के शेयरों में उल्लेखनीय तेजी आई। खासतौर पर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स और भारत डायनामिक्स ने निवेशकों का जबरदस्त ध्यान आकर्षित किया। हाल में घोषित वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के नतीजों ने भी डिफेंस सेक्टर को मजबूती दी है। कोचीन शिपयार्ड ने 287 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की तुलना में 27 फीसदी अधिक है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स का मुनाफा दोगुना होकर 224 करोड़ पहुंच गया। एचएएल का मुनाफा थोड़ा कम हुआ, लेकिन पूरे वर्ष के लिए, उसने 10 फीसदी की वृद्धि दर्ज की और 2.5 लाख करोड़ से अधिक का ऑर्डर बुक बनाए रखा है।

सरकारी के साथ निजी कंपनियों में मौके

सरकार की नीति भी अब इस दिशा में बढ़ चुकी है कि भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने 400 से ज्यादा रक्षा उपकरणों को ऐसी लिस्ट में डाला है, जिन्हें अब विदेश से आयात नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने आईडीईएक्स जैसे प्लेटफॉर्म शुरू किए हैं, जिससे स्टार्टअप्स को नए-नए रक्षा उपकरण बनाने का मौका मिल रहा है। इससे निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में रक्षा तकनीक पर काम हो रहा है। ये सभी पहल भारत को रक्षा उत्पादन और निर्यात में अगली पंक्ति में लाकर खड़ा कर सकती हैं।

विदेश में भारतीय रक्षा उत्पादों की मांग

हाल के वर्षों में मिस्र, आर्मेनिया, ब्राजील और ओमान जैसे देशों ने रक्षा उत्पाद खरीदने में रुचि दिखाई है। फिलिपीन ने तो पहले ही भारत से ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद का करार कर लिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि रक्षा उपकरणों का बड़ा निर्यातक भी बन सकता है।

बाजार मूल्य 1.5 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दो ही दिनों में भारतीय रक्षा कंपनियों के बाजार मूल्य में 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा बढ़ गया। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल हथियारों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक बड़ा निर्माता और निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह ऑपरेशन भारत के आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र की सच्ची तस्वीर पेश करता है। ऐसे में डिफेंस सेक्टर के उपविभागों में निवेश का रास्ता खुला है। वाणिज्यिक एनालिस्ट टीम ने लंबी अवधि के लिए भारत डायनामिक्स लि., हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, बीईएल, गार्डन रीच शिप, और मझगांव डॉक जैसे डिफेंस स्टॉक्स को खरीदने की सलाह दी है।

यूपीआई से खरीदारी अब सस्ती होने वाली है, क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर सरकार की नई योजना लागू होती है, तो यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस से खरीदारी करने पर आपको छूट मिलेगी, जबकि क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों को ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। चर्चाओं से परिचित तीन लोगों ने बताया कि सरकार एक ऐसी योजना पर काम कर रही है, जो अपने लोकप्रिय यूपीआई के लागत लाभों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधिकारी जल्द ही योजना को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग के हितधारकों से मिलेंगे, तीन लोगों में से एक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया।

किसे कितना होता है नुकसान- क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने पर दुकानदार को 2-3 प्रतिशत का फीस देना पड़ता है, जो बैंक या पेमेंट कंपनियों को जाता है। ज्यादातर दुकानदार यह फीस ग्राहक से नहीं लेते, बल्कि खुद ही जेब से भरते हैं। मतलब, अगर आप 100 का सामान क्रेडिट कार्ड से खरीदते हैं, तो दुकानदार को सिर्फ 98 मिलते हैं (2 फीस में कट जाते हैं)। यूपीआई में यह फीस बिल्कुल नहीं लगती। यानी दुकानदार को पूरे 100 मिल जाते हैं।

सरकार की योजना क्या है- सरकार चाहती है कि यूपीआई के फायदे (बिना फीस वाला पेमेंट) सीधे ग्राहकों को मिलें। इसके तहत यूपीआई यूजर को 100 की जगह 98 चुकाने होंगे (2 की छूट), जबकि क्रेडिट कार्ड यूजर को पूरे 100 देने होंगे।

अब क्या होगा- तीसरे अधिकारी ने बताया उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने जल्द ही ई-कॉमर्स कंपनियों, बैंकों, एनपीसीआई (यूपीआई चलाने वाली संस्था), और अन्य संगठनों के साथ बैठक कर इस योजना पर चर्चा करेगी। हो सकता है, जून में यह बैठक हो। फिलहाल यह योजना शुरुआती दौर में है।

उम्र के हिसाब से करना म्यूचुअल फंड में निवेश की सही रणनीति

आसान; स्मार्ट और लाभकारी विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न पाने के लिए जरूरी है कि उम्र के हिसाब से सही निवेश रणनीति बनाई जाए। उम्र बढ़ने के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश के तरीके आपके बदलते जीवन चरणों और लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने के लिए अनुकूल होने चाहिए।

उम्र 30 साल के आसपास हो तो

आपकी उम्र 30 साल के आसपास है, तो यह बड़े लक्ष्यों के साथ निवेश शुरू करने का समय है। समय के साथ जल्द निवेश शुरू करने से आपको अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए चक्रवृद्धि का लाभ मिलता है। दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए इक्विटी फंड पर ध्यान दें। जोखिम क्षमता के आधार पर एसआईपी के जरिये करीब 70 फीसदी राशि लार्जकैप, फ्लेक्सी कैप या मिडकैप फंड में निवेश कर सकते हैं। अल्पकालिक लक्ष्यों के हिसाब से संतुलित पोर्टफोलियो के लिए डेट फंड में 20-30 फीसदी तक निवेश करें। एक से तीन साल के भीतर के लक्ष्यों के लिए शॉर्ट-ड्यूरेशन डेट फंड का इस्तेमाल करें। 3-5 साल के लक्ष्यों के लिए, हाइब्रिड फंड का उपयोग करें।

40 के दशक में हैं तो- 40 साल की उम्र के करीब वित्तीय प्राथमिकताएं बदलने लगती हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। जोखिम लेने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में अपने जोखिम को कम करते हुए इक्विटी निवेश को 60 फीसदी तक सीमित करें। शेष राशि को हाइब्रिड फंड में लगाएं, जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करता है। सेक्टोरल या स्मॉल कैप फंड जैसे उच्च जोखिम वाले निवेश विकल्पों से बाहर निकलने पर विचार करें। अधिक डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड जोड़ें, जिनमें ईएलएसएस जैसे विकल्प शामिल हैं, जिनसे रिटर्न पाने के साथ टैक्स बचत का भी लाभ मिलता है।

50 के करीब होने पर

50 के दशक में लोग सेवानिवृत्ति के बारे में विचार करने लगते हैं। ऐसे में म्यूचुअल फंड में निवेश की रणनीति फंड की सुरक्षा और कम जोखिम वाली वृद्धि सुनिश्चित करने वाली होनी चाहिए।

अपने फंड का 40-50 फीसदी हिस्सा ही इक्विटी में लगाएं। जब तक बाजार के उतार-चढ़ाव से सहज न हों, तब तक सेक्टोरल, मिडकैप या स्मॉलकैप फंड में निवेश से बचें। सरकारी प्रतिभूतियों में भी निवेश कर सकते हैं।

आप जब 60 के करीब हों

अगर आपकी उम्र 60 साल के करीब है, तो पूंजी बढ़ाने की जगह उसकी सुरक्षा और नियमित आय कमाने पर होना चाहिए। लार्जकैप या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के जरिये इक्विटी में निवेश को 10-20 फीसदी तक सीमित रखें। महंगाई का भी ध्यान रखें। अपने फंड का 70-80 फीसदी हिस्सा डेट फंड में लगाएं। लिक्विड, शॉर्ट-ड्यूरेशन या गिल्ट फंड जैसे कम जोखिम वाले विकल्प चुनें, जो एफडी से बेहतर रिटर्न देते हैं। डेट या हाइब्रिड फंड से सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) पर विचार करें।

अडानी ने की डिफेंस की बड़ी डील, नौसेना के लिए होगा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच गौतम अडानी समूह ने बड़ी डील की है। समूह की लीडिंग कंपनी-अडानी एंटरप्राइजेज ने अमेरिका की समुद्र के अंदर के युद्ध उपकरण बनाने वाली स्पार्टन के साथ समझौता किया है। यह समझौता इलेक्ट्रॉनिक सेंसर और नेविगेशन सिस्टम विकसित करने के लिए हुआ है। इनका इस्तेमाल पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए किया जा सकता है।

क्या कहा कंपनी ने- अडानी एंटरप्राइजेज की कंपनी- अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने एक बयान में कहा कि उसने भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) समाधान जुटाने के लिए स्पार्टन (डेलियोन स्प्रिंग एलएलसी) के साथ एक साझेदारी सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत में सोनोबॉय और अन्य एएसडब्ल्यू प्रणालियों के संयोजन को आसान बनाना है। यह भारतीय नौसेना को स्वदेशी सोनोबॉय सॉल्यूशन प्रोवाइड करने वाली भारत की पहली निजी कंपनी होगी।

स्पार्टन के बारे में- फ्लोरिडा के डे लियोन स्प्रिंग में मुख्यालय वाली स्पार्टन अमेरिकी नौसेना और संबद्ध सैन्य बलों के लिए समुद्री युद्ध का समर्थन करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम विकसित, उत्पादन और आपूर्ति करती है। दिसंबर, 2020 में इस कंपनी को इजरायली रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी एल्बिट सिस्टम्स लिमिटेड ने अधिग्रहित कर लिया था।

इजरायल की कंपनी के साथ समझौता

मौजूदा समझौते से पहले, अडानी समूह ने 2018 में इजरायली हथियार कंपनी एल्बिट सिस्टम्स के साथ घातक हर्मीस 900 ड्रोन बनाने के लिए एक ज्वाइंट वेंचर की स्थापना की थी। साल 2020 में अडानी-एल्बिट ने मिनी ड्रोन मिसाइल हथियार उत्पादन की घोषणा की। समूह ने हल्के हथियार, छोटे हथियार, राइफल और मशीन गन बनाने के लिए इजरायल वेपन इंडस्ट्रीज के साथ भी साझेदारी की है।

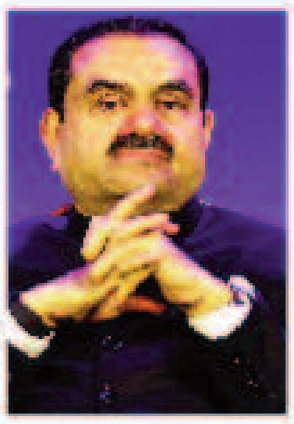

8वें वेतन आयोग से कर्मचारियों की सैलरी कितनी बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर सरकार जल्द ऐलान कर सकती है। इसको लेकर प्रक्रिया चल रही है। बताया जा रहा है कि आयोग के गठन के लिए संदर्भ शर्तें और कार्यविधि (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। बताया जा रहा है कि इस बार वेतनमान में बढ़ोतरी काफी हद तक फिटमेंट फैक्टर पर निर्भर करेगी, जो 1.90 से 1.95 के बीच रह सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि कर्मियों के वेतन में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। गौरतलब है कि इस साल जनवरी में सरकार ने आयोग के गठन का ऐलान किया था। इसके अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद से फिटमेंट फैक्टर (वेतनमान निर्धारण का आधार) को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कर्मचारी संगठन और अधिकारी मान कर चल रहे हैं कि इस बार यह 2.86 का होगा। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि सरकार बढ़ती हुई महंगाई को ध्यान में रखकर फिटमेंट फैक्टर में भी संशोधन करेगी।

कैसे काम करता है फिटमेंट फैक्टर- दरअसल, फिटमेंट फैक्टर के आधार पर ही मूल वेतन में बढ़ोतरी होती है। उदाहरण के लिए, अगर किसी कर्मचारी का मूल वेतन (बेसिक सैलरी) 20 हजार रुपये है तो उसे फिटमेंट फैक्टर 2.86 से गुणा किया जाएगा। इसके आधार पर मूल वेतन बढ़कर 57,200 रुपये हो सकता है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि फिटमेंट फैक्टर 2.0 से नीचे ही रहेगा। सरकार 1.90 से लेकर 1.95 का फिटमेंट फैक्टर तय कर सकती है। सूत्र यह भी बताते हैं कि सरकार इस बार फिटमेंट को कम रखकर महंगाई भत्ते को समायोजित करने के लिए अलग से कोई फॉर्मूला ला सकती है।

पिछले वेतन आयोग में कितनी बढ़ोतरी- वर्ष 2006 में आए छठे वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 1.86 रखा गया था। वर्ष 2016 में आए सातवें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 प्रतिशत रहा था, लेकिन वेतनमान में वास्तविक बढ़ोतरी केवल 14.2 फीसदी हुई थी। क्योंकि, 7वें वेतन आयोग के फिटमेंट का अधिकांश हिस्सा केवल महंगाई भत्ते को समायोजित करने में चला गया था।

लागू होने में लग सकता है समय

केंद्र सरकार ने जनवरी में आठवें वेतन आयोग के गठन का ऐलान किया है, लेकिन अभी तक गठन नहीं हो पाया है। ऐसे में संभावना है कि वर्ष 2027 तक जाकर आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होंगी। क्योंकि पुराना रिकॉर्ड बताता है कि आयोग का गठन होने के बाद अंतिम रिपोर्ट आने में 18 से 26 महीने तक का समय लग जाता है। छठे वेतन आयोग की रिपोर्ट करीब 18 महीने में आई थी। वहीं, सातवें वेतन आयोग के गठन को 24 सितंबर 2013 को मंजूरी दी गई, जबकि रिपोर्ट 19 नवंबर 2015 को आई थी। ऐसे में आठवें वेतन आयोग के गठन में देरी से तय है कि रिपोर्ट आने में समय लग सकता है।

टर्म्स ऑफ रेफरेंस क्या है- यह एक तरह का अनुसंधान पत्र है, जिसके जरिए किसी भी विषय से जुड़े दायरे और उद्देश्य तय किए जाते हैं। वेतन आयोग के गठन को लेकर भी अनुसंधान जरूरी होगा।

श्रेयस अय्यर ने रचा इतिहास, आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले कप्तान बने

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स टीम आईपीएल 2025 प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है, अय्यर ने पिछले साल अपनी कप्तानी में केकेआर को चैंपियन बनाया था, इस बार वह पंजाब किंग्स की कमान संभाले हुए हैं, इस बार टीम को उम्मीद है कि वे अपना पहला खिताब जीत सकते हैं।

श्रेयस अय्यर ऐसा करने वाले पहले कप्तान बने - पंजाब किंग्स ने रविवार को अपने लीग स्टेज का 12वां मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला, पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 219 रन बनाए, जवाब में राजस्थान 209 रन ही बना पाई, पंजाब ने 10 रनों से मुकाबले को जीत लिया, रविवार को ही हुए दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया, इसके बाद गुजरात के साथ पंजाब और बेंगलुरु का प्लेऑफ टिकट भी कंफर्म हो गया, श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के पहले कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने अपनी कप्तानी में 3 अलग-अलग टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है, पिछले साल उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया, इससे पहले अय्यर ने दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया था, रविवार को हुए मैच से पहले श्रेयस अय्यर की उंगली में चोट लग गई थी, इस कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाए थे, हालांकि उन्होंने बल्लेबाजी करते हुए 30 रन बनाए थे, उम्मीद है कि वह प्लेऑफ के मैचों तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे, वैसे अभी टीम को लीग स्टेज के 2 मैच और खेलने हैं, पंजाब किंग्स इस बार शानदार नजर आ रही है, उसने कई करीबी मैच जीते हैं, इसको लेकर पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा भी काफी खुश हैं, वह बोल चुकी हैं कि पहले हम जीते हुए मैच हार जाया करते थे लेकिन इस बार हम हारे हुए मैच जीत रहे हैं।

पंजाब किंग्स की निगाहें अब टॉप 2 पर - अब श्रेयस अय्यर एंड टीम की नजर टॉप 2 पर आने की होगी, क्योंकि उन 2 टीमों को फाइनल खेलने के 2 मौके मिलते हैं जबकि इसके उलट अन्य 2 टीमों को फाइनल में जाने के लिए 2 लगातार मैच जीतने होते हैं, पंजाब के अभी 12 मैचों के बाद 17 अंक हैं, उसका नेट रन रेट 0.389 का है, अगले 2 मैच उसके दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के विरुद्ध हैं।

आईपीएल में सबसे लंबे खिलाड़ी की एंट्री

- प्लेऑफ में पहुंचते ही आरसीबी ने चला मास्टरस्ट्रोक, बाबर आजम को 5 बार किया है आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। जो भला आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचे नहीं कि आरसीबी ने चल दिया मास्टर स्ट्रोक, टीम में ले आया उस खिलाड़ी को, जिसकी गिनती दुनिया के सबसे लंबे खिलाड़ियों में होती है, और, जिसका नाम है ब्लेसिंग मुजरबानी। 28 साल के मुजरबानी, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज हैं और आरसीबी की ओर से आईपीएल 2025 का प्लेऑफ खेलने आए हैं। आरसीबी ने उन्हें लुंगी एनगिडी के रिप्लेसमेंट के तौर पर लिया है। ब्लेसिंग मुजरबानी की हाइट 6 फीट 8 इंच बताई जाती है। अब इस हिसाब से ये भी उतने ही लंबे हुए, जितने कि मार्को जानसन, उनकी भी लंबाई 6 फीट 8 इंच है, इस तरह से ये दोनों मौजूदा क्रिकेट के दो सबसे लंबे खिलाड़ी हैं। आरसीबी में जिनकी एंट्री हुई है वो ब्लेसिंग मुजरबानी हैं। पाकी यो तेज गेंदबाज जिनके आगे क्रिकेट की पिच पर पाकिस्तान के कप्तान रहे बल्लेबाज बाबर आजम के भी पांव कांपते हैं।

लुंगी एनगिडी को रिप्लेस करेंगे मुजरबानी - दौर, मुजरबानी और बाबर आजम का किस्सा हम बताएंगे, पहले जरा ये जान लीजिए कि उन्हें लुंगी एनगिडी की रिप्लेसमेंट के तौर पर क्यों लिया गया है। [illegible] 26 मई तक आरसीबी के लिए खेलने वाले लुंगी एनगिडी को साउथ अफ्रीका के नेशनल टीम के साथ जुड़ना है। [illegible] हालांकि लुंगी एनगिडी आरसीबी के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, [illegible] 23 मैच को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ [illegible] मुजरबानी अपने मैच में आरसीबी के लिए खेलेंगे।

केएल राहुल लोगों की अपेक्षा कहीं बेहतर खिलाड़ी हैं: मूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज टॉम मूडी ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को उनकी वास्तविक क्षमता का पूरा श्रेय नहीं दिया गया है। उन्होंने रविवार को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 112 रनों की पारी खेलकर दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी क्रम के पतन से बचाया था। दिल्ली की शुरुआत खराब रही और पहले पांच ओवरों में 1 विकेट पर 28 रन ही बना सकी। लेकिन राहुल की शानदार बल्लेबाजी ने उन्हें लगभग 200 रन के आंकड़े तक पहुंचा दिया। हालांकि साई सुदर्शन (नाबाद 108) और शुभमन गिल (नाबाद 93) ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर गुजरात टाइटन्स के लिए प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। राहुल ने 60 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 172.30 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाकर नाबाद रहे। आईपीएल 2025 में वह 148.04 की स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 493 रन बना चुके हैं। आईपीएल 2018 के बाद से यह उनका सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है, जब उन्होंने 14 मैचों में 158.41 की दर से 659 रन बनाए थे। मूडी ने पर कहा, मुझे हमेशा केएल राहुल के बारे में आलोचना काफी असाधारण लगती है। मुझे लगता है कि वह बहुत से लोगों की तुलना में बहुत बेहतर खिलाड़ी हैं। और जिस तरह से मैं इस पारी को देखता हूं, मुझे लगता है कि यह एक शानदार पारी है। उन्होंने कहा, और हां, देखिए, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन मैच जीतता है, आप जानते हैं, यह प्लेयर ऑफ द मैच है या नहीं। लेकिन जिस तरह से मैं इसे और बैटिंग कार्ड को देखता हूं, जो उन्हें निराश करता है और 220 तक नहीं पहुंच पाते हैं, वह है अन्य बल्लेबाज जो केवल 150 पर ही आउट हो गए (बल्लेबाजी के अनुकूल) सतह पर, आप प्रभाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, जब आपके पास कोई ऐसा खिलाड़ी होता है जो एंकरिंग करता है, जो कुल स्कोर बनाता है, तो जब आप आते हैं तो आपकी भूमिका खेल को प्रभावित करना होती है, दस गेंदों पर 30 रन, उस तरह की पारी, जो आपको आसानी से 220 तक ले जाती है। एक ही व्यक्ति पर अंगुली उठाने के बजाय, मुझे लगता है कि यह इसके विपरीत है। दस ओवर के निशान तक दिल्ली कैपिटल्स 1 विकेट पर 81 रन बना चुकी थी, जिसमें राहुल ने 38 गेंदों पर 56 रन बनाए। हालांकि 15वें और 18वें ओवर के बीच राहुल ने केवल छह गेंदों का सामना किया, जबकि अक्षर पटेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने अधिकांश गेंदें खेलीं।

भारत को हराने के लिए इस

अंग्रेज ने दारू से कर ली तौबा, कहा- जब तक मैं अपनी...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ सीरीज जीतने के लिए इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कड़ी मशक्कत शुरू कर दी है। इसके लिए वह [illegible] पर भी काम कर रहे हैं। इस

क्रम में उन्होंने दारू से तौबा कर लिया है। दरअसल, बेन स्टोक्स ने भारत के खिलाफ सीरीज से पहले खुद को फिट रखने के लिए फिटनेस के रास्ते पर चलना शुरू किया है। [illegible] इस कारण बेन स्टोक्स को छोड़नी पड़े हैं कई मुकाबले [illegible] वह पूरी तरह से फिट नहीं थे। [illegible] जिस कारण उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट से बाहर होना पड़ा। बाद में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए भी वह पूरी तरह से फिट नहीं थे। हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट के दौरान उनकी चोट फिर से उभर आई।

बेन स्टोक्स ने 2 जनवरी से नहीं पी शराब

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स [illegible] 'इसके बाद भारत के खिलाफ [illegible]' बेन स्टोक्स ने बताया, [illegible]

कभी पूरी तरह से नशे से दूर नहीं हो पाऊंगा: बेन स्टोक्स

बेन स्टोक्स ने बताया, 'फिर मैं सोचा- ठीक है, मुझे ये करना है, उसे बदलना होगा। [illegible] मुझे लगता है कि मैदान से दूर, जिम में और बाकी जगह पर मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी, ताकि मैं यह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाऊं।'

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच

BCCI ने PCB को दिया बड़ा झटका, एशिया कप खेलने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशियाई क्रिकेट परिषद के सभी आयोजनों से फिलहाल दूरी बनाने का फैसला किया है। सूचित किया है कि वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाले वुमेंस इमर्जिंग टीमें एशिया कप और सितंबर में होने वाले पुरुष एशिया कप से हट रहा है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को आर्थिक नुकसान हो सकता है। वर्तमान में एसीसी का नेतृत्व पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी कर रहे हैं, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट को अलग-थलग करने की रणनीति का हिस्सा है। भारतीय टीम उस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती, जिसका आयोजन एसीसी कर रही हो और जिसका प्रमुख एक पाकिस्तानी मंत्री हो। यह देश की भावना है। हमने एसीसी को मौखिक रूप से वुमेंस इमर्जिंग टीमें एशिया कप से हटने की जानकारी दे दी है, और भविष्य में उसके आयोजनों में हमारी भागीदारी भी फिलहाल रोकी हुई है। हम भारतीय सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं।

ऐसा नहीं होगा एशिया कप का आयोजन - इस साल के सितंबर में भारत में होने वाले पुरुष एशिया कप पर प्रश्नचिह्न लग गया है। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश,

अफगानिस्तान और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेने वाली थीं, लेकिन अब इसे स्थगित किए जाने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि बीसीसीआई को पता है कि भारत के बिना एशिया कप का आयोजन व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजनों के अधिकांश प्रायोजक भारत से हैं। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बिना एशिया कप प्रसारकों के लिए आकर्षक नहीं होगा, जो इस टूर्नामेंट की वित्तीय सफलता का प्रमुख हिस्सा है।

2024 में एशिया कप के प्रसारण अधिकार सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने अगले आठ वर्षों के लिए 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर में हासिल किए थे। यदि इस बार टूर्नामेंट नहीं होता, तो इस सौदे पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। एसीसी के पांच पूर्ण सदस्य- भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान को प्रसारण राजस्व का 15 प्रतिशत हिस्सा मिलता है, जबकि बाकी राशि सहयोगी और संबद्ध सदस्यों में वितरित की जाती है।

हर मोर्चे पर फिसड्डी साबित हुआ है पाकिस्तान - पिछले साल 2023 में भी एशिया कप भारत-पाकिस्तान स्थिति से प्रभावित हुआ था। पाकिस्तान द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने सीमा पार करने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने सुनिश्चित किया कि भारत अपने मैच श्रीलंका में खेले। पीसीबी के लिए, यह आयोजन निराशाजनक रहा, क्योंकि पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंच सका और भारत ने कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खिताबी मुकाबला जीता।

इंग्लैंड दौरे से पहले सख्त डाइट और ट्रेनिंग पर सरफराज खान, वजन में की भारी कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए, भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने खूब पसीना बहा रहे हैं और जमकर मेहनत कर रहे हैं। सरफराज फिट होने की राह पर हैं और उन्होंने वजन घटाने के जरिए करीब 10 किलो वजन भी घटाया है। एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी साझा की गई है। पिछले साल 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले सरफराज ने एक भी विदेशी टेस्ट मैच नहीं खेला है। बल्लेबाज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया है। इस बार उन्हें भी टीम में मौका मिले इसके लिए वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं क्योंकि उन्हें

एक चीज में पिछड़े लेकर उन्हें अक्सर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। भारत ए को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच (30 मई-2 जून को कैंटरबरी में और 6-9 जून को नॉर्थम्प्टन में) और सीनियर इंडिया टेस्ट टीम के खिलाफ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच (13-16 जून को बेकेनहैम में) खेलना है। 18 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा कि शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन 3 जून को आईपीएल 2025 के समाप्त होने के बाद इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले भारत ए टीम में शामिल होंगे।

योगी आदित्यनाथ के साथ काम करेंगे टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वैसे तो इन दिनों आईपीएल खेलने में बिजी हैं, लेकिन, इस बीच उन्हें लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। ये खबर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उनके काम करने को लेकर जुड़ी है। दरअसल, इस अनुभवी भारतीय गेंदबाज ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। शमी ने अपने इंस्टाग्राम पर बताया कि वो उत्तर प्रदेश के आगे ले जाने की मुहिम का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। अब सवाल है कि योगी आदित्यनाथ का काम क्या है, जिसमें मोहम्मद शमी उनका साथ देने और हाथ बंटाने को लेकर उत्साहित हैं। शमी के इंस्टा पोस्ट से जो पता चलता है, उसके मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का जोर एक बेहतर समाज के निर्माण पर है। उन्होंने इस पर विकास और प्रगति की इच्छा जाहिर की है। योगी आदित्यनाथ की उसी मुहिम का हिस्सा अब मोहम्मद शमी भी बनना चाहते हैं। शमी ने कहा हम एक होकर काम करेंगे तो सपनों को साकार कर सकते हैं। मोहम्मद शमी से हाल्यांग ने ये बातें तब शेयर की, जब वो उनसे मिलने पहुंचे थे।

आईपीएल 2025 अब तक शमी के लिए अच्छा नहीं रहा - फिलहाल, तो मोहम्मद शमी आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं, जहां वो सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं। मोहम्मद शमी और उनकी नई टीम सनराइजर्स, दोनों के लिए, ये सीजन उतना अच्छा रहा नहीं। शमी ने इस सीजन अब तक खेले 9 मैचों में सिर्फ 6 विकेट हासिल किए हैं। वहीं उनकी टीम सनराइजर्स हैदराबाद की बात करें तो वो भी प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है। 11 मैच खेलने के बाद एसआरएच के नाम सिर्फ 3 जीत दर्ज हैं और वो पॉइंट्सटेबल में फिलहाल 8वें नंबर पर है।

आईपीएल 2025 में जमकर चला गिल का बल्ला, विराट कोहली का तोड़ दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 60वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन कर क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। गिल ने 53 गेंदों में नाबाद 93 रनों की शानदार पारी खेलकर न केवल अपनी टीम को 10 विकेट से शानदार जीत दिलाई, बल्कि टी20 क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इस पारी के साथ गिल ने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

गिल ने कोहली को छोड़ा पीछे

शुभमन गिल ने टी-20 क्रिकेट में 5000 रन सिर्फ 154 पारियों में पूरे किए, जबकि विराट कोहली को इस मुकाम तक पहुंचने में 167 पारियां लगी थीं। गिल अब भारत के लिए टी20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में केएल राहुल (143 पारियां) के बाद दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सुरेश रैना (173 पारियां) इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

टी-20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

- क्रिस गेल- 132 पारियां
- केएल राहुल- 143 पारियां
- शॉन मार्श- 144 पारियां
- डेवोन कॉनवे- 144 पारियां
- बाबर आजम- 145 पारियां
- शुभमन गिल- 154 पारियां

वैश्विक स्तर पर गिल टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने हैं। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल 132 पारियों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं।

दिल्ली के खिलाफ गिल का जलवा

मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के नाबाद शतक की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट पर 199 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात टाइटंस की ओर से शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सुदर्शन ने 108 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि गिल ने 93 रन बनाए। दोनों ने मिलकर बिना कोई विकेट गंवाए लक्ष्य को हासिल कर लिया और गुजरात को 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत दिलाई। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली।

क्यों हैं गिल कोहली के उत्तराधिकारी?

शुभमन गिल को लंबे समय से विराट कोहली का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। उनकी तकनीक, दबाव में शांत रहने की क्षमता और लगातार रन बनाने की काबिलियत उन्हें खास बनाती है। इस रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि गिल न केवल मौजूदा दौर के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं, बल्कि भविष्य में भारतीय क्रिकेट के बड़े सितारे बनने की पूरी क्षमता रखते हैं।

आलिया भट्ट ने दिखाया पूल बूट कैंप का जलवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने बताया कि उनका सोमवार थोड़ा सुस्त चल रहा था, लेकिन जब उन्होंने पूल बूट कैंप किया, तो उनका मूड बेहतर हो गया और एनर्जी बढ़ गई। आलिया भट्ट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की।

इस फोटो में वह अपने फिटनेस ट्रेनर ईशान मेहरा के साथ स्विमिंग पूल में नजर आ रही हैं। दोनों पूल के किनारे कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए पोज दे रहे हैं। आलिया भट्ट ने अपनी पोस्ट में कैप्शन लिखा, मूडी मंडे! ख़त्म। पूल बूट कैंप पावर बाय ईशान मेहरा। यानी सोमवार थोड़ा सुस्त था, लेकिन उनके ट्रेनर ईशान मेहरा के साथ किए गए पूल बूट कैंप ने उनके दिन को बेहतर बना दिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही एक नई फिल्म अल्फा में नजर आएंगी।

यह महिलाओं पर आधारित जासूसी फिल्म है। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी दोनों ही जासूस के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं। अल्फा फिल्म यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इस स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत एक था टाइगर फिल्म से हुई थी, जिसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ थे। इसके बाद टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3 जैसी फिल्में आईं। अल्फा फिल्म इसी साल क्रिसमस के दिन, यानी 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आलिया के पास एक और बड़ी फिल्म संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर है। इस फिल्म में आलिया के साथ उनके पति रणबीर कपूर और एक्टर विक्की कौशल भी नजर आएंगे। यह फिल्म आलिया और भंसाली की दूसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों ने साथ में 2022 में आई हिट फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में काम किया था।

बब्बू मान और गुरु रंधावा मेरे रोल मॉडल है

टीवी के हिट शो छोटी सरदारनी में मेहर के किरदार से मशहूर हुई एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया अब सिनेमा की दुनिया में कदम रख रही हैं। वह अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के ज़रिए बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में वह बब्बू मान और गुरु रंधावा जैसी जानी-मानी हस्तियों के साथ काम कर रही हैं।

निमृत ने कहा, बब्बू मान सर और गुरु रंधावा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत ही प्रेरणादायक अनुभव था। मैं बचपन से इन दिग्गजों को देखती, सुनती और उनकी सराहना करती आई हूं। वे मेरे लिए रोल मॉडल की तरह हैं। उन्होंने कहा, पहले दिन से ही, उन्होंने गर्मजोशी और सम्मान के साथ मेरा स्वागत किया। बब्बू सर अपने अभिनय में इतनी गहराई और गंभीरता लाते हैं कि सेट पर हर कोई अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित होता है। वहीं गुरु इतने स्वाभाविक रूप से आकर्षक और सहयोगी हैं कि उनके साथ काम करना बहुत सहज लगता है। एक्शन और कट के बीच, मैं बहुत कुछ सीख रही थी, जैसे कोई मास्टरक्लास चल रही हो। शौंकी सरदार की कहानी सम्मान, संस्कृति, और बदलाव से जुड़ी है। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि सोचने के लिए प्रेरित करने वाली फिल्म है। सेट से जुड़े सूत्रों ने निमृत, बब्बू मान और गुरु रंधावा, तीनों के बीच एक मजबूत दोस्ती का खुलासा किया। सूत्रों ने बताया, वे न केवल ऑनस्क्रीन बल्कि ऑफस्क्रीन भी खूब मजाक-मस्ती करते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी समझ पर्दे पर भी साफ झलकती है। हाल ही में फिल्म शौंकी सरदार का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें पंजाब की संस्कृति, जीवनशैली और जज्बातों को खूबसूरती से दर्शाया गया। फिल्म में जमकर एक्शन सीन हैं, लेकिन यह भाईचारे और गहरे पारिवारिक रिश्तों को भी उजागर करती है। ट्रेलर में गुरु रंधावा को मजेदार किरदार निभाते हुए दिखाया गया है, जो कहानी में दिलचस्प मोड़ लाते हैं और उसे आगे बढ़ाते हैं। इस फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है। वहीं ईशान कपूर, शाह, जडियाली, धर्मिंदर बटोली और हरजोत सिंह इसे मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण जी स्टूडियोज और ग्लोबल म्यूजिक रिकॉर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले 751 फिल्म्स के सहयोग से किया गया है। यह फिल्म 16 मई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

ट्रोलर्स पर भड़कीं मौनी रॉय, बोलीं वो सिर्फ ग्लैमर देखते हैं, मेहनत नहीं

हाल ही में 'द भूतनी' में नजर आई अभिनेत्री मौनी रॉय अपने लुक में बदलाव करने और प्लास्टिक सर्जरी कराने को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर है। लोगों का कहना है कि मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी कराई है और इसी वजह से अब वो ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई है। अब ट्रोलिंग और अपने लुक में बदलाव पर मौनी रॉय ने बात करते हुए प्रतिक्रिया दी है।

मुझे फर्क नहीं पड़ता

नयनदीप रक्षित के साथ यूट्यूब चैनल में बातचीत के दौरान मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को लेकर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने कहा, अब यह सब मुझे परेशान नहीं करता। मैं पहले उन्हें ब्लॉक कर देती थी। अब मैं इसके बारे में बेपरवाह हो गई हूं। अगर मेरा मूड खराब होता है, तो मैं सोचती हूं कि ये लोग कहां जा रहे हैं? मुझे लगता है कि ये नरक में जा रहे हैं। बहुत बुरा कर्म है। अगले ही पल मुझे लगता है कि ये बिना चेहरे वाले लोग हैं जो स्क्रीन के पीछे छिपकर बकवास लिख रहे हैं। ये कितनी दयनीय जिंदगी जी रहे हैं। अगर इससे उनको खुशी मिलती है, तो ऐसा ही करें। इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

वो नहीं जानते हमने कितनी मेहनत की

मौनी ने आगे कहा, जब कोई कैरेक्टर को लेकर गलत बोलता है, तो कभी-कभी मुझे बुरा लगता है। लेकिन बाकी नहीं। वो केवल ग्लैमर देखते हैं, मेहनत नहीं। वे नहीं समझते कि पहला रोल पाने के लिए क्या करना पड़ता है, खासकर जब आप किसी फिल्मी परिवार से नहीं आते हैं। ऑडिशन, रिजेक्शन इनमें से कुछ भी आसान नहीं है।

'द भूतनी' में नजर आई थीं मौनी

मौनी रॉय हाल ही में 'द भूतनी' में नजर आई थीं। इस हॉरर कॉमेडी में उनके साथ संजय दत्त, पलक तिवारी और सनी सिंह भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी।

ठग सुकेश मामले पर बोलीं जैकलीन फर्नांडिस

जैकलीन फर्नांडिस 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनीं। इस दौरान उन्होंने अपनी दिवंगत मां और ठग सुकेश को लेकर उनकी जिंदगी में होने वाली उथल-पुथल पर भी बात की। जैकलीन ने कहा कि इस रास्ते चलते उन्हें पब्लिक स्क्रूटनी का भी सामना करना पड़ा। जैकलीन ने सुकेश के मामले में सीधे तौर पर तो नहीं लेकिन मुश्किल घड़ी में पैरेंट्स से मिलने वाले सपोर्ट पर बात की। द हॉलीवुड रिपोर्टर से बात करते हुए उन्होंने कहा- 'इंडस्ट्री में हम एक्टर के तौर पर जिस दौर से गुजरते हैं, हमारे पैरेंट्स को भी उससे गुजरना पड़ता है। एक्टर होने के नाते आपसे जुड़ी हर चीज पब्लिक के बीच है। माता-पिता के लिए हर वक्त आपका साथ देना मुश्किल होता है। मेरी मां को हमेशा मुझ पर गर्व था और वो हमेशा चाहती थी कि मैं कोशिश करती रहूं। सामने देखती रहूं।' बता दें कि जैकलीन उस समय विवादों में घिर गईं, जब ठग सुकेश के साथ उनकी कुछ रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ठग सुकेश चंद्रशेखर पिछले कई सालों से जेल में बंद है। जांच में सामने आया कि एक समय में जैकलीन, सुकेश के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। इसके चलते एक्ट्रेस भी जांच के दायरे में आ गई थीं। जांच में सामने आया कि सुकेश ने खुद को बिजनेसमैन बताते हुए जैकलीन से रिश्ता रखा था। उस समय वह उन्हें कई महंगे तोहफे भी देता था। वहीं, जैकलीन ने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि वे नहीं जानती थीं कि सुकेश एक ठग है। जैकलीन के इनकार के बाद भी सुकेश अक्सर खास मौकों पर जेल से उनके लिए चिट्ठी लिखता है और उन्हें कोई ना कोई तोहफा देने का दावा करता है।

पत्रलेखा ने 'लव गेम्स' में बोल्ड सीन को लेकर बताया खतरनाक सच

एक्ट्रेस पत्रलेखा ने अपने सिनेमाई करियर की शुरुआत सिटीलाइट्स फिल्म से की थी, जिसमें उनके साथ राजकुमार राव मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद अभिनेत्री ने साल 2016 में विक्रम भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म लव गेम्स में काम किया, जिसमें उन्होंने बोल्ड सीन किए थे। अब पत्रलेखा ने फिल्म में बोल्ड सीन करने को लेकर एक खुलासा किया है। साथ ही कहा कि वह अब बदल गई हैं।

बोल्ड सीन करने के पीछे की बताई वजह

हाल ही में अभिनेत्री पत्रलेखा बॉलीवुड बबल के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। इस दौरान एक्ट्रेस से सवाल किया गया कि क्या वह फिर से लव गेम्स फिल्म जैसी बोल्ड भूमिका निभाएंगी। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, नहीं, मैं इसे फिर से नहीं करूंगी। 10 साल पहले की पत्रलेखा एक बहुत अलग, बहुत छोटी लड़की थी। उसके लिए काम करते रहना बहुत जरूरी था। शायद वह किसी से जुड़ रही थी, उसे सिर्फ काम चाहिए था। मुझे तब इस बात का एहसास नहीं था, लेकिन मैंने वो बोल्ड सीन शायद हताश होकर या डिप्रेशन में किया था।'

इस फैसले के लिए वह खुद को दोषी मानती हैं

अपनी बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'अब वर्तमान में जो पत्रलेखा है, वह ऐसा नहीं कर सकती। मैं एक बात और स्पष्ट कर दूं कि फिल्म में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने वही बनाया जो स्क्रिप्ट में लिखा था, लेकिन क्या मैं इसके साथ न्याय कर सकती थी? नहीं। क्या मैं उस फिल्म के लिए सही व्यक्ति थी? नहीं। यह मुझ पर निर्भर था। मुझे इसके बारे में सोचना चाहिए था और डर के कारण ऐसा नहीं करना चाहिए था क्योंकि सच्चाई यह है कि मेरे पास काम नहीं था। इसलिए मैं ईमानदारी से उस फैसले के लिए खुद को दोषी मानती हूं।'

परेश रावल के फिल्म छोड़ने पर बोले सुनील शेट्टी

बॉलीवुड की चर्चित कॉमेडी फिल्मों की फ्रेंचाइजी 'हेरा फेरी' इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्टर परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' से खुद को अलग कर लिया है जिसके बाद फैंस काफी निराश हैं। 'बाबू भैया' के फिल्म छोड़ने की खबर पर अब 'श्याम' यानी सुनील शेट्टी परेश रावल के फिल्म छोड़ने की खबर पर बात करते हुए कहा, 'बिना बाबू भैया और अक्षय कुमार के राजू के 'हेरा फेरी' जैसी कोई चीज हो ही नहीं सकती।' सुनील ने साफ-साफ शब्दों में कहा कि अगर परेश रावल फिल्म में नहीं होंगे, तो श्याम जैसे किरदार का वजूद ही खत्म हो जाएगा। उनका कहना है कि हेरा फेरी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक अनुभव है, जो तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक तीनों कलाकार एक साथ न हों।

रश्मिका मंदाना संग शादी पर विजय देवरकोंडा का रिएक्शन

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के रिश्ते को लेकर आए दिन कुछ ना कुछ छपता रहता है। हाल ही में विजय और रश्मिका की सगाई की खबरें भी आई थीं। अपने हालिया एक इंटरव्यू में विजय ने सगाई की अफवाहों, शादी और रश्मिका को लेकर बात की है।

रश्मिका को बताया खूबसूरत और मेहनती

फिल्मफेयर मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में रश्मिका मंदाना के बारे में बात करते हुए विजय ने उन्हें मेहनती बताया। उन्होंने कहा- मैंने रश्मिका के साथ ज्यादा फिल्में नहीं की हैं। मुझे उनके साथ और फिल्में करनी चाहिए। वो एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। वो एक खूबसूरत महिला हैं इसलिए केमिस्ट्री में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। वह बहुत मेहनती हैं। वो अपने इरादे और कॉन्फिडेंस से किसी भी चीज को हरा सकती हैं। वो दयालु हैं और अपने आस-पास लोगों के आराम और खुशी को प्रायोरिटी देती हैं।

फिलहाल शादी का कोई इरादा नहीं है

इंटरव्यू के दौरान रश्मिका को डेट करने की बात पर विजय ने ना तो इसे खारिज किया और ना ही स्वीकार किया। शादी की बात पर एक्टर ने कहा- मैं शादी जरूर करूंगा। फिलहाल मैं पार्टनर की तलाश नहीं कर रहा हूं। विजय से जब पूछा गया कि क्या रश्मिका उनकी आदर्श पत्नी के पैमाने में फिट बैठती हैं? एक्टर ने जवाब में कहा- कोई भी अच्छे दिल वाली महिला इस पैमाने में फिट बैठती है। रश्मिका और विजय को अक्सर साथ देखा जाता है। दोनों को कई बार डेट पर जाते देखा गया है। जिसके चलते दोनों के रिलेशनशिप में होने की अफवाह है। हालांकि, दोनों ने अब तक अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियली एक्सेप्ट नहीं किया है। रश्मिका मंदाना हाल ही में फिल्म सिकंदर में सलमान खान के साथ नजर आई थीं। फिल्म 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म रिलीज होने के कुछ घंटे बाद रश्मिका को मुंबई के एक रेस्टोरेंट में रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा के साथ देखा गया था।